नई दिल्ली
गुरुवार 30 जुलाई 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 102
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बांकीपुर,दतिया और मांजलपुर में मतदान आज

नई दिल्ली। बिहार की बांकीपुर सीट, मध्य प्रदेश की दतिया सीट और गुजरात के मांजलपुर सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए 30 जुलाई यानी आज मतदान होगा और तीन अगस्त को नतीजे आएंगे। दतिया में जहां भाजपा के आशुतोष तिवारी और कांग्रेस के घनश्याम सिंह के बीच कांटे की टक्कर है, वहीं बांकीपुर सीट पर भाजपा ने नीरज कुमार सिन्हा को टिकट दिया है, तो वहीं जनसुराज के प्रशांत किशोर भाजपा प्रत्याशी को कड़ी टक्कर देंगे।

शुभमन गिल बने दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज

नई दिल्ली। आईसीसी द्वारा जारी ताजा वनडे रैंकिंग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 801 रेटिंग अंकों के साथ एक बार फिर पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (794 अंक) को पीछे छोड़कर नंबर-1 की कुर्सी पर कब्जा जमाया। गिल को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में बनाए दो अर्धशतकों का फायदा मिला। वनडे रैंकिंग के टॉप-5 में भारत का दबदबा बरकरार है, जिसमें शुभमन गिल के अलावा रोहित शर्मा और विराट कोहली भी अपनी मजबूत स्थिति बनाए हुए हैं।

चढ़ावा चोरीः नई एसआईटी ने संभाली जांच की कमान

अयोध्या। राम मंदिर की दान पेटिकाओं से चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए गठित नई एसआईटी सक्रिय हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित इस तीन सदस्यीय टीम ने वर्चुअल बैठक कर पुलिस कार्रवाई, साक्ष्यों का पूरा ब्योरा लिया है। इसमें आईजी किरण एस, डीआईजी सोमेन वर्मा और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर शामिल हैं। अब पूरे मामले की आगे की विवेचना और समीक्षा इसी टीम के पर्यवेक्षण में की जाएगी।

नहीं चली कार्यवाही, सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक दूसरे के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

राहुल के 'इडियट' और 'अंधभक्त' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर लोकसभा में खूब बरपा हंगामा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा में बुधवार का दिन एंटी-पेपरलीक विधेयक-2026 पर हुई हंगामेदार चर्चा और उसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा 'स्टूडेंट', 'इडियट' और 'अंधभक्त' जैसे कुछ शब्दों के इस्तेमाल के जरिए लगाए गए तड़के के नाम रही। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर करीब पौने 1 बजे राहुल गांधी ने विधेयक पर बोलना शुरू किया। जिसमें उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राजधानी में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए खासतौर पर एक 18 वर्षीय युवा छात्रा से हुई बातचीत को लेकर एक कहानी सुनाई। जिसमें उन्होंने कहा कि छात्रा ने उन्हें अपनी बात तीन शब्दों स्टूडेंट, इडियट और अंधभक्त जैसे कुछ शब्दों की मिसाल देते हुए समझायी है। राहुल का ये अंदाजे बयां एक प्रकार से मोदी सरकार पर एक अत्यंत गंभीर मामले में बेहद रोचक अंदाज में जमकर निशाना साधने वाला नजर आया। जिसमें उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह का नाम लेकर उन पर आरोप लगाया कि उन्होंने ही प्रदर्शनकारी युवा छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। जिसके लिए गृहमंत्री को सदन में आकर अपना स्पष्टीकरण देना पड़ेगा। राहुल की इस भाषा शैली से सत्ता पक्ष आक्रोशित हो गया और उन्होंने राहुल से सदन में माफी मांगने की मांग की। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने गृहमंत्री पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसे लेकर उन्हें सदन में माफी मांगनी चाहिए। जवाब में राहुल बोले, मैंने तीनों शब्दों का इस्तेमाल सत्ता पक्ष के किसी भी सदस्य के लिए नहीं लिया है। आप लोग कहें तो मैं किसी छद्म (प्रॉक्सी) नाम के साथ अपनी बात ⏩शेष पेज 5 पर

⏩ सत्ता पक्ष बोला, माफी से कम कुछ मंजूर नहीं, विपक्ष को चाहिए गृह मंत्री का जवाब

⏩ संसदीय कार्यमंत्री की अपील को बिरला ने किया स्वीकार, दोनों असंसदीय शब्द कार्यवाही से बाहर

समझायी इडियट की परिभाषा

राहुल ने बताया कि युवा लड़की ने मुझसे बातचीत में ये भी कहा था कि देश में एक ऐसा समूह भी है। जिसे यह विश्वास है और वो यह मानता भी है कि जो ज्ञान है। वह उसी के भीतर से प्रकट होता है और वह ही भगवान हैं। उनके मुताबिक, एक आम इंसान को जो कुछ जानना चाहिए, उन्हें उसकी पूरी समझ है। यह वो लोग हैं, जो घमंडी हैं और किसी दूसरे की बात कतई नहीं सुनते हैं। राहुल ने कहा कि जब मैंने लड़की से पूछा कि तुम उन लोगों को क्या कहती हो, तो जवाब में उसने कहा, मैं उन लोगों को इडियट कहती हूं। राहुल ने बताया कि उनकी यह बातचीत युवा छात्रा के साथ आगे भी जारी रही, जिसमें उन्होंने उससे पूछा कि तीसरी श्रेणी कौन सी है। क्या ये वो लोग हैं जो छात्र नहीं है? लड़की ने जवाब दिया, छात्र वह होता है जो विद्या के अर्थ को तलाशता है, गर्व से रहता है। वहीं, दूसरी श्रेणी उन लोगों की है, जो खुद को भगवान समझते हैं और अपनी ऐसी ही छवि उन्हें गढ़नी पढ़ती है। फिर मैंने उससे तीसरी श्रेणी को लेकर पूछा, उसने कहा वह अंधभक्त की है। जो ये मानते हैं कि इडियट ही भगवान है।

प्रधान का इस्तीफा महज दिखावा

राहुल ने कहा कि छात्र किसान भी हो सकते हैं, डॉक्टर और वकील भी हो सकते हैं। लेकिन यह जो छात्र होता है, उसका लक्ष्य होता है सच्चाई की तलाश करना और वो उसके पीछे दौड़ता रहता है। बाकी लोग इडियट हैं। नेता विपक्ष ने सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि पेपरलीक मामले पर हुआ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तो सिर्फ दिखावा है। जबकि केंद्र के पूरे शिक्षा तंत्र के पीछे संघ छिपा हुआ है। शिक्षा मंत्रालय को भी संघ ही चलाता है। प्रधान तो मुखौटा है, असली चेहरा संघ का है। जो चाहता है कि युवा अंधभक्त बनें। लेकिन छात्रों ने भी उन्हें बता दिया है कि वो किसी भी हाल में अंधभक्त तो नहीं बनेंगे। राहुल ने कहा, वर्तमान में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में संघ के ही नियुक्त किए हुए वाइस चांसलर काम कर रहे हैं।

युवाओं के भविष्य से खेल रही सरकार

नेता विपक्ष ने केंद्र पर यह आरोप भी लगाया कि देश का युवा किसी तरह के गुस्से या नफरत से प्रदर्शन करने के लिए नहीं बैठा था। बल्कि वह अपनी जायज मांगों जैसे पेपरलीक के साथ सरकार से इंसाफ देने की गुहार लगाने के लिए जंतर-मंतर पर बैठे थे। लेकिन सरकार ने उन पर गोली चलाई, जिसका निर्देश गृह मंत्री ने दिया था। छात्र शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कभी भी हिंसा का इस्तेमाल नहीं किया। बच्चे घंटों-घंटों तक नीट या अन्य पेपर की तैयारी के लिए पढ़ाई करते हैं। लेकिन बाद में उन्हें पता चलता है कि पेपरलीक हो गया। अमीर बच्चे पेपर पास कर लेते हैं और गरीब पिछड़ जाते हैं। आज देश में हर चीज का निजीकरण किया जा रहा है। मेरे हिसाब से यह पूरा तंत्र घूसखोरी का है।

गृह मंत्री में साहस नहीं

उन्होंने अपनी बात को पुनः दोहराते हुए कहा कि अगर गृह मंत्री अमित शाह ने छात्रों पर गोलियां चलाने का आदेश नहीं दिया तो वह यहां लोकसभा में आकर क्यों नहीं बैठते हैं? राहुल ने बताया कि गृह मंत्री के साथ कुल 30 कारों का एक काफिला चलता है। जब इसमें मैंने उन्हें देखा तो उनके चेहरे पर काफी चिंता और तनाव नजर आया। गृह मंत्री का चेहरा गाड़ी में झुका हुआ था। सत्ता पक्ष ने राहुल के तमाम आरोपों पर सख्त भाषा में प्रतिक्रिया देते हुए उनसे माफी मांगने के लिए कहा।

पेपर लीक संशोधन बिल पासः सिंह

लोकसभा में हंगामे के बीच एंटी पेपर लीक संशोधन बिल पारित कर दिया गया है। लंबी चर्चा के बाद ध्वनि मत से यह बिल पास हो गया है। अब राज्यसभा भेजा जाएगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में बिल पेश करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण बिल पर चर्चा करने और सुझाव देने के बजाए विपक्ष राजनीति कर रहा है। जितेंद्र सिंह ने कहा, विपक्ष का आचरण बेहद निराशाजनक है।

नेता विपक्ष राहुल गांधी भाजपा से नहीं, बल्कि अदालत में माफी मांगते हैंः पात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा ने बुधवार को राहुल गांधी पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने, सदन को गुमराह करने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा है कि राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिर तथ्यों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश की और ऐसा माहौल बनाने का प्रयास किया कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया।

भाजपा बोलीः यह कहना सही नहीं है कि हर कार्रवाई का आदेश गृह मंत्री सीधे देते हैं **राहुल गांधी** की प्रेस कॉफ्रेंस के बाद भाजपा का पलटवार

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा ने भी नेता विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर केंद्र सरकार के खिलाफ उनकी असंसदीय टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला किया और उन पर पेपर लीक विरोधी विधेयक पर लोकसभा में हुई बहस के दौरान झूठे और बेबुनियाद दावे करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने बहस के दौरान गांधी द्वारा ईडियट शब्द के प्रयोग का जिक्र करते हुए कहा कि कोई भी छात्र मूर्ख या अंधभक्त नहीं है।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने, सदन को गुमराह करने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश का आरोप लगाया। पात्रा कहा कि राहुल गांधी भाजपा से नहीं, बल्कि अदालत में माफी मांगते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन में दावा किया कि छात्रों पर गोली चलाई गई और इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं। पात्रा ने कहा कि सरकार और भाजपा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि ऐसी कोई फायरिंग नहीं हुई। उन्होंने सवाल किया कि यदि गोली चली थी तो उसका कोई कारतूस, बैलिस्टिक रिपोर्ट या कोई ठोस सबूत क्यों नहीं दिखाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब यह दावा टिक नहीं पाया तो राहुल गांधी ने अपने बयान का स्वर बदल दिया। पात्रा ने कहा कि किसी भी कानून-व्यवस्था की स्थिति में मौके पर मौजूद सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट यह तय करते हैं कि कितने बल का इस्तेमाल करना है। केवल इस आधार पर कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है, यह कहना सही नहीं है कि हर कार्रवाई का आदेश गृह मंत्री सीधे देते हैं।

पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में फिर तथ्यों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश की और ऐसा माहौल बनाने का प्रयास किया कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया। उन्होने कहा कि राहुल गांधी का यह आरोप पूरी तरह गलत है कि उन्हें बोलने का मौका नहीं ⏩शेष पेज 5 पर

यूक्रेन तट के पास 'एमवी अमीर 1' जहाज में सवार भारतीयों के मामले में चौकन्नी सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच काला सागर तट के पास चालक दल में शामिल कुल 13 भारतीय नाविकों को लेकर जा रहे एक व्यापारिक जहाज एमवी अमीर- 1 की समूची स्थिति पर भारत की पैनी नजर बनी हुई है। यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित भारत के दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट में बताया कि यह मामला हमारे संज्ञान में आया है। जिसे लेकर हम जहाज की हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर अपनी निगाहें टिकाए हुए हैं। इसके अलावा जहाज में सवार देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी दूतावास यूक्रेन के स्थानीय अधिकारियों के अलावा अन्य सभी संबंधित पक्षों के साथ संपर्क साधे हुए है। जहाज में सवार चालक दल के कुल सदस्यों की संख्या 15 है। जिसमें 13 भारत के नागरिक हैं। बताते चलें कि यह घटना बीते दिनों यूक्रेन के ही ओडेसा बंदरगाह पर एक अन्य व्यापारिक जहाज एमवी एजीएन रागनार पर हुए हमले के बाद तुरंत बाद सामने आया है। जिसमें चालक दल के 4 भारतीयों में से दो सदस्य अभी भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है।

⏩ यह एक व्यापारिक जहाज है, जिसमें सवार भारतीयों की सुरक्षा को दी जा रही है सर्वोच्च प्राथमिकता

एफएसयूआई की अपील बनी आधार

दरअसल यह पूरा मामला या दूतावास की पोस्ट सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) की उस अपील के बाद सामने आया है। जिसमें उसने भारत की सरकार तथा अन्य संबंधित पक्षों जैसे जहाज मालिकों, जहाज पर लगे हुए ध्वज राष्ट्र से भी अमीर 1 जहाज पर सवार लोगों की सुरक्षा को पुख्ता बनाए रखने और उन्हें तुरंत चुनौतीपूर्ण हालातों से सुरक्षित बाहर निकालने की अपील की थी। जहाज की ताजा लोकेशन भी एफएसयूआई ने साझा करते हुए बताया कि इस वक्त ये जहाज यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क ⏩शेष पेज 5 पर

सीएसएल ने किया इस जहाज का निर्माण, लगाई गई 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री

नौसेना को मिला उथले जल में दुश्मन के होश उड़ाने वाला पनडुब्बी रोधी जहाज 'मछलीपट्टनम'

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दुनिया भर में जारी सैन्य संघर्षों के चुनौतीपूर्ण दौर में बुधवार को भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े की क्षमता में कई गुना का इजाफा देखने को मिला है। जिसकी बड़ी वजह समुद्री बल में उथले जल में शत्रुओं के खिलाफ अचूक आक्रामक कार्यवाही करने में सक्षम मछलीपट्टनम (बीवाई 529) जहाज (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) का जलावतरण होना है। जहाज का निर्माण देश के अंदर कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा किया गया है। जिसमें लगाई गई स्वदेशी सामग्री का कुल आंकड़ा 80% से अधिक है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जहाज का जलावतरण समारोह ⏩शेष पेज 5 पर

इस राज्य के जिले से मिला नाम

जहाज को आंध्र-प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित ऐतिहासिक मछलीपट्टनम बंदरगाह से यह नाम मिला है। आमतौर पर इस बंदरगाह को अपनी समृद्ध विरासत और व्यापार के लिए जाना जाता है। ऐसे में मछलीपट्टनम नाम न केवल देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। बल्कि यह देश के समुद्री हितों की रक्षा करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी भली-भांति प्रदर्शित करता है।

यूं चाक-चौबंद होगी तटीय सुरक्षा

मछलीपट्टनम जहाज की मदद से न केवल देश की तटीय सुरक्षा को चार चांद लगेंगे। बल्कि इससे समुद्री क्षेत्र को लेकर जागरूकता भी बढ़ेगी। समुद्री इलाके में अपनी तैनाती के दौरान इस जहाज का मुख्य काम समुद्र के अंदर निगरानी करना, पनडुब्बी रोधी युद्ध से जुड़े अभियानों में अहम भूमिका निभाना और आवश्यकता पड़ने पर दुश्मन द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को नेस्तनाबूद करना और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों में अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन करना है।

उत्तर पश्चिम जिले के भारत नगर इलाके में वारदात

पार्क में महिला के साथ बैठे शख्स की चाकूओं से गोदकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर पश्चिम जिले के भारत नगर थाना अंतर्गत बुधवार शाम पार्क में बैठे महिला और पुरुष पर कुछ युवकों ने चाकुओं से ताबड़तोड़ वार किये। इस हमले में गंभीर रूप से घायल शख्स की मौत हो गई। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर एक नाबालिग आरोपी को पकड़ा है। अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पुलिस के अनुसार बुधवार दोपहर 3:33 बजे, चाकू मारने की घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाया कि 26 वर्षीय महिला सीमा (नाम परिवर्तित) पत्नी राजेश (नाम परिवर्तित), निवासी जहांगीरपुरी, अशोक विहार के खिम्मन सिंह पार्क में सुनील (30) निवासी मैनपुरी, एटा, उत्तर प्रदेश के साथ मौजूद थी। सीमा के बयान के अनुसार, 3-4 अज्ञात लड़के उनके पास आए। किसी बात को लेकर उनमें बहस हुई, जिसके बाद लड़कों में से एक ने दोनों पर चाकू से हमला किया। इसके बाद सभी आरोपी लड़के मौके से भाग गए। सुनील को चाकू के कई घाव लगे और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एक नाबालिग आरोपी गिरफ्त में है बल्कि अन्य फरार हैं। उनकी पहचान करने और पकड़ने के लिए कई पुलिस टीमें बनाई गई हैं। बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कर्दमपुरी में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। न्यू कर्दमपुरी इलाके में 17 वर्षीय लड़के की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम इंतजार बताया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये जीटीबी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। सीनियर अधिकारियों ने जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कहीं है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक इंतजार अपने परिवार के साथ न्यू कर्दमपुरी में रहता था। पिता ऑटो रिक्शा चलाते हैं। वह परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी दो बहनें हैं। परिजनों का आरोप है कि मंगलवार रात उसके कुछ दोस्त उसे स्कूटी पर अपने साथ बैठाकर ले गये थे। आजाद चौक के पास पहले से मौजूद कुछ युवकों ने उस पर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल इंतजार को पुलिस जीटीबी अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। आरोपियों की धरपकड़ के लिये कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस ने कहा कि हत्या के मकसद की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में पुलिस हत्या के पीछे आपसी रंजिश की आशंका जाहिर कर रही है।

बेटे ने मां को पीट पीटकर मार डाला

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के मैदान गढ़ी थाना इलाके में एक बेटे ने मां को पीट पीटकर मार डाला। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि बेटे ने शराब के लिये पैसे नहीं देने पर मां को जमकर पीटा जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बुधवार को मैदान गढ़ी पुलिस स्टेशन को यूपी कॉलोनी, खड़क गांव में एक महिला की हत्या के बारे में पीसीआर कॉल मिली। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को चिंता देवी (60)अपने घर के अंदर मृत मिली। क्राइम टीम और एफएसएल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जरूरी सबूत जब्त किए। जांच के दौरान पता चला कि मृतका के छोटे बेटे अमोद ने अपनी मां के साथ मारपीट की, क्योंकि उन्होंने उसे शराब खरीदने के लिए पैसे देने से मना कर दिया था। घटना के बाद वह मौके से भाग गया था। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली पुलिस ने कांवड़ यात्रा से पहले राजधानी में सुरक्षा बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कांवड़ यात्रा से पहले राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। कांवड़ियों की शांतिपूर्ण आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की है। वरिष्ठ पुलिस अफसर भी अपने अपने क्षेत्र में समीक्षा बैठक कर रहे है। पुलिस के अनुसार शहर भर में सुरक्षा और यातायात के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उन इलाकों में जहां से शिव भक्त राजधानी में प्रवेश करते हैं जैसे उत्तर, उत्तर पूर्वी, मध्य, बाहरी उत्तरी, बाहरी, रोहिणी, द्वारका, पश्चिम, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण और कई अन्य पुलिस जिलों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अहम जगहों पर अतिरिक्त पुलिस बल, त्वारित प्रतिक्रिया दल (क्यूटीआर), पीसीआर वैन तैनात की गई हैं और नाके लगाए गए हैं। साथ ही कांवड़ यात्रा के रास्तों पर शिविर भी स्थापित किए जा रहे हैं ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद मिल सके। अधिकारी ने कहा कि उत्तरपूर्वी दिल्ली में सात प्रमुख प्रवेश बिंदु हैं, जहां से कावंड़िए शहर में प्रवेश करते हैं। ये मार्ग कई अन्य जिलों से भी जुड़ते हैं, जो उन्हें सुरक्षा और यातायात प्रबंधन दोनों दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

इन सभी स्थानों पर पर्याप्त बल की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस ने श्रद्धालुओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय बैठकें भी की हैं। यदि मार्ग में कहीं भी सहायता की आवश्यकता होगी, तो पुलिस कर्मी तुरंत प्रतिक्रिया देंगे और संबंधित जिले के साथ समन्वय करेंगे। यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए दमकल केंद्रों को भी चौकस रहने का निर्देश दिया गया है।

द्वारका में क्लस्टर बस बनी आग का गोला कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के द्वारका इलाके में बुधवार सुबह एक क्लस्टर बस में आग लग गई। बस ड्राइवर और कंडक्टर ने तुरंत सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पलभर में ही पूरी बस आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। मिली सूचना के अनुसार बस में आग लगने की यह घटना द्वारका सेक्टर 8-9 मेट्रो स्टेशन के निकट सुबह सात बजकर 55 मिनट पर हुई। बस से धुआं निकलता देख ड्राइवर चंद्रशेखर ने तुरंत बस सड़क किनारे लगाई और कंडक्टर के साथ मिलकर सभी यात्रियों को नीचे उतार दिया। आग ने तेजी से पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आधे घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट को लेकर एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक पोस्ट डालने के आरोप में कई सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और 'एक्स' से इन अकाउंट के बारे में पूरी जानकारी मांगी है।

मिली जानकारी के अनुसार स्पेशल सेल की 'इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस' (आईएफएसओ) यूनिट द्वारा एक शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद पुलिस ने 'एक्स' को नोटिस भी जारी किया। साथ ही चिन्हित पोस्ट को हटाने या उन तक पहुंच को रोकने व जांच के लिए सभी संबंधित इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को सुरक्षित करने का निर्देश दिया है। 'एक्स को निर्देश दिया गया है कि वह नोटिस मिलने के तीन घंटे के भीतर इस सामग्री को हटाने या उस तक पहुंच बंद करें। साथ ही जांच के लिए संबंधित सभी डेटा, लॉग और अकाउंट से जुड़ी जानकारी सुरक्षित रखने को भी कहा गया है। सूत्रों के अनुसार सात से आठ अकाउंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। एक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों को निशाना बनाकर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि जांच के दायरे में आए कुछ सोशल मीडिया पोस्ट कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के हालिया संसद चलो विरोध प्रदर्शन के दौरान और उसके बाद अपलोड किए गए थे, जिसमें लोगों ने प्रधानमंत्री और सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और डिजिटल साक्ष्य और सोशल मीडिया मंच से प्राप्त जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के वाहन मणिपुर में खपाने वाले गिरोह के दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दिल्ली, राजस्थान व मणिपुर से सात चोरी की लग्जरी गाड़ियां बरामद की गई। आरोपी दिल्ली एनसीआर से चुराई गई गाड़ियों को मणिपुर में खपाते थे। गिरफ्तार आरोपियों में मणिपुर का रहने वाला चोरी की गाड़ियों का खरीददार भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार दिल्ली, राजस्थान और उखरुल (मणिपुर) से सात चोरी की महंगी गाड़ियां बरामद हुई। आरोपी वाहन सुरक्षा प्रणालियों (सिक्योरिटी सिस्टम) को बायपास करने और डुप्लीकेट चाबियां प्रोग्राम करने के लिए आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल करते थे। चोरी की गाड़ियों को स्थानीय रिसीवरों के नेटवर्क के जरिए पूर्वोत्तर राज्यों में भेजा जा रहा था। पुलिस ने दिल्ली के रहने वाले 35 वर्षीय अमित नागर उर्फ सोनू और मणिपुर के रहने वाले 37 वर्षीय तोइजम नटराज सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस इनके फरार साथी अशरफ और नामजद अन्य साथियों को गिरफ्तार करने और चोरी में इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि यह गैंग मुख्य रूप से दिल्ली के द्वारका, रोहिणी और दूसरे रिहायशी इलाकों में खड़ी महंगी गाड़ियों को टारगेट करता था। चोरी की गाड़ियां मणिपुर में ठिकाने लगाने के लिए तोइजम नटराज सिंह को बेची जाती थीं, जबकि कुछ गाड़ियां राजस्थान में खरीदारों के जरिए बेची जाती थी। नटराज आगे चोरी की गाड़ियों को ठिकाने लगाने का इंतज़ाम करता था। खासकर मणिपुर के उखरुल और उत्तर-पूर्वी राज्यों के दूसरे हिस्सों में अपने स्थानीय साथियों के जरिए। डिलीवरी से पहले असली रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट बदल दी जाती थीं और गाड़ियां दिल्ली के अलीपुर फ्लाईओवर के पास सौंप दी जाती थी। आरोपियों को हर चोरी की गाड़ी के लिए लगभग 70 से 80 हजार रुपये मिलते थे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनीष चोपड़ा** पुत्र श्री विनोद चोपड़ा, निवासी बीबी 68-बी पश्चिम शालीमार बाग, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 10/2020 धारा 33 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना सब्ज़ी मंडी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मनीष चोपड़ा** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **मनीष चोपड़ा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **मनीष चोपड़ा, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 10/2020 धारा 33 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना सब्ज़ी मंडी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री प्रीति राजोरिया
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-07
कोर्ट नंबर 32
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली
DP/8761/N/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद सोनू उर्फ सोनू, पुत्रः मोहम्मद तैयब, निवासीः आरजेड–17/18, जैन कॉलोनी, पार्ट–2, बुध बाजार रोड, उत्तम नगर, दिल्ली और गांव–नजीरपुर, पोस्ट ऑफिस चांचोर, थाना उजियारपुर जिला, समस्तीपुर, बिहार** ने **FIR No.: 690/2018, U/s: 363 IPC, पुलिस थाना विजय विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद सोनू उर्फ सोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद सोनू उर्फ सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना विजय विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **मोहम्मद सोनू उर्फ सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 31.08.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन
एलडी. जेएमएफसी, उत्तर–पश्चिम, कमरा नंबर–109,
प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/8442/RD/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **पंकज राय पुत्रः राम पुकार राय, पताः** बी–59, गली नं. 06, हरिजन बस्ती, नासिरपुर, दिल्ली, **FIR No. 706/2020, U/s 279 IPC & 185 M.V. Act,** थानाः विकास पुरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होनें किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पंकज राय** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पंकज राय** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 706/2020, U/s 279 IPC & 185 M.V. Act,** थानाः विकास पुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **पंकज राय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
विनोद कुमार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
जिला दक्षिण पश्चिम, कोर्ट नं. 09
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली
DP/10289/WD/2026
(Court Matter)

जंतर मंतर पहुंचे दिशा छात्र संगठन के कार्यकर्ता छात्रों की गिरफ्तारी बंद करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

जंतर मंतर पर बेशक कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धरना प्रदर्शन समाप्त हो चुका है, लेकिन बुधवार को एकाएक पहुंचे कई छात्रों को लेकर फिर से असमंजस की स्थिति देखने को मिली। मौके पर पुलिस कर्मियों ने कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया। जबकि वहां खड़े कई बेरिकेड को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य भी होता दिखाई दिया। जंतर मंतर पर पहुंचे यह छात्र दिशा छात्र संगठन से जुड़े थे। इन छात्रों ने हाथों में पोस्टर बैनर ले रखे थे और नारेबाजी भी कर रहे थे। छात्रों ने नारेबाजी में कहा कि छात्रों की गिरफ्तारी बंद करो, एफआईआर करना बंद करो, पकड़े गए छात्रों को रिहा करो। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि सरकार अब दमनकारी नीति पर उतर आई है। क्योंकि सरकार ने सीजेपी से वादा किया था कि किसी भी छात्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होगी, उन्हें पुलिस गिरफ्तार नहीं करेगी। लेकिन अब जगह जगह छात्रों को पुलिस पकड़कर बंद कर ही है जोकि सरासर गलत है। इन छात्रों का कहना है कि हममें से कई यहां 36 दिन तक प्रदर्शन में शामिल थे। लेकिन सरकार पहले लाठी चलाती है, फिर अपने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कराती है और अब छात्रों से बदला ले रही है। लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने साफ किया कि हम सीजेपी के कार्यकर्ता नहीं है, लेकिन हम उनके साथ है, युवाओं के साथ है।

निगम सदन की बैठक आज, हो सकता है टोल टैक्स घोटाले व सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर हंगामा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की आज गुरुवार को होने वाली सदन की बैठक हंगामेदार हो सकती है। बैठक में इस बार एजेंडे से विपरीत निगम में तथाकथित टोल टैक्स घोटाले को लेकर हंगामा होने की पूरी संभावना है। वहीं जंतर मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के बाद छात्रों को पुलिस द्वारा पकड़ने व नोटिस देने के मुद्दे पर भी मुख्य विपक्षी दल आम आदमी पार्टी व कांग्रेस हंगामा कर सकते है। आप पार्टी पहले से ही भाजपा पर टोल टैक्स में करोड़ों के घोटाले को लेकर हमलावर रुख अपनाए हुए है। आप सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सदन में भाजपा टोल टैक्स घोटाले को लेकर बेशक कुछ भी करे लेकिन हम जनता की आवाज को दबने नहीं देंगे सूत्रों की मानें तो आप पार्षदों ने पूरी तैयारी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि हमारे नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग के नेतृत्व में टोल टैक्स का मुद्दा उठेगा और उस पर सत्ता पक्ष भाजपा को जवाब देना ही पड़ेगा। बता दें कि आप पार्टी ने टोल टैक्स पर सत्ता पक्ष को अपने कड़े तेवर स्थायी समिति के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव में ही दिखा दिए थे। वहीं नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग इस मुद्दे को जोर शोर से उठा रहे है। जबकि करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोपों वाले इस मुद्दे पर आप पार्टी ने अपना रंग सोमवार को हुए स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनाव के दौरान ही दिखा दिया था। उस दौरान आप पार्षदों ने बैठक के दौरान ही टोल टैक्स टेंडर में तथाकथित 500 करोड़ रुपए के घोटाले को लेकर जमकर हंगामा किया था। ऐसे में तय है कि आज सदन की बैठक में टोल टैक्स टेंडर मुददे पर जमकर हंगामा होने के पूरे आसार है जिसमें कांग्रेस भी साथ दे सकती है।

16 वर्षीय लड़के की हत्या के मामले में दो नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में 16 वर्षीय लड़के की हत्या कर शव गड्ढे में फेंकने के आरोप में दो नाबालिगों को पकड़ा गया है। आरोपियों की उम्र 16 और 17 वर्ष बताई गई है। आरोपी मृतक के साथ एक ही फैक्ट्री में काम करते थे। डीसीपी राहुल अलवल के अनुसार दोनों आरोपी गाजियाबाद जिले के बेहटा हाजीपुर के रहने वाले हैं। इन्हें मंगलवार को पकड़ा गया। उनके मुताबिक आरोपी चप्पल खरीद के बहाने लड़के को एक पार्क में ले गए थे और वहां चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। लड़के का शव मंगलवार सुबह करीब सवा 11 बजे जग प्रवेशचंद अस्पताल के पास स्थित डीडीए पार्क में एक गड्ढे से बरामद हुआ था। शव पर चाकू से वार किए जाने के निशान थे। डीसीपी ने बताया कि शव के पास खून से सना एक चाकू भी मिला था और इस बाबत न्यू उस्मानपुर थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि एक फोरेंसिक टीम ने अपराध स्थल की जांच की और सबूत एकत्र किए, जबकि अन्य पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। मृतक की पहचान लोनी, गाजियाबाद निवासी साद उर्फ नामी के रूप में हुई। आरोपियों ने बताया कि फैक्ट्री में साथ काम करने के दौरान साद उन्हें अक्सर तंग करता था। दोनों उससे परेशान थे। उसे सबक सिखाने के लिये उन्होंने उसे पार्क में बुलाया और चाकूओं से वार कर उसकी जान ले ली।

वेक्टर बोर्न डिजीज से निपटने के लिए तैयार रहें सभी सरकारी अस्पताल : डॉ. पंकज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

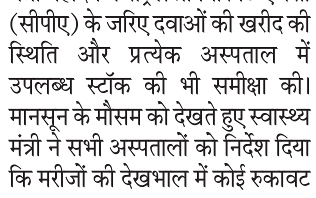

■ स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों के मेडिकल सुपरिटेंडेंट और मेडिकल डायरेक्टर के साथ की समीक्षा बैठक

मानसून के दौरान वेक्टर बोर्न डिजीज जैसी स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के दिल्ली सरकार के सभी अस्पताल तैयार रहें। यदि किसी भी अस्पताल में दवाओं की किसी भी प्रकार की कोई कमी हो तो उसकी सूचना तुरंत सीधे उनके कार्यालय को दें, ताकि समय रहते जरूरी कदम उठाए जा सकें। यह निर्देश बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों के मेडिकल सुपरिटेंडेंट (एमएस) और मेडिकल डायरेक्टर (एमडी) के साथ एक समीक्षा बैठक में दिए। इस बैठक में स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली सरकार के सभी अस्पताल में दवाओं, जरूरी सामान और सर्जिकल आइटम की उपलब्धता की विस्तार से समीक्षा की। मंत्री महोदय ने सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के जरिए दवाओं की खरीद की स्थिति और प्रत्येक अस्पताल में उपलब्ध स्टॉक की भी समीक्षा की। मानसून के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने सभी अस्पतालों को निर्देश दिया कि मरीजों की देखभाल में कोई रुकावट नहीं आए, इसके लिए जहां भी जरूरत हो, वहां लोकल परचेज के आधार पर दवाइयां खरीदी जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में दवाइयों की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री डॉ. पंकज ने अस्पतालों को डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया और अन्य जलजनित मौसमी बीमारियों के मामलों में बढ़ोतरी से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने का निर्देश दिए। बैठक में दिल्ली सरकार के अस्पतालों में बेड की क्षमता का भी विस्तार से आकलन किया गया। मंत्री डॉ. पंकज ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में उपलब्ध लगभग 18 हजार बिस्तरों की स्थिति की समीक्षा की और सभी मेडिकल सुपरिटेंडेंट को भविष्य की जरूरतों, खासकर मैटरनिटी और इमरजेंसी वार्ड में जरूरतों का आकलन करने का निर्देश दिया। जिन अस्पतालों को अतिरिक्त बेड की ज़रूरत थी, उन्हें विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने और समय पर कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य विभाग को सौंपने का निर्देश दिया गया। मंत्री डॉ. पंकज ने अस्पतालों को निर्देश दिया कि वे मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त ऑपरेशनल और आईसीयू बेड उपलब्ध रखें। वहीं मंत्री डॉ. पंकज ने कहा कि सभी अस्पताल हर पंद्रह दिन में मंत्री कार्यालय को आभा आईडी रजिस्ट्रेशन, पीडब्ल्यूडी से जुड़े लंबित मामलों और दखल की जरूरत वाले अन्य अहम ऑपरेशनल मामलों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने साफ तौर पर कहा कि तय समय से पहले ओपीडी या दवा वितरण काउंटर बंद करने को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही मंत्री डॉ. पंकज ने सभी मेडिकल सुपरिटेंडेंट को निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से अपने अस्पताल परिसर का निरीक्षण करें और इंफ्रास्ट्रक्चर, मरम्मत या रखरखाव से जुड़ी किसी भी समस्या की पहचान करें और इसकी विस्तृत रिपोर्ट मंत्री कार्यालय को सौंपे। ताकि मामलों को पीडब्ल्यूडी सचिव के साथ मीटिंग कर हल किया जा सके।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड, पंचकुला	ग्रुप-सी के लिए दो वर्ष की अवधि हेतु हरियाणा सरकार के विभिन्न हस्पतालों को एचआईवी और सिफिलिस के लिए ड्यूअल किट की आपूर्ति हेतु दर अनुबंध के लिए ऑनलाइन निविदा।	28.07.2026 18.08.2026	1,88,04,000/-	www.hmscl.org.in	0172-478822 hmsctenders@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2027/40/47630/I/88/7 दि. 29.07.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकुला	ग्रुप-ए के लिए दो वर्ष की अवधि हेतु हरियाणा सरकार के विभिन्न हस्पतालों को रेबीज वेक्सीन सिंगल डोज 2.5 आईयू, आईएम रूट की आपूर्ति हेतु दर अनुबंध के लिए ऑनलाइन निविदा	28.07.2026 18.08.2026	8,88,14,985/-	www.hmscl.org.in	0172-478822 hmsctenders@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2027/40/47643/I/88/7 दि. 29.07.26

प्रवेश ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

'दिल्ली जल बोर्ड ने चार हजार पांच सौ करोड़ की परियोजनाओं को दी मंजूरी'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यमुना को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में अब तक के सबसे बड़े निवेशों में से एक के तहत दिल्ली जल बोर्ड ने लगभग 4 हजार 500 करोड़ की यमुना पुनर्जीवन परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इन परियोजनाओं में 15 नए विकेन्द्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपीएस), सीवर नेटवर्क का विस्तार, मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का उन्नयन, स्लज प्रबंधन सुविधाओं का विकास, ड्रेनों का इन-सीटू ट्रीटमेंट तथा अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिना उपचारित सीवेज यमुना में न पहुंचे। इस बात की जानकारी बुधवार को दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली जल बोर्ड की 179वीं बैठक के बाद प्रैसवार्ता में दी। मंत्री प्रवेश ने कहा कि लोग अक्सर पूछते हैं कि यमुना कब साफ होगी।

इसका जवाब मजबूत बुनियादी ढांचे में है। जब तक दिल्ली में उत्पन्न होने वाली हर बूंद सीवेज का उपचार नहीं होगा और उसे यमुना तक पहुंचने से पहले शुद्ध नहीं किया जाएगा, तब तक नदी को स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता। आज हम उसी व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 1 हजार एमजीडी प्रतिदिन सीवेज उत्पन्न होता है। जब वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभाला था, तब राजधानी की कुल सीवेज शोधन क्षमता केवल 749 एमजीडी थी, जिससे उपचार क्षमता और सीवेज उत्पादन के बीच बड़ा अंतर था। सरकार ने मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के उन्नयन और पुनर्वास के माध्यम से इस क्षमता को बढ़ाकर 814 एमजीडी कर दिया है। सभी 28 डीएसटीपीएस के पूरा होने के बाद दिल्ली की कुल सीवेज शोधन क्षमता 227 एमजीडी और बढ़कर 1 हजार 41 एमजीडी हो जाएगी, जो वर्तमान में उत्पन्न होने वाले कुल सीवेज से भी अधिक होगी।

मंत्री प्रवेश ने बताया कि पहले 13 डीएसटीपीएस को स्वीकृति दी जा चुकी थी, जबकि अब दिल्ली जल बोर्ड ने 15 नए डीएसटीपीएस को लगभग 2 हजार करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की है। इनकी कुल शोधन क्षमता 103.5 एमजीडी होगी और इनसे लगभग 20 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। ये 15 नए डीएसटीपीएस एक व्यापक सीवर अवसंरचना कार्यक्रम का हिस्सा हैं, जिसके अंतर्गत लगभग 1 हजार 600 करोड़ की लागत से 989 किलोमीटर नए सीवर नेटवर्क का निर्माण किया जाएगा तथा 244 कॉलोनियों और 57 गांवों में घरों को सीवर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। मंत्री प्रवेश ने कहा कि केवल ट्रीटमेंट प्लांट बना देने से यमुना साफ नहीं होगी। जब तक सीवेज वहां पहुंचेगा नहीं, तब तक उसका उपचार संभव नहीं है। इसलिए हम एक साथ सीवर नेटवर्क का विस्तार, घरों को सीवर से जोड़ने और नई शोधन क्षमता विकसित करने पर काम कर रहे हैं। इस पूरी व्यवस्था के प्रत्येक हिस्से को समानांतर रूप से विकसित किया जा रहा है।

21 महीने में तैयार होंगे 15 डीएसटीपीएस

प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि सभी 15 नए डीएसटीपीएस को 21 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि एक वर्ष से भी कम समय में दिल्ली जल बोर्ड ने भूमि चिन्हांकन, व्यवहार्यता अध्ययन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने, सलाहकारों की नियुक्ति, डिजाइन अनुमोदन, निविदा प्रक्रिया और परियोजनाओं के आवंटन जैसे सभी महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लिए।

आज भी दिल्ली की सैकड़ों कॉलोनियों और गांव में नहीं है सीवर लाइनें

मंत्री प्रवेश ने कहा कि आज भी दिल्ली की सैकड़ों कॉलोनियां और गांव ऐसे हैं, जहां सीवर लाइनें नहीं हैं या अधूरी हैं। ऐसे क्षेत्रों का बिना उपचारित गंदा पानी सीधे नालों और फिर यमुना में पहुंचता है। ये परियोजनाएं उसी समस्या का स्थायी समाधान हैं।

जम्मू-कश्मीर : राहत प्रक्रिया को बनाया सरलः रेखा

प्रवासी परिवारों को 15 सितंबर तक जमा करना होगा फॉर्म-ए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार जम्मू-कश्मीर प्रवासी परिवारों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। इसी उद्देश्य से राहत वितरण की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है, ताकि पात्र लाभार्थियों को किसी प्रकार की अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े। यह बात बुधवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने जम्मू-कश्मीर प्रवासी लाभार्थियों को दी जाने वाली तदर्थ मासिक राहत के वितरण को अधिक सरल, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मार्च 2024 तक राहत प्राप्त कर रहे सभी पंजीकृत प्रवासी परिवारों को एकमुश्त विशेष छूट (एमनेस्टी) प्रदान की गई है। यह योजना जून महीने में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत की गई थी। इसके तहत उन्हें एक अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार अपने वर्तमान परिवार का विवरण घोषित करने का अवसर दिया गया है। इसके लिए प्रत्येक परिवार को 'फॉर्म-ए' भरकर जमा करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अप्रैल 2026 में पुराने नियमों के तहत जमा किए गए घोषणा-पत्र अब मान्य नहीं होंगे और उन्हें निरस्त माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 'फॉर्म-ए' जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद जिला अधिकारियों को परिवारों के विवरण अपडेट कर प्रति परिवार अधिकतम चार सदस्यों के आधार पर तदर्थ मासिक राहत (एएमआर) जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन परिवारों को नियमों के अनुसार परिवार विभाजन कराना है, उन्हें 'फॉर्म-ए' के साथ 'फॉर्म-बी' भी जमा करना होगा ताकि उनका आवेदन नियमानुसार निस्तारित किया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार सरकार जम्मू-कश्मीर प्रवासी परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। आय मानदंड को समाप्त करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने से हजारों परिवारों को अनावश्यक कागजी कार्रवाई से मुक्ति मिलेगी और समय पर वित्तीय सहायता सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने राहत वितरण को और अधिक जनहितकारी बनाते हुए मासिक पारिवारिक आय की सीमा पूरी तरह समाप्त कर दी है। अब किसी भी पात्र लाभार्थी को आय प्रमाण पत्र या अचल संपत्ति से संबंधित कोई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे हजारों प्रवासी परिवारों को अनावश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया से राहत मिलेगी और सहायता प्राप्त करना पहले की तुलना में अधिक आसान होगा।

दिल्ली में बरसा 57 मिमी पानी, आज भी हो सकती है बारिश, येलो अलर्ट जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी में मंगलवार को जमकर बारिश हुई, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बुधवार सुबह तक कुल 57 मिमी से अधिक पानी बरसा। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सुबह साढ़े बजे तक सफदरजंग वेधशाला ने 57.6 मिली बारिश दर्ज की। जबकि सबसे ज्यादा बारिश पूसा में 88.5 मिमी दर्ज की गई और दूसरे नंबर पर लोधी रोड वैधशाला ने 68.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की। इसके अलावा पालम में 27.8 मिमी, रिज एरिया में 40.6 मिमी, आया नगर में 51.5 मिमी, राजघाट में 47.2 मिमी, नजफ़गढ़ में 1.0 मिमी और मयूर विहार में 36.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। बुधवार को सुबह से ही मौसम खुला रहा, दिन में सूरज भी निकला। लेकिन मौसम लगभग सुहाना रहा, उमस व गर्मी से लोगों ने राहत महसूस की। आईएमडी ने ताजा सूचना जारी करते हुए बताया कि गुरुवार को दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की या मध्यम बारिश की संभावना है। आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे, सुबह से दोपहर के बीच कई जगह पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगह पर मध्यम बारिश दर्ज हो सकती है।

महिलाओं को 2500 रुपए महीना देने के वादे पर रेखा सरकार ने किया दिल्ली के साथ छलः सौरभ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को घेरते हुए कहा कि महिलाओं को 2500 रुपए महीना देने के वादे पर दिल्ली के साथ छल किया जा रहा है। रेखा सरकार ने दिल्ली लक्ष्मी योजना में इतनी शर्तें लगा दी है कि उसे पूरा करना अधिकांश महिलाओं के लिए आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि नियमों में 21 से 60 की उम्र, राशन कार्ड, 10 साल रहने का प्रमाण, पुलिस केस न होने और 1200 यूनिट वार्षिक बिजली खपत की शर्त रखी है। जबकि विधानसभा चुनाव के दौरान खुद पीएम मोदी और भाजपा के सभी नेताओं ने दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए देने का वादा किया था। इन नियमों के चलते तो राजधानी की पांच लाख महिलाओं को भी 2500 रुपए नहीं मिल पाएंगे। उन्होंने कहा कि इनकी नीयत इतनी खराब है कि यह किसी भी महिला को पैसे नहीं देना चाहते हैं।

विधानसभा सत्र में प्रश्नकाल नहीं रखकर रेखा सरकार बच रही अपनी जवाबदेही सेः संजीव झा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने आरोप लगाए है कि दिल्ली विधानसभा सत्र में प्रश्नकाल नहीं रखकर रेखा सरकार अपनी जबाबदेही व जिम्मेदारियों से बच रही है। बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में संजीव झा के अलावा विधायक कुलदीप कुमार व अनिल झा मौजूद थे। इस मौके पर संजीव झा ने सवाल उठाया कि 7 से 11 अगस्त तक चलने वाले विधानसभा सत्र में अगर प्रश्नकाल ही नहीं होगा तो सत्र का मतलब ही क्या है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से आग्रह किया है कि बिना प्रश्नकाल के लिए सदन की बैठक न होने दें, अगर समय बढ़ाना चाहें तो विपक्ष तैयार है। क्योंकि लगातार यह दूसरा सत्र होगा, जिसमें प्रश्न काल नहीं रखा गया है। क्या सरकार को यह डर है कि अलग-अलग विभागों में लगातार जो लूट-खसोट हो रही है, वह लोगों की नजर में ना आ जाएगा। उन्होंने कहा कि आज 29 जुलाई है और 7 अगस्त से सत्र शुरू करना है। सामान्यत अगर प्रश्न काल रखना होता है, तो 15 दिन का अंतर रहता है ताकि प्रश्न लगाए जा सकें। उनके जवाब दें और फिर उन्हें विधानसभा पटल पर रखा जाए। ऐसे में अगर प्रश्न काल नहीं रखा जा रहा है, तो फिर इस सत्र का मतलब क्या बचा है। संजीव ने कहा कि अभी 650 करोड़ रुपए का घोटाला सामने आया है। क्या सरकार इस जिम्मेदारी से बचना चाहती है कि लोगों के सामने यह जानकारी न आए कि किस-किस तरह से भ्रष्टाचार हो रहा है।

सुनीता कांगड़ा बनी दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग की अध्यक्ष

मनोज कुमार और सुशांत सागर अंशकालिक सदस्य किए गए नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने दिल्ली आयोग सफाई कर्मचारी के पुनर्गठन के तहत सुनीता कांगड़ा को आयोग की अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही मनोज कुमार और सुशांत सागर को आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के कल्याण, उनके अधिकारों की सुरक्षा और उनसे जुड़े मुद्दों के प्रभावी समाधान के लिए दिल्ली आयोग सफाई कर्मचारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि आयोग में अनुभवी और योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति कर इसके कार्यों को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाने की दिशा में कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा हो और सफाई कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े संस्थागत ढांचे को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इन नियुक्तियों से आयोग अधिक सक्रिय, प्रभावी एवं जनोन्मुख होकर कार्य करेगा तथा सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। साथ ही, इससे दिल्ली में बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और जनसेवा को भी मजबूती मिलेगी।

अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई

एमसीडी ने 14 संपत्तियों को किया ध्वस्त, एक सील

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए 14 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण और एक संपत्ति सील करने का दावा किया है। एमसीडी के अनुसार बुधवार को चलाए गए प्रवर्तन अभियान के दौरान भवन विभाग ने 14 अनधिकृत संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की तथा निर्धारित भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन करने वाली एक संपत्ति को सील किया। इसके अतिरिक्त, अनधिकृत निर्माण के संबंध में संपत्ति मालिकों को 16 कारण बताओ (शो कॉज़) नोटिस जारी किए किए गए है। जिससे अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार विधिक कार्रवाई प्रारंभ की गई। एमसीडी ने बताया कि 1 जून 2026 से अब तक विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रवर्तन कार्रवाई की गई है। इस अवधि के दौरान 681 अनधिकृत संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण, 398 संपत्तियों को सील किया गया है तथा अनेक उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध विधिक कार्रवाई आरंभ की गई है। निगम ने फिर स्पष्ट किया कि अनधिकृत निर्माण एवं संपत्तियों का नियमों के विपरीत उपयोग न केवल भवन निर्माण मानकों का उल्लंघन है, बल्कि यह जन सुरक्षा तथा सुनियोजित शहरी विकास के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। एमसीडी नियमित निरीक्षण एवं प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई के माध्यम से कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री का नारों और तालियों के साथ किया अभिनंदन

लक्ष्मी योजना की स्वीकृति पर महिलाओं ने रेखा गुप्ता का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली लक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन दिशा-निर्देशों को मंजूरी दिए जाने के बाद बुधवार को बड़ी संख्या में महिलाओं ने दिल्ली सचिवालय पहुंचकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिलाओं ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके समर्थन में उत्साहपूर्ण नारों के साथ उनका अभिनंदन किया और इस योजना को महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय बताया। इस अवसर पर सचिवालय परिसर में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।महिलाओं ने कहा कि यह योजना दिल्ली की लाखों बहनों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया अध्याय लिखेगी। इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने मुख्यमंत्री के साथ संवाद भी किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए धन्यवाद देते हुए उनके सफल नेतृत्व की सराहना की। मुख्यमंत्री ने भी सभी महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनका नहीं, बल्कि दिल्ली की प्रत्येक महिला की आकांक्षाओं और विश्वास का सम्मान है। दिल्ली सरकार ने जो वादा महिलाओं से किया था, उसे पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली लक्ष्मी योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली योजना नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने का व्यापक प्रयास है। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र महिला तक योजना का लाभ पूरी पारदर्शिता और सरल प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचाना है। उन्होंने यह भी बताया कि 1 अगस्त से दिल्ली लक्ष्मी योजना का पोर्टल प्रारंभ होगा, जिसके माध्यम से पात्र महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पात्रता सत्यापन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रक्षाबंधन के अवसर पर प्रथम चरण की लाभार्थी महिलाओं को पहली किस्त प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

खबर संक्षेप

महेंद्र सिंह धोनी बने ब्रांड एंबेसडर

गुरुग्राम। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। दीर्घकालिक साझेदारी ब्रांड की 'द रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर' पहल को और मजबूती देगी, जो पारदर्शिता, गुणवत्ता और ग्राहक-प्रथम मूल्यों पर आधारित है। कंपनी के चेयरमैन एम पी अहमद ने कहा कि धोनी करोड़ों लोगों के लिए भरोसे और निरंतरता का प्रतीक हैं। उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होगा। एमएस धोनी ने कहा कि मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की पारदर्शिता और ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें सबसे अधिक प्रभावित किया। इस साझेदारी के जरिए लोगों को सोच-समझकर और भरोसे के साथ आभूषण खरीदने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।

दो मोटरसाइकिलें बरामद, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-30 तथा एवीटीएस सिकरौना की टीम ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने बताया कि अशोका एन्क्लेव निवासी भुवन सिंह ने थाना सराय ख्वाजा में शिकायत दी थी कि 21 जुलाई 2026 को अपनी मोटरसाइकिल सेक्टर.37 हुड्डा मार्केट के बाहर खड़ी की थी, अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। थाना सराय ख्वाजा में मामला दर्ज जांच आरंभ की गई। जांच के दौरान अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने साहिल उर्फ कालिया निवासी सेहतपुर फरीदाबाद को पुलिस प्रोडेक्शन पर लेकर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पैरेलल लाईसेंस व एग्री डिस्कॉम के खिलाफ हजारों बिजली कर्मियों ने डीसी ऑफिस पर किया प्रदर्शन

निजीकरण के खिलाफ और मांगों को लेकर 11 से 13 अगस्त तक तीन दिवसीय हड़ताल का किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के राज्यव्यापी आह्वान पर बुधवार को हजारों बिजली कर्मचारियों और इंजीनियर्स ने नूंह व गुरुग्राम में पैरेलल लाईसेंस देने, 15 अगस्त से कृषि क्षेत्र के लिए अलग से एग्रीकल्चर बिजली वितरण निगम बनाने और स्मार्ट मीटरिंग के खिलाफ डीसी आफिस जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद डीसी की गैरमौजूदगी में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार को अभिमन्यु को सौंपा। ज्ञापन में निजीकरण के उठाए गए सभी कदमों को वापस लेने, निगमों में कई-कई वर्षों में कार्यरत ठेका कर्मियों को जॉब सिक्योरिटी देने की बजाय रेगुलर करने, पांच हजार रुपए रिस्क अलाउंस देने, एक्स ग्रेसिया रोजगार स्कीम में लगाई गई अनावश्यक शर्तों को हटाना आदि मांगों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए 11 अगस्त से तीन दिवसीय हड़ताल करने का ऐलान किया गया। प्रदर्शन में चेतावनी दी कि अगर हड़ताल के बाद भी एग्री डिस्कॉम को अलग किया तो हड़ताल बिना किसी अन्य नोटिस दिए हड़ताल को आगे बढ़ा दिया

जाएगा। प्रदर्शन से पूर्व सेक्टर 15 सामुदायिक केंद्र में बिजली कर्मियों और इंजीनियर्स की आम सभा का आयोजन किया गया।

आम सभा की जिसकी अध्यक्षता हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन के सदस्य युगांग जैन, एएचपीसी वर्कर यूनियन के सर्कल सचिव राम चरण पुष्कर व एचएसईबी वर्कर यूनियन के सर्कल सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने की और संचालन एचएसईबी वर्कर यूनियन के सर्कल सचिव लेखराज व एएचपीसी वर्कर यूनियन के सर्कल सचिव कृष्ण कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा, एचएसईबी वर्कर यूनियन के मुख्य संगठनकर्ता विनोद शर्मा, ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद गनी ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पैरलल लाइसेंस, एग्री डिस्कॉम व स्मार्ट मीटरिंग निजीकरण के पैकेज का हिस्सा है। जिसको किसी भी सूरत में लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त से शुरू हो रही एग्रीकल्चर डिस्कॉम 5427 करोड़ की बकाया देनदारियों के साथ शुरू होगी। कर्मचारियों को वेतन के लाले पड़ेंगे और किसान की सब्सिडी खत्म होने से रेट बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पैरेलल लाईसेंस देने की किसी भी बिजली के हितधारकों की नही है। यह एक निजी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सभी कर्मचारियों और उपभोक्ताओं से निजीकरण के खिलाफ होने वाले आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। प्रदर्शन में हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी संजय मंगला, उर्मिला ग्रेवाल, शब्बीर अहमद गनी, विनोद शर्मा, करतार सिंह जागलान, सुनील चौहान, मनोज जाखड़, परवीन कुमार, डालचंद शर्मा, संतराम लांबा, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान नवल सिंह नरवत, लज्जा राम के अलावा तीनों संगठनों के यूनिट कमेटियों के पदाधिकारी भूप सिंह कौशिक, सोनू गोला, रामकेश सहारण, सुरेंद्र मुकेश शर्मा, दिनेश शर्मा एवं रविदत्त शर्मा आदि।

कांवड़ यात्रा-2026: सुरक्षा के लिए 2000 के करीब पुलिस कर्मी संभालेंगे मोर्चा

25 से अधिक स्थानों पर नाकाबंदी, आगरा कैनाल मार्ग रहेगा बंद, सीसीटीवी-ड्रोन से होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए फरीदाबाद पुलिस ने व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। 30 जुलाई से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान हजारों शिवभक्त हरिद्वार, नीलकंठ से पवित्र गंगाजल लेकर फरीदाबाद से गुजरते हुए विभिन्न शिव मंदिरों की ओर प्रस्थान करेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर जलाभिषेक के साथ यात्रा का समापन होगा। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षाए कानून व्यवस्था और यातायात संचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए फरीदाबाद पुलिस ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशन में कांवड़ यात्रा के लिए विशेष सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। संपूर्ण यात्रा के दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात जयवीर राठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, एनआईटी, बल्लभगढ़ एवं सेंट्रल अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और यातायात संचालन की लगातार निगरानी करेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान लगभग 2000 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न ड्यूटियों पर तैनात रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तत्काल उपलब्ध कराया जाएगा। थाना पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, अपराध शाखा, महिला पुलिस, ईआरवी, राइडर तथा मोबाइल गश्ती दलों को ड्यूटी के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वॉट टीमों को भी पूरी तरह सक्रिय रखा जाएगा।

महिला पुलिस, क्राइम ब्रांच, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और क्रेन रहेगी तैनात

-कावड़ यात्रा के दौरान सामान्य वाहनों का आवागमन बंद रहेगा

25 से अधिक स्थानों पर रहेगी नाकाबंदी

कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए 25 से अधिक स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की जाएगी। इनमें दुर्गा बिल्डर, आगरा कैनाल मार्ग, सेहतपुर पल्ला पुल, पल्ला पुल, एत्मादपुर पुल, सेक्टर-28-29 पुल, खेड़ी पुल, सेक्टर-17 पुल, सेक्टर-14 पुल, बीपीटीपी पुल, बड़ौली पुल, सेक्टर-8 पुल, तिगांव पुल, आईएमटी पुल, चंदावली पुल, सुनपेड़ पुल, जाट चौक, मलेरना चौक, जाजरू चौक, शाहपुरा कलां, शाहपुरा मोड़, डीग पुल, प्याला मोड़, सीकरी चौकी तथा कैली बाईपास सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। इन सभी नाकों पर पुलिस कर्मियों द्वारा गहन जांच की जाएगी तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई के लिए टीमें तैयार रहेंगी।

तीन प्रमुख मार्गों से गुजरेंगे कांवड़िए

फरीदाबाद पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पहला मार्ग कालिंदी कुंज दिल्ली से एमसीडी टोल होते हुए आगरा कैनाल के साथ-साथ रहेगा। दूसरा मार्ग, बदरपुर बॉर्डर से आउटर बाईपास के माध्यम से तथा तीसरा मार्ग बदरपुर बॉर्डर से राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते निर्धारित किया गया है। इन सभी मार्गों पर संबंधित थाना पुलिस लगातार गश्त करेगी, जबकि केजीपी एक्सप्रेस-वे पर विशेष मोबाइल पुलिस पार्टियां तैनात रहेंगी। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

पुलिस प्लेटफार्म पर चौबीसों घंटे नजर रखेगीं

यात्रा मार्ग पर स्थित शराब के ठेकों, पेट्रोल पंपों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों की भी विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से तुरंत निपटने के लिए यात्रा मार्ग पर एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड वाहन तथा क्रेन अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगी। स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। फरीदाबाद पुलिस का सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल यात्रा के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चौबीसों घंटे नजर रखेगा।

आगरा कैनाल मार्ग रहेगा बंद, वैकल्पिक मार्गों से चलेगा यातायात

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कांवड़ यात्रा के दौरान आगरा कैनाल के साथ लगने वाले मार्ग पर सामान्य वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर डायवर्जन लगाए जाएंगे तथा वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। आमजन से अपील है कि वे यात्रा के दौरान जारी ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करें और अनावश्यक रूप से कांवड़ मार्ग का उपयोग न करें। उन्होंने और अधिक जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा मार्ग पर स्थापित सभी कांवड़ शिविरों एवं लंगर स्थलों की मैपिंग की जा रही है। प्रत्येक प्रमुख शिविर पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी और संबंधित थाना पुलिस शिविर संचालकों के लगातार संपर्क में रहेगी। आसपास के क्षेत्रों में नियमित गश्त की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग, प्रमुख विश्राम स्थलों तथा कांवड़ शिविरों में महिला पुलिस कर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। कसुनिश्चित करने के लिए महिला पुलिस टीमें हर समय उपलब्ध रहेंगी। कांवड़ मार्ग की निगरानी सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाएगी। इस संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक पत्राचार कर दिया गया है।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

नगर निगम कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री पंजाब भगवत मान का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर निगम मुख्यालय पर सैकड़ों कर्मचारियों ने भोजन अवकाश के समय पंजाब के बरनाला में 22 जुलाई 2026 को सफाई कर्मचारियों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठी चार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया गया। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान दलीप बोहत, संचालन जिला सचिव अनिल चिंडालिया ने किया।

जिला प्रधान दलीप बोहत ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कि पंजाब सरकार कर्मचारियों का शोषण कर रही है, अपनी मांगों के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों महिलाओं बच्चों पर पुलिस द्वारा गैर कानूनी ढंग से लाठी

चार्ज किया गया जिसमें महिलाओं एवं बच्चों को गंभीर चोट आई संघ ने प्रदर्शन कर मांग की है, पंजाब सरकार दोषी पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त कर पीड़ित परिवारों को न्याय दे। अन्यथा संघ पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगा। विरोध प्रदर्शन के बाद जिला उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन उपायुक्त की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार अभिमन्यु सिंह ने लिया ज्ञापन। प्रदर्शन में अन्य के अलावा बलबीर सिंह बालगुहेर प्रधान सफाई कर्मचारी यूनियन, अनूप चिंडालिया राज्य सचिव एवं प्रधान आदि।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **इरफान पुत्रः** अब्दुल गफ्फार, **पताः** डी–1215, जेजे कॉलोनी, बवाना, दिल्ली, **FIR No. 1149/21, U/s 356/379/411/34 IPC,** थानाः बवाना, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होनें किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इरफान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इरफान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1149/21, U/s 356/379/411/34 IPC,** थानाः बवाना, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **इरफान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बैनीवाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी –05 (उ0)
कमरा नं. 114, जिला उत्तरी
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10329/ON/2026
(Court Matter)

एक लाख रुपए बरामद

अलग-अलग चोरी के दो मामलों में अपराध शाखा की कार्रवाई, पांच आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अपराध शाखा सेक्टर-85 एवं अपराध शाखा सेंट्रल की टीमों ने अलग.अलग चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-55 निवासी दौलत राम ने थाना कोतवाली में शिकायत दी थी कि एनआईटी फरीदाबाद स्थित उनके इलेक्ट्रिक सामान के गोदाम का ताला तोडक़र 22 जुलाई 2026 को अज्ञात व्यक्ति बिजली के तार एवं अन्य सामान चोरी कर ले गए। जिस पर थाना कोतवाली में मामला

दर्ज कर जांच आरंभ की गई। जांच के दौरान अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने वीरेंद्र निवासी गांव तिगांव व अजीज निवासी सूबेदार कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार कर लिया। दो दिन पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं एक अन्य मामले में सूर्या विहार निवासी एक महिला ने थाना पल्ला में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह किसी कार्य से परिवार के साथ झारखंड गई हुई थीं। अज्ञात चोर उनके घर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। जिस शिकायत पर थाना पल्ला में मामला दर्ज जांच आरंभ की गई। घटनाक्रम के संबंध में अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने नरेश निवासी गांव शहरबनी, जिला खगडिय़ा बिहार हाल निवासी भट्टा कॉलोनी, नोएडा संतोष ऋषिदेव निवासी गांव सिया, जिला भागलपुर बिहार हाल निवासी भट्टा कॉलोनी नोएडा तथा सोनू निवासी गांव बाज पट्टी, जिला सीतामढ़ी बिहार हाल निवासी संगम विहार आदि।

गुरुग्राम में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई

जलभराव पर निगम का बड़ा एक्शन जेई निलंबित, एजेंसी को दिया नोटिस

हरिभूमि ▶▶ गुरुग्राम

मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को लेकर नगर निगम गुरुग्राम ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता (जेई) सुमित चहल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं, पंपिंग मशीनरी समय पर उपलब्ध नहीं कराने वाली एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर जवाब मांगा गया है।

28 जुलाई को हुई भारी बारिश के दौरान सेक्टर-14 और सेक्टर-17सी में समय पर पंपसेट तैनात नहीं किए गए, जिसके चलते जलभराव की स्थिति लंबे समय तक बनी रही और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। निगम ने बारिश से पहले सभी संवेदनशील क्षेत्रों में पंपसेट तैनात रखने और त्वरित जलनिकासी सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए थे, लेकिन उनका पालन नहीं किया गया। गंभीर लापरवाही मानते हुए हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के तहत जेई सुमित चहल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वार्ड-25 में अनुबंधित पंपिंग मशीनरी उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एजेंसी के खिलाफ कार्य आदेश समाप्त करने, सुरक्षा राशि जब्त करने, ब्लैकलिस्ट करने और अनुबंध की शर्तों के अनुरूप अन्य सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा लोक सेवा आयोग
बेज नं. 1–10, ब्लॉक–बी, सेक्टर–4, पंचकूला

घोषणा

विषय : अभियोजन विभाग, हरियाणा में सहायक जिला न्यायवादी (विज्ञा. सं. 18/2025) और विधि एवं विधायी विभाग, हरियाणा में अधीक्षक (कानूनी) (विज्ञा. सं. 01/2025) के पदों हेतु संयुक्त विषय ज्ञान परीक्षा।

नीचे वर्णित पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षाओं हेतु क्वालीफाइड हो चुके उम्मीदवारों की सामान्य जानकारी के लिए एतद द्वारा यह घोषणा की जाती है कि आयोग ने घोषणा दिनांक 21.05.2026 और 09.06.2026 के तहत दिये गये कार्यक्रम, जोकि निम्नानुसार है, के अनुरूप संयुक्त विषय ज्ञान परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है :–

क्र.सं.	पद व विभाग का नाम	विज्ञा. सं.	परीक्षा की तिथि व समय
1.	अभियोजन विभाग, हरियाणा में सहायक जिला न्यायवादी	18/2025	09.08.2026 पूर्वा. 10:00 बजे से अप. 1:00 बजे तक
2.	विधि एवं विधायी विभाग, हरियाणा में अधीक्षक (कानूनी)	01/2025	

उम्मीदवारों को अपने प्रवेश–पत्र आयोग की वेबसाइट अर्थात **https://hpsc.gov.in** पर उपलब्ध करवाए गए लिंक से 03.08.2026 से डाउनलोड करने का परामर्श दिया जाता है।

आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि सभी उम्मीदवार जो उपरोक्त पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा हेतु क्वालीफाइड हो चुके हैं, को परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अंतरिम रूप से अनुमति दी जा रही है, जो विज्ञापन के अनुरूप सभी पात्रता शर्तें पूर्ण करने के अधीन है।

टिप्पणियां :–

1. *उम्मीदवारों को प्रवेश–पत्र डाउनलोड करने और ए–4 साइज पेपर पर इसका प्रिंट लेने का निर्देश दिया जाता है ताकि उनके फोटो और अन्य विवरण आसानी से देखे / प्रमाणित किये जा सकें। अस्पष्ट फोटो / हस्ताक्षरों सहित छोटे आकार के प्रवेश–पत्र वाले उम्मीदवारों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।*
2. *उम्मीदवारों को प्रवेश–पत्र पर दिये गये सभी निर्देश बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ने का परामर्श दिया जाता है।*

दिनांक : 29.07.2026
संवाद–1156/13/387/2027/47650/88/7 दि. 29.07.26

हस्ता/– उप सचिव
हरियाणा लोक सेवा आयोग, पंचकूला

अलवर का परिवार हरिद्वार जा रहा था नई कार में जा रहे थे स्नान करने

गाजियाबाद में बोलेरो कार व ट्रक में भीषण टक्कर, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

निवाड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर तेज रफ्तार बोलेरो कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गयी। जिसमे तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।।सभी श्रद्धालु राजस्थान के अलवर जिले के कलगांव के रहने वाले थे।। ये लोग नई गाड़ी को लेकर गंगा स्नान करने और दर्शन के लिए हरिद्वार जा रहे थे। तभी यह भीषण हादसा हो गया।

सूचना एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा और निवाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।।पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन से शवों को बाहर

निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मृतकों में रमेश पुत्र छोटेलाल, रतन पुत्र भजनलाल और सुजीत पुत्र खुशीराम है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है।। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक और परिचालक को हिरासत में लिया है।

अवन्तिका व महरौली क्षेत्र में अवैध निर्माण को जी.डी.ए. ने किया ध्वस्त'

गाजियाबाद। जीडीए ने प्रवर्तन जोन-04 के क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कालोनी पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। जोन-04 के नेतृत्व में निर्माणकर्ता मनोज बेनीवाल एवं विजया बेनीवाल द्वारा भूखण्ड सं0-सीडी-16ए, अवन्तिका, गाजियाबाद पर प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र के विपरीत सेट बैक को प्रभावित करते हुए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। को एन0एच0-09 से जोडते हुए सीवर डालने की तैयारी की जा रही थी।

हरियाणा सरकार | निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प करनाल	पानीपत जिले में सुताना से भादर तक रोड का नया निर्माण (एचटी/एलटी लाइन की शिफ्टिंग) + 4 कार्य।	29.07.2026 04.08.2026	58.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
2	पंचायती राज रेवाड़ी	गांव बेरली खुर्द ब्लॉक जाटूसाना जिला रेवाड़ी में ग्राम सचिवालय का निर्माण।	28.07.2026 06.08.2026	60.13 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 xenpr.rwr@gmail.com
3	पंचायती राज रोहतक	गांव सिंघपुरा कलां में एससी बस्ती से मनु वाला तालाब तक नाला का निर्माण + 1 कार्य।	28.07.2026 04.08.2026	7.50 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1262254150 prexeeng.roh@hry.nic.in
4	पंचायती राज भिवानी	गांव झुंडावास (चन्दावास), ब्लॉक कैरू में ग्रे वाटर मैनेजमेंट (नाहवीन प्रोजैक्ट) का निर्माण, स्कीम–एसबीएमजी।	28.07.2026 03.08.2026	14.91 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
5	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह में डेंटीस्ट्री विभाग के लिए डेंटल मदों की खरीद हेतु निविदा।	30.07.2026 17.08.2026	4.31 लाख	https://etenders.hry.nic.in	126700282 dirshkmnuh.med-hry@gov.in
6	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह में माइक्रो बायोलॉजी विभाग हेतु एंटीबायोटिक डिस्क्स की खरीद के लिए निविदा।	30.07.2026 17.08.2026	98,280/-	https://etenders.hry.nic.in	126700282 dirshkmnuh.med-hry@gov.in
7	पंचायती राज झज्जर	गांव जहांगीरपुर, ब्लॉक बादली, जिला झज्जर में बाल्मिकी बस्ती से बोरिया रोड तक फिरनी का अपग्रेडेशन।	27.07.2026 04.08.2026	38.05 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9992221462 prexeeng.jjr@gmail.com
8	वन विभाग भिवानी	नये प्लांटेशन और रखरखाव के लिए निविदा और 11 अन्य कार्य।	13.07.2026 03.08.2026	943.96 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01664-242430 dfo.bhiwani@yahoo.com
9	वन विभाग फतेहाबाद	नया पौधारोपण कार्य 2026–27 और पांच वर्षीय रखरखाव कार्य 2027–28 से 2031–32 एनपीवी स्कीम + 3 कार्य।	23.07.2026 03.08.2026	125.06 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466859122 dfo.fatehabad@yahoo.co.in
10	वन विभाग फतेहाबाद	भट्टू ब्लॉक में कैम्पा स्कीम के तहत दो वर्षीय रखरखाव कार्य 2026–27 से 2027–28 + 6 कार्य।	24.07.2026 03.08.2026	334.35 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466859122 dfo.fatehabad@yahoo.co.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2027/200/47656/I/88/7 दि. 29.07.26

मुड़िया पूर्णिमा मेला का समापन

मुड़ियापूनो मेला में दिखाई दिया श्रद्धालुओं का सैलाब ढप ढोलक, मृंदग की धुन पर नाचते हुए निकले मुड़िया संत

डॉ. कमल कान्त उपमन्यु ▶▶ मथुरा

अटूट श्रद्धा और भक्ति से जुड़े राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला का समापन बुधवार को मुड़िया शोभायात्रा के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धा के सैलाब के बीच सात दिन में तलहटी में पहुंचे करीब डेढ़ करोड़ भक्तों ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगाई।

मुड़िया पूर्णिमा मेला के दृष्टिगत जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने गिरिराज जी महाराज मंदिर के आस-पास तथा परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण किया व विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा

अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।पूर्णिमासी की पूर्व रात्रि को भीड़ ज्यादा होने के कारण संकरे रास्तों से परिक्रमा को डायवर्ट कर दूसरी जगह से निकालना पड़ा। गिरिराज महाराज की 21 किलोमीटर की परिक्रमा ही नहीं बल्कि आसपास में कई-कई किलोमीटर तक श्रद्धालु दिखाई दिये।

परिक्रमा में चहुंओर सुनाई दी राधे-राधे की गूंज

मथुरा। गिरिराज महाराज की तलहटी में आयोजित मुड़िया पूर्णिमा मेला में सात दिन तक श्रद्धा का सैलाब उमड़ा। हर कदम पर भक्तों के मुख से राधे-राधे का नाम निकला। कहीं मन्नत लिए हाथ में दूध का गिलास तो कहीं कष्टों को हरने के लिए फव्वारे के नीचे स्नान करते श्रद्धालु दिखाई दिए। वास्तव में तन, मन और धन तीनों ही श्रद्धालुओं ने बड़े मनोयोग से अपने आराध्य गिरिराज प्रभु को अर्पित किया। परिक्रमा मार्ग में अपनी आस्था को लेकर श्रद्धालुओं का आने का सिलसिला जारी है। फिर भी सात दिन में प्रशासनिक आंकड़े के हिसाब से डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा लगाई। एसपी देहात मथुरा सुरेश चंद रावत ने बताया कि 23 से 29 जुलाई की सुबह तक डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालु गोवर्धन जी की शरण में पहुंचे हैं। गोवर्धन को पहुंचने वाले मथुरा से गोवर्धन, सौंख से गोवर्धन, बरसाना से गोवर्धन, डीग से गोवर्धन, छटीकरा से गोवर्धन इन सभी मार्गों पर कई-कई किमी तक भीड़ ही भीड़ दिखाई दी।

गर्मी भी न रोक सकी श्रद्धालुओं के आस्था के सैलाब को

श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को

गोवर्धन। न धूप का डर, न उमस का। बे-रोकटोक मुड़िया मेला में आस्था का सैलाब उमड़ता रहा। इस बार मेला की शुरूआत 23 जुलाई से हो गई और समापन 29 जुलाई को मुड़िया शोभायात्रा के साथ हुआ। गिरिराज महाराज की तलहटी में आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना के लिए न तो धूप की चिंता की और न ही गर्मी के कारण परिक्रमा मार्ग की तपती सड़क की।

श्रद्धालुओं का रेला सात दिन तक अनवरत आस्था और विश्वास में श्रद्धा लिए आगे बढ़ता रहा। श्रद्धालु गिरिराज भक्ति में ऐसे भीगे नजर आये कि सब कुछ छोड़ अपनी मनोकामना के लिए परिक्रमा पूरी की।

परिक्रमार्थी श्रद्धालु प्रसिद्ध गिरिराज दानघाटी मंदिर, मानसी गंगा मुकुट मुखारविंद मंदिर, जतीपुरा मुखारविंद मंदिर, हरिगोकुल मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर आदि पर श्रद्धालुओं ने दुग्धाभिषेक कर मनौती मांगी। मुड़यिा पूर्णिमा मेला में भक्तों ने आन्यौर, पूंछरी, जतीपुरा, राधाकुंड, मानसी गंगा होकर परिक्रमा लगाई। मानसी गंगा पर लगे फुव्वारों में स्नान किया।

खबर संक्षेप

विधायक ने संतों को किया सम्मानित

रांची। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गरौठा तहसील स्थित महर्षि

विश्वामित्र की तपोभूमि झारखंड धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने मंदिर पहुंचकर संत जनों को अंगवस्त्र और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

पीपल की डाल गिरी, दो महिलाओं की मौत

बदायूं। बदायूं के कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव ललेई में बुधवार को ग्राम देव की पूजा के दौरान बड़ा

हादसा हो गया। पूजन के दौरान पीपल की डाल टूटकर महिलाओं के ऊपर गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। तीन महिलाएं घायल हुई हैं। इनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक गांव ललेई में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महिलाएं बुधवार दोपहर ग्राम देव की पूजा कर रही थीं। पूजा के दौरान पीपल की बड़ी डाल टूटकर महिलाओं के ऊपर गिर गई। महिला ऊषा (40 वर्ष) पत्नी रामौतार की मौके पर ही मौत हो गई।

गोरखनाथ मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया संबोधन

सनातन संस्कृति-परंपरा को तबाह करना चाहती हैं कुछ ताकतें: मुख्यमंत्री योगी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गोरखपुर

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों का आह्वान किया है कि वे देश की प्रगति यात्रा में बाधा उत्पन्न करने वालों से सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि हम सभी को भारत के खिलाफ होने वाली साजिशों को समझना होगा। कुछ ताकतें भारत की प्रगति यात्रा, सनातन संस्कृति एवं परंपरा को तबाह करना चाहती हैं। अपने ही समाज में कालनेमि का रूप धारण कर बैठे देशविरोधी षड्यंत्रकारियों से हम अनभिज्ञ बने रहेंगे तो अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसी स्थिति होगी। सीएम योगी बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में विगत 23 जुलाई से चल रही श्रीराम कथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के चित्रों पर पुष्पार्चन करने तथा व्यासपीठ का पूजन करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे ही समाज के कुछ लोग दुनिया की उन ताकतों के प्रवक्ता बने हुए हैं, जो सनातन संस्कृति पर आघात करने में लगी हुई हैं। समाज ऐसी ताकतों व उनके प्रवक्ताओं से सतर्क रहकर अपने परिमार्जन के लिए तैयार

रहेगा, तो सुखी रहेगा। समाज सुखी रहेगा तो राष्ट्र को समृद्धि के पथ पर अग्रसर होने से कोई नहीं रोक पाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 12 वर्षों से तीव्र प्रगति कर रहा भारत अगले दो तीन सालों में दुनिया के तीन शीर्ष देशों में सम्मिलित हो जाएगा। अपनी प्रगति यात्रा में भारत ने जिन्हें पछाड़ा, उन्हें अच्छा न लगना स्वाभाविक है। कई ताकतों को भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती। ऐसी ताकतों ने देश में अस्थिरता, अशांति और अव्यवस्था फैलाने की साजिश शुरू कर दी है। नक्सलवाद समाप्त तो चैन से कैसे बैठेंगे इसे प्रेरित करने वालेसीएम योगी ने कहा कि 12 वर्ष पूर्व देश के 120 जिलों में नक्सलवाद था। आज एक भी जिले में नक्सलवाद नहीं है। ऐसे में नक्सलवाद को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने वाले चैन से बैठने के बजाय दूसरे रूप में और छद्म नामों से आएंगे। मुख्यमंत्री ने रामायण कालखंड में हनुमानजी की राह रोकने वाले कालनेमि का उदाहरण देते हुए समझाया कि वर्तमान दौर के कालनेमियों से सबको सावधान रहना होगा। ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा जो भारत के खिलाफ षड्यंत्र में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भागीदार रहते हैं। समाज को एकजुट होकर हुंकार भरनी होगी कि हम देश के खिलाफ किसी भी षड्यंत्र को स्वीकार नहीं करेंगे। बड़ी यात्रा में आने लगती हैं चुनौतियांमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत जब भी अपनी एक बड़ी यात्रा पर होता है तो बड़ी चुनातियों का आना भी शुरू हो जाता है। जब श्रीराम का राजतिलक होना था तो परिवार में फूट डालकर उन्हें वनवास दे दिया गया। वनवास से लौटकर जब उन्होंने रामराज्य की स्थापना की तो माता जानकी को वनवास के लिए जाना पड़ा। महाभारत कालखंड में जब इंद्रप्रस्थ अपने वैभव पर था, तब महाभारत का शंखनाद हो गया।

गुरु पूर्णिमा पर अयोध्या में सरयू स्नान के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़, लाखों लोगो ने लगाई आस्था डुबकी

अयोध्या। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को रामनगरी आस्था और श्रद्धा से सराबोर रही। भोर से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू घाटों पर पहुंचे और विधि-विधान से पुण्य स्नान किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीरामजन्मभूमि सहित हनुमानगढ़ी, कनक भवन और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। कई स्थानों पर गुरु पूजन, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जहां शिष्यों ने अपने गुरुजनों का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के चलते मंदिरों और घाटों पर दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के जवान प्रमुख स्थलों पर तैनात रहे व श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

नामांकन बढ़ा और ड्रॉपआउट घटकर तीन प्रतिशत हुआ

1.32 लाख से अधिक विद्यालय संचालित कोई भी सरकारी स्कूल बंद नहीं: संदीप सिंह

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ लखनऊ

प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 1 लाख 32 हजार से अधिक परिषदीय विद्यालय संचालित हैं और इनमें से किसी भी सरकारी विद्यालय को बंद नहीं किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों का निकटवर्ती विद्यालयों से पेयरिंग किया जा रहा है, ताकि उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण, पर्याप्त शिक्षक, संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। जिन विद्यालयों के भवन इस प्रक्रिया के बाद रिक्त हुए हैं, वहां प्री प्राइमरी शिक्षा के तहत बाल वाटिकाओं का संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल शिक्षा को

मजबूत करना है, न कि विद्यालयों को बंद करना। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किसी भी परिषदीय विद्यालय को बंद नहीं किया है।

बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण, पर्याप्त संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध हो सके। इस प्रक्रिया से रिक्त होने वाले विद्यालयों में पहली बार प्री प्राइमरी कक्षाओं और बाल वाटिकाओं का संचालन किया जा रहा है।

समरसता संकल्प अभियान से मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान

भदोही का नाम फिर होगा 'संत रविदास नगर'

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ वाराणसी

वाराणसी में संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सामाजिक समरसता, संत परंपरा और सामाजिक न्याय को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि भदोही को फिर से 'संत रविदास नगर' के नाम से जाना जाएगा, सीएम ने कहा कि संत रविदास जाति-पाति और भेदभाव से मुक्त समतामूलक समाज के समर्थक थे।

उन्होंने संत रविदास की प्रसिद्ध पंक्तियां ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न... का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बिना किसी भेदभाव के 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराकर उनके विचारों को धरातल पर उतारा है।

पेज एक का शेष...

राहुल के 'इडियट' ...

रख देता हूं।

राहुल के उकसावे पर बिगड़ी बात- रिजिजू: राहुल के बयान को लेकर संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अपील करते हुए कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं। उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए उक्त शब्द असंसदीय हैं। इसलिए इन्हें तुरंत कार्यवाही से बाहर कर देना चाहिए। साथ ही उन्होंने गृहमंत्री पर भी अत्यधिक गंभीर और झूठे आरोप लगाए हैं। जिसके लिए उन्हें सदन में माफी मांगनी पड़ेगी। रिजिजू के मुताबिक, इस बार नेता प्रतिपक्ष के भाषण के वक्त सत्ता पक्ष ने उन्हें कहीं से भी नहीं टोका। लेकिन यह उनकी अपनी ही असंसदीय भाषा है। जिसकी वजह से सत्ताधारी दल के सांसद उद्वेलित हुए हैं। सदन के अंदर हंगामा करने की विपक्ष की आदत है। पूर्व समय में उन्होंने राष्ट्रपति अभिभाषण के दौरान नेता सदन यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया था और वह उनकी सीट के सामने आकर हंगामा करने लगे थे।

असंसदीय शब्द कार्यवाही का हिस्सा नहीं- बिरला: लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय कार्यमंत्री की अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि मैंने नेता प्रतिपक्ष द्वारा बोले गए सभी असंसदीय शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया है। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा कि इस सदन में अच्छी व्यवस्थाएं और मर्यादाएं रही हैं। यहां जो भी बोलता है, वह तथ्यों और तर्कों के आधार पर ही बोलता है। जिसका समूचा देश सम्मान भी करता है। मेरा सुझाव यह है कि सदन में चर्चा उच्च कोटि की होनी चाहिए। लोकसभा में उपनेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी लोकसभा अध्यक्ष से दोनों असंसदीय शब्दों को कार्यवाही से बाहर करने की गुजारिश की। साथ ही उन्होंने राहुल की टिप्पणी से नाराज भाजपा सांसदों को शांति से बैठने का निर्देश दिया। जिसे सभी ने स्वीकार किया।

नेता विपक्ष राहुल ...

मिला। उन्होंने कहा कि जब सदन में 45 सांसदों को बोलने का अवसर मिला और प्रियंका गांधी वाड्रा भी अपनी बात रख सकीं, तो राहुल गांधी को क्यों रोका जाता। उनके अनुसार, राहुल गांधी को पूरा समय दिया गया, लेकिन वह अपनी बात नियमों के अनुसार नहीं रख पाए। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केवल 'इडियट' शब्द पर आपत्ति जताई थी, क्योंकि संसद के नियमों के अनुसार ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वयं खड़े होकर सदन के सदस्यों से अपील की थी कि राहुल गांधी को ध्यान से सुना जाए। पात्रा ने कहा कि इससे बड़ी लोकतांत्रिक परंपरा और क्या हो सकती है।

संबित पात्रा ने राहुल गांधी के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भाजपा या आरएसएस से कभी माफी नहीं मांगेंगे। पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी का यह दावा भी सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने शिवराज सिंह चौहान से अदालत में लिखित रूप से माफी मांगी थी। इसके अलावा 'चौकीदार चोर है' टिप्पणी के मामले में भी उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर माफी मांगी थी। पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी कैमरे के सामने भले माफी न मांगें, लेकिन अदालत में शपथपत्र देकर माफी मांगते रहे हैं।

संबित पात्रा ने राहुल गांधी के इस दावे को भी खारिज किया कि उन्होंने खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अधिकारियों से फोन पर बात करते देखा। पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी प्रमाण के ऐसे आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी राफेल मामले में उन्होंने तत्कालीन रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर और पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को लेकर ऐसे ही दावे किए थे, जो बाद में सही साबित नहीं हुए। पात्रा ने कहा कि बिना सबूत के गंभीर आरोप लगाना राहुल गांधी की पुरानी राजनीतिक शैली रही है।

उन्होंने कहा कि छात्र आंदोलन के दौरान सरकार और संबंधित पक्षों के बीच बातचीत से समाधान निकला, लेकिन राहुल गांधी अब उसका राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस मुद्दे का श्रेय लेना चाहता है। उन्होंने कहा कि केवल राजनीति करने से व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि ठोस काम करने से बदलाव आएगा। अंत में उन्होंने फिर कहा कि भाजपा की ओर से राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की जाती है।

एफएसयूआई की ...

बंदरगाह पर खड़ा है। यूनियन ने यह भी कहा कि जिस लोकेशन पर ये जहाज अभी खड़ा है। उसके ईद गिर्द लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले जारी हैं। जिससे कहीं न कहीं जहाज पर भी प्रत्यक्ष हमले का खतरा बना हुआ है। ऐसे में यूनियन यह चाहती है कि संघर्ष वाले क्षेत्रों में भारत के नाविकों को असुरक्षित नहीं छोड़ा जा सकता है।

भारत ने मजबूती से दोहराया अपना पक्ष: गौरतलब है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बीते मंगलवार को राजधानी में हुई मीडिया ब्रीफिंग में एक प्रश्न के जवाब में यूक्रेन से जुड़े हुए एक अन्य मामले का उल्लेख करते हुए बताया था कि भारत एमवी एजीएन रागनार जहाज से लापता हुए चालक दल के दो भारतीयों की तलाश के लिए यूक्रेन के स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है। साथ ही हम घटना से जुड़े परिवारों से भी बातचीत कर रहे हैं। रणधीर के मुताबिक, भारत ने कई मौकों पर यह स्पष्ट किया है कि वह किसी भी परिस्थिति के अंदर वैश्विक जलमार्गों में व्यापारिक जहाजों, नाविकों, नागरिक और बुनियादी ढांचों पर हमलों को स्वीकार नहीं करेगा। इसके अलावा रूस, यूक्रेन युद्ध का भी भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से समाधान निकाले जाने के पक्ष में पूरी मजबूती के साथ खड़ा है।

नौसेना को मिला ...

श्रीमती गुलरुख आनंद द्वारा सैन्य मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव वाइस एडमिरल अतुल आनंद की उपस्थिति में किया गया।

आत्मनिर्भर भारत की मिलती झलक: मछलीपट्टनम परियोजना का सफलता के साथ किया गया क्रियान्वयन रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। साथ ही इसकी मदद से इस मामले में देश की आत्मनिर्भरता भी स्पष्ट रूप से पूरी दुनिया के सामने प्रदर्शित होती है। जहाज की तैनाती के बाद हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत के समुद्री हितों की और अधिक मजबूती के साथ रक्षा की जा सकेगी।

परिषदीय स्कूलों के बच्चों को मिलेगा दोहरा सुरक्षा कवचः सीएम योगी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ लखनऊ

योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों को बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण का भी सशक्त माध्यम बना रही है। अगस्त माह में विद्यालयों के माध्यम से दो विशेष टीकाकरण अभियान संचालित किए जाएंगे, जिससे बच्चों को गंभीर संक्रामक बीमारियों के विरुद्ध दोहरा सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा सके। पहले चरण में 3 से 7 अगस्त तक टीडी/टीडीएपी (टिटनेस, डिप्थीरिया एवं काली खांसी) तथा दूसरे चरण में 18 से 28 अगस्त तक एमआर (मीजल्स-रूबेला) टीकाकरण अभियान संचालित होगा। अभियान के माध्यम से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में परिषदीय विद्यालयों, सहायता प्राप्त विद्यालयों, मदरसों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत पात्र बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को अभियान के प्रभावी संचालन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 3, 4, 6 और 7 अगस्त को आयोजित होने वाले अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में अध्ययनरत 5 से 6 वर्ष , आयु वर्ग के बच्चों को आयु के अनुरूप टीडीपी-2, टीडी-10 तथा टीडी-16 की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी।

कृषि मंत्री ने किया पूर्ववर्ती सपा सरकार पर हमला

खरीफ बुआई 95% के करीब, 107 लाख हेक्टेयर में पूरा हुआ आच्छादनः सूर्य प्रताप शाही

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ लखनऊ

कम बारिश के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार की समयबद्ध तैयारियों और किसानों की मेहनत के कारण खरीफ फसलों का आच्छादन लक्ष्य के करीब पहुंच गया है। वर्ष 2026 में खरीफ आच्छादन का लक्ष्य 110 लाख हेक्टेयर रखा गया था, जिसके मुकाबले लगभग 107 लाख हेक्टेयर में बुआई पूरी हो चुकी है। यह लक्ष्य का करीब 95 प्रतिशत है, जबकि पिछले वर्ष 103 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 100 लाख हेक्टेयर में आच्छादन हो पाया था। यह जानकारी बुधवार को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने लोकभवन में पत्रकारों से वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सुपर अल नीनो की आशंका के कारण सामान्य से कम वर्षा का अनुमान था। इसके बावजूद सरकार ने किसानों को समय पर बीज, उर्वरक और सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई। खरीफ सीजन में 50 प्रतिशत अनुदान पर 1.73 लाख कुंतल से अधिक बीज वितरित किए गए। साथ ही दलहन, तिलहन, मूंगफली, सोयाबीन और तिल जैसी फसलों के रकबे को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर लगा पर्यावरण निगरानी तंत्र

अब रियल-टाइम में मिलेगी हवा की गुणवत्ता की जानकारी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे का ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर्यावरण संरक्षण और यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक नई पहल के साथ पर्यावरण के प्रति सजग स्टेशन बन गया है। स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 के प्रवेश द्वार पर अत्याधुनिक 'पर्यावरण निगरानी तंत्र' स्थापित किया गया है। इसके तहत 55 इंच की डिजिटल डिस्प्ले स्क्रीन पर हवा की गुणवत्ता सहित विभिन्न पर्यावरणीय मानकों की रियल-टाइम जानकारी प्रदर्शित की जा रही है। इस प्रणाली के माध्यम से यात्रियों और रेल कर्मचारियों को कार्बन मोनोऑक्साइड कार्बन डाइऑक्साइड नाइट्रोजन

डाइऑक्साइड सल्फर डाइऑक्साइड धूल कण और के स्तर के साथ-साथ तापमान और नमी की ताज़ा जानकारी भी उपलब्ध होगी।

मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि इस व्यवस्था से यात्री, रेलकर्मी और आम नागरिक स्टेशन पर मौजूद हवा की गुणवत्ता का तत्काल आकलन कर सकेंगे और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियां समय रहते अपना सकेंगे।

सीएम योगी के विजन के अनुरूप गोसंरक्षण की दिशा में नई शुरुआत

अब प्रतियोगिता से निखरेंगी गोशालाएं उत्कृष्ट मॉडल को मिलेगा पुरस्कारः मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप गोशालाओं को संरक्षण केंद्र से आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर एवं उत्पादक इकाइयों के रूप में विकसित करने की दिशा में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने नई पहल शुरू की है। आयोग ने प्रत्येक जिले की गोशालाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के आधार पर मूल्यांकन कराने का निर्णय लिया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली गोशालाओं को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि उनके सफल मॉडल को प्रदेशभर में अपनाने की दिशा में काम होगा।

मूल्यांकन में वैज्ञानिक प्रबंधन, स्वच्छता, गोवंश के स्वास्थ्य एवं पोषण, नस्ल संवर्धन, दुग्ध उत्पादन, जनसहभागिता और आत्मनिर्भरता के प्रयास प्रमुख

आधार होंगे। गोशालाओं में वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता, भूसा-चोकर का उचित प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण पशु आहार, नर-मादा एवं बछड़े-बछियों का वैज्ञानिक वर्गीकरण, नंदीशाला की व्यवस्था और वैज्ञानिक प्रजनन प्रणाली को भी मूल्यांकन में शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही सिक वार्ड, नियमित पशु चिकित्सा, कमजोर गोवंश की पृथक देखभाल, पर्याप्त शेड, स्वच्छता, सीसीटीवी, बाउंड्री वॉल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा होगी। आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, उपाध्यक्ष अतुल सिंह एवं महेश शुक्ल तथा सदस्य राजेश सिंह सेंगर, रमाकांत उपाध्याय और दीपक गोयल ने गोशालाओं के समग्र विकास की कार्ययोजना पर मंथन के बाद पूरी योजना तैयार की। अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि आयोग का उद्देश्य गोशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इसके लिए बायोगैस संयंत्र, गोबर एवं गोमूत्र के वैज्ञानिक उपयोग, जैविक खाद और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही आसपास के किसानों को गो-आधारित प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी जोर रहेगा। आयोग का मानना है कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से प्रदेश की गोशालाओं में बेहतर प्रबंधन, गोवंश संरक्षण, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के नए मानक स्थापित होंगे।

बरसात के दिनों में खान-पान में की गई जरा-सी लापरवाही आपके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए इस मौसम में अपनी डाइट में पौष्टिक, संतुलित और स्वच्छ खाद्य पदार्थों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

रेनी सीजन के लिए कैसा हो डाइट प्लान

डाइट सजेशन
शिखर चंद जैन

मानसून या बरसात का मौसम गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां और स्वास्थ्य चुनौतियां भी लेकर आता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में शरीर की जठराग्नि कमजोर हो जाती है, जिससे पाचन तंत्र संवेदनशील हो जाता है। इसलिए डाइट को लेकर सजग रहना जरूरी है।

दिन की शुरुआत: विशेषज्ञों के अनुसार, बरसात के मौसम में सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय गुनगुने पानी, नीबू पानी या हर्बल काढ़े से करनी चाहिए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अदरक, तुलसी, काली मिर्च और दालचीनी से बना काढ़ा एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है। यह आपके श्वसन तंत्र को साफ रखता है और मौसमी फ्लू से बचाता है। अदरक में मौजूद 'जिंजरोल' नामक तत्व सूजन और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

उबला पानी ही पिएं: बरसात के दिनों में सबसे ज्यादा बीमारियां दूषित पानी के कारण होती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार, इस मौसम में पानी को कम से कम 10 मिनट तक उबालकर और ठंडा करके ही पीना चाहिए। उबलने से पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। लोग अकसर इस मौसम में प्यास कम लगने के कारण कम पानी पीते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास उबला हुआ पानी जरूर पिएं ताकि टॉक्सिंस बाहर निकल सकें।

सुपाच्य-गर्म नाश्ता: मानसून में सुबह का नाश्ता हल्का, सुपाच्य और ताजा होना चाहिए। शोध बताते हैं कि ठंडा या रखा हुआ खाना बैक्टीरिया के पनपने का मुख्य केंद्र होता है। अपने नाश्ते में दलिया, ओट्स, पोहा या सूजी का उपमा शामिल करें। इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को साफ रखती है। इसमें थोड़ी-सी हल्दी और राई का तड़का लगाएं, जो अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जाने जाते हैं।

मौसमी फल: फलों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन बरसात में फल चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, तरबूज या खरबूजा जैसे अत्यधिक पानी वाले फलों से इस मौसम में बचना चाहिए, क्योंकि ये जल्दी खराब होते हैं। इसके बजाय सेब, नाशपाती, अनार, पपीता और जामुन जैसे फलों को प्राथमिकता दें। जामुन में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और यह पाचन क्रिया को सुधारता है। ध्यान रहे कि फलों को काटने के तुरंत बाद खा लें, उन्हें लंबे समय तक काटकर खुला न छोड़ें।

मौसमी सब्जियां: आमतौर पर हरी पत्तेदार सब्जियों को सेहतमंद माना जाता है, लेकिन मानसून में इनमें कीड़े, लार्वा और फंगस लगने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन के शोध बताते हैं कि इस मौसम में पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली की परतों में छिपे बैक्टीरिया धोने के बाद भी पूरी तरह नहीं निकलते। इसकी जगह लौकी, तोरई, कद्दू, टिंडा और परवल जैसी बेल वाली सब्जियों का सेवन करें। ये सब्जियां हल्की होती हैं और पेट पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालतीं।

छाछ, दही और कांजी: पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए आंतों के अच्छे बैक्टीरिया का स्वस्थ होना जरूरी है। न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, दोपहर के भोजन में घर का जमा हुआ ताजा दही या जीरा-हींग युक्त छाछ शामिल करें। प्रोबायोटिक्स आंतों की परत को मजबूत करते हैं और संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया को पेट में टिकने नहीं देते।

एंटी-बैक्टीरियल मसाले: भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसाले प्राकृतिक दवा की तरह काम करते हैं। बरसात के दिनों में खाना बनाते समय हल्दी, जीरा, धनिया, मेथी दाना, हींग और लहसुन का प्रयोग थोड़ा बढ़ा दें। *

(डायटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. विनोद चवन
सीनियर पल्मोनोलॉजिस्ट-कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई

स्पेशल: वर्ल्ड लंग कैंसर-डे, 1 अगस्त

जब फेफड़ों के किसी भाग या टिश्यूज में स्थित कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती हैं, तब फेफड़ों के किसी भाग में गांठ (नोड्यूल) बनना शुरू हो जाती हैं, जो बाद में फेफड़े के कैंसर का कारण बनती है। इसके होने के कई कारण हैं। लेकिन समय पर पता लगने पर अब इसका ट्रीटमेंट संभव है। लंग कैंसर से जुड़ी उपयोगी जानकारी आपको यहां दे रहे हैं।

लाइलाज नहीं रहा लंग कैंसर

ऑक्सीजन को शरीर के समस्त अंगों तक फेफड़े ही पहुंचाते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप आपके जीवन का सफर आगे बढ़ता रहता है, किंतु शरीर का यह महत्वपूर्ण अंग जब कैंसरग्रस्त होता है, तब जीवन पर संकट के बादल छाने लगते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार भारत में पुरुषों में अन्य अंगों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं। लंग कैंसर दो प्रकार के होते हैं-

नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर: ये फेफड़ों के कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लंग्स कैंसर के ज्यादातर मामले एनएससीएलसी से संबंधित होते हैं।

स्मॉल सेल लंग कैंसर: नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर की तुलना में स्मॉल सेल लंग कैंसर (एससीएलसी) कहीं अधिक तेजी से बढ़ता है और इसका इलाज करना कठिन होता है।

लंग कैंसर के कारण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के लगभग 80 प्रतिशत मामले विभिन्न रूपों में धूम्रपान के कारण सामने आते हैं। धूम्रपान के अतिरिक्त जो लोग धूम्रपान करने वाले लोगों के संपर्क में आते हैं, उनमें भी कालांतर में फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट रहने वाले को पैसिव स्मोकर कहा जाता है।

जेनेटिक गड़बड़ी: धूम्रपान से शरीर में ऐसे तमाम केमिकल्स फेफड़ों में जाते हैं, जो कालांतर में जींस में गड़बड़ी उत्पन्न करते हैं और यह स्थिति एक अर्से बाद कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है। वहीं जिन लोगों के परिवार के सदस्यों में फेफड़ों का कैंसर अतीत में रहा हो, उनमें लंग कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण से बढ़े रिस्क: शहरों में सड़कों पर वाहनों का धुआं भी लोगों के फेफड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। यह स्थिति कालांतर में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा रही है। देश के अनेक महानगरों और छोटे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) दिनोंदिन खराब होता जा रहा है। जिस सूचकांक को 100 के अंदर होना चाहिए वह लगभग 200 के पार और अनेक बड़े शहरों में 400 के पार तक पहुंच जाता है।

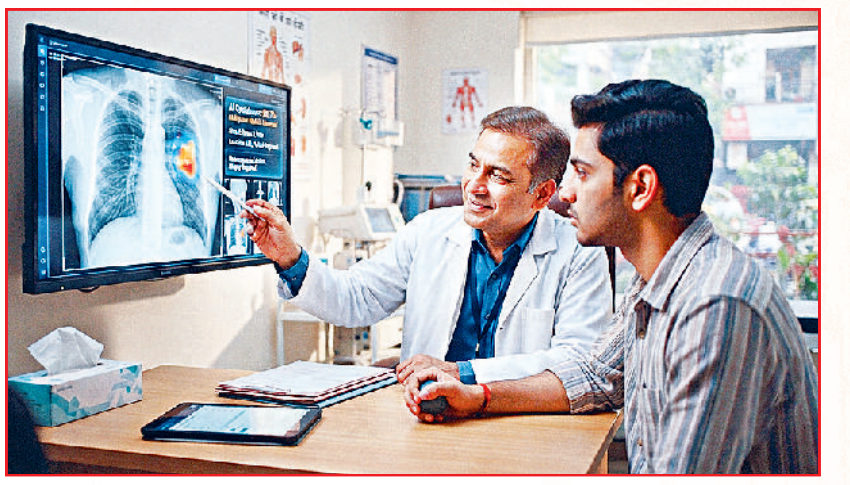

लंग कैंसर के प्रमुख लक्षण

- मामूली शारीरिक परिश्रम करने पर भी सांस फूलने लगती है या सांस लेने में दिक्कत होना।
- गहरी सांस लेते समय सीने में दर्द होना।
- लगातार बनी रहने वाली खांसी जो लगभग तीन से चार हफ्ते से जारी हो। खांसी की आमतौर पर ली जाने वाली दवाओं के सेवन के बाद भी इस समस्या का बढ़ते जाना।
- खांसने पर या बलगम में खून आना।
- किसी कारण के बिना वजन का कम होना।
- हमेशा लो एनर्जी फील करना, बेवजह बहुत थकान महसूस होना।
- निगलने में दिक्कत और आवाज बैठना।
- सीने में घरघराहट महसूस होना।

हालांकि उपरोक्त लक्षणों का होना इस बात का सूचक नहीं है कि आपको फेफड़े का कैंसर है। इनमें से कई लक्षण अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी संबंधित हो सकते हैं। बावजूद इसके यदि आपको इनमें से कोई लक्षण कुछ हफ्तों तक महसूस हों, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

कैंसर की अवस्थाएं

स्टेज 1: जब कैंसर की गांठ या नोड्यूल फेफड़े के किसी एक निश्चित भाग तक ही सीमित रहता हो।

स्टेज 2: जब कैंसर फेफड़े के अंदर लिंफ नोड्स तक फैल गया हो या फेफड़े के एक ही लोब में एक से अधिक गांठें हों।

स्टेज 3: कैंसर जब दूसरे फेफड़े में फैल चुका हो।

स्टेज 4: कैंसर जब फेफड़े और दिल के आस-पास के द्रव या अन्य अंगों तक फैल चुका हो। इस गंभीर स्थिति को मेटास्टेटिक लंग कैंसर कहते हैं। मेटास्टेटिक, कैंसर का ऐसा प्रकार है, जो एक फेफड़े में शुरू होता है लेकिन दूसरे फेफड़े या अन्य अंगों में फैल जाता है। फेफड़ों के ऐसे कैंसर का इलाज उस कैंसर की तुलना में कहीं ज्यादा जटिल होता है, जो अपने मूल स्थान से बाहर किसी दूसरे अंगों तक नहीं फैला होता है।

डायग्नोसिस के तरीके

इसके डायग्नोसिस के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, सीने का एक्स-रे, एमआरआई, पैट सीटी स्कैन और सीटी स्कैन शामिल हैं। इसके अलावा ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, स्प्यूटम टेस्ट, बायोप्सी और ब्रॉन्कोस्कोपी आदि जांचें भी कराई जाती हैं।

इलाज के तरीके हैं कई

विशेषज्ञ डॉक्टर फेफड़े के कैंसर से ग्रस्त मरीज के उपचार की प्रक्रिया का निर्धारण उसके कैंसर की स्टेज, उसकी शारीरिक स्थिति और उम्र आदि बातों के मद्देनजर सुनिश्चित करते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण अब सर्जिकल प्रक्रिया अतीत की तुलना में मरीज के लिए कहीं ज्यादा लाभदायक हो चुकी है। यही बात कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी के संदर्भ में भी लागू होती है।

सर्जरी: इसके अंतर्गत फेफड़े के कैंसरग्रस्त भाग या प्रभावित टिश्यू को सर्जरी के जरिए निकाला जाता है। जब कैंसरग्रस्त भाग एक ही जगह पर हो और वह शरीर के अन्य भागों में नहीं फैला हो, तब सर्जरी की जाती है।

रेडिएशन थेरेपी: इसके अंतर्गत प्रोटॉन थेरेपी, लीनियर एक्सिलरेटर्स, 'गामा नाइफ' और 'साइबर नाइफ' आदि का इस्तेमाल किया जाता है। अब आधुनिक रेडिएशन थेरेपी के जरिए कैंसरग्रस्त भाग के आस-पास के स्वस्थ टिश्यूज को बचाते हुए कैंसरग्रस्त टिश्यूज तक रेडिएशन की सटीक डिलीवरी संभव है।

रोबोटिक सर्जरी: अब रोबोट की सहायता से मिनिमल इनवेसिव सर्जरी संभव है, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

कीमोथेरेपी: मेडिकल साइंस में हुए शोध-अनुसंधानों के कारण कीमोथेरेपी में नई दवाएं शामिल हो चुकी हैं, जिनके कारण मरीज को अब कम 'साइड और आफ्टर इफेक्ट' सहने पड़ते हैं।

इम्यूनोथेरेपी: मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति होती है, जिसे इम्यूनिटी कहा जाता है। मेडिकल साइंस के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में कैंसर से लड़ने की इम्यूनिटी होती है, जो शरीर में कैंसरस कोशिकाओं को खत्म कर देती है। इम्यूनोथेरेपी के लिए इंजेक्शन आते हैं, जिन्हें कैंसर विशेषज्ञ के परामर्श से लगाया जाता है। ऐसे इंजेक्शंस इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फेफड़ों के कैंसर से संभव है बचाव

धूम्रपान से बचें: एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान छोड़ने से आपके फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। अगर धूम्रपान छोड़ने में आपको दिक्कत हो रही है, तो अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

पैसिव स्मोकिंग से बचें: अगर आप धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट संपर्क में रहते हैं तो ऐसी स्थिति में भी आप उनके द्वारा वातावरण में छोड़ी गई सांस ग्रहण कर सकते हैं, जिसे सेकेंड हैंड स्मोकिंग या पैसिव स्मोकिंग भी कहते हैं, जो अत्यंत नुकसानदेह है।

बचें वाहनों के धुएं से: वाहनों से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड पाया जाता है, जो फेफड़ों के लिए अत्यंत नुकसानदेह है। इसलिए वाहनों के प्रदूषण और अन्य प्रदूषित माहौल से बचने के लिए मास्क पहनें।

जरूरी है हेल्दी लाइफस्टाइल: हेल्दी लाइफस्टाइल से कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अंतर्गत संतुलित पौष्टिक खान-पान, व्यायाम और तनाव प्रबंधन आदि शामिल हैं। खान-पान में हरी सब्जियों, फलों और साबुत अनाजों को वरीयता दें। जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से जहां तक संभव हो परहेज करें।

मोटापे से बचे रहें: मोटापा हृदय रोग और मधुमेह को ही नहीं, बल्कि कैंसर के जोखिम को भी बढ़ा देता है। मोटापे को दूर करने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें और अपने खान-पान में नमक, चीनी और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थ और उत्पादों का कम से कम सेवन करें। मोटापे के संदर्भ में 'बीएमआई' के बारे में अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

प्रिकॉशन
डॉ. एम. वली
सीनियर फिजीशियन
सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

हाल में कुछ प्रदेशों में कोरोना संक्रमण के कुछ मामले सामने आए। इससे लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस मामले में बिना घबराए हुए कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतना सबसे जरूरी है। इस बारे में और डिटेल में जानिए।

सामने आए हैं कोरोना के कुछ मामले रहें पूरी तरह सतर्क-बरतें सावधानी

हाल ही में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित कुछ राज्यों में आए कोविड-19 के नए मामलों की खबर सुर्खियों में रहीं। इनमें अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं, जबकि कुछ बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। आंध्र प्रदेश में चार ऐसे मरीजों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है।

डरें नहीं-सजग रहें: स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि कोरोना संक्रमित अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत की वजह केवल कोरोना संक्रमण नहीं, को-मॉबलिटी थीं। यानी ये मरीज पहले से ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की बीमारी, किडनी की बीमारी और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। कमजोर इम्यूनिटी के कारण कोरोना की जंग में वे हार गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड अब पेंडेमिक नहीं, बल्कि एंडेमिक स्टेज में पहुंच गया है। कभी पूरी तरीके से खत्म नहीं होगा। हमें कोरोना के साथ जीना है। करोना जाएगा नहीं, कोरोना के साथ रहना है। हम अकसर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना भूल जाते हैं, जिसकी वजह से कोरोना के मामले देखने को मिलते हैं। कोविड-19 अब इंफ्लूएंजा (फ्लू) जैसे श्वसन संक्रमणों की श्रेणी में शामिल होता जा रहा है, जो मौसम के अनुसार समय-समय पर बढ़ सकते हैं। जैसे हर साल मौसम बदलने पर सर्दी-जुकाम या फ्लू के मामले आते हैं। वैसे ही अब कोविड के भी छिटपुट मामले समय-समय पर सामने आते रहेंगे।

नए केसेस आने की वजह: साल 2020 से 2022 तक पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला एसएआरएस-कॉव-2 वायरस म्यूटेशन के बाद समय-समय पर अपना स्वरूप बदलता रहता है। इसी कारण इसके नए वैरिएंट सामने आते रहते हैं। आंध्र प्रदेश में मिले अधिकांश संक्रमण ओमिक्रॉन परिवार से जुड़े हैं। इनकी आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट के रूप में पहचान हुई है। लेकिन इन्हें 2020-21 जैसी गंभीर महामारी का संकेत नहीं माना जा रहा है। अधिकांश संक्रमण हल्के हैं और अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट पहले के कोरोना वैरिएंट्स से अधिक घातक हैं। फिर भी, वायरस के लगातार बदलते स्वरूप को देखते हुए सतर्क रहना, लक्षण होने पर जांच कराना और विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले लोगों की सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है।

किन्हें है रिस्क: सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को है, जो कमजोर इम्यूनिटी वाले यानी छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग हैं। या फिर जो पहले से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, सीओपीडी जैसी फेफड़ों की पुरानी बीमारी, हाइपरटेंशन, किडनी की बीमारी या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। इन लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

कोरोना वैक्सीन कितनी प्रभावी: पहले कोरोना वैक्सीन लगवा चुके लोगों को आज भी संक्रमण होने की संभावना हो सकती है। चूंकि वायरस समय के साथ बदलता रहता है और वैक्सीन से बनी संक्रमण-रोधी इम्यूनिटी या एंटीबॉडी भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। फिर भी अधिकांश मामलों में यह वैक्सीन कोरोना से बचाव का सुरक्षा कवच है। यह भले ही इंफेक्शन को पूरी तरीके से न रोक पाए, लेकिन यह गंभीर बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम से काफी हद तक बचाने में मदद करती है।

क्या हैं लक्षण: संक्रमित व्यक्ति को इंफ्लूएंजा के समान लक्षण हो रहे हैं जैसे- मांसपेशियों में दर्द, बदन दर्द, बुखार, खांसी आना, नाक बहना या कंजेशन होना, गला खराब होना, कमजोरी, थकान, स्वाद और गंध में बदलाव। ध्यान न देने पर निमोनिया भी हो सकता है।

कब जाएं डॉक्टर के पास: अगर बुखार तीन से पांच दिन तक बना रहे, लगातार खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ हो, ऑक्सीजन स्तर कम हो, सीने में दर्द या गंभीर कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। जल्दी पता चलने से न सिर्फ इलाज आसान होता है, बल्कि संक्रमित व्यक्ति अनजाने में दूसरों को संक्रमित करने से भी बचता है।

कैसे होता है उपचार: फिलहाल कोरोना के इस नए वैरिएंट के लिए कोई अलग या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। उपचार रोग की गंभीरता और मरीज के जोखिम के आधार पर किया जाता है। उपचार के दौरान जरूरी है कि संक्रमित व्यक्ति और उसके नजदीकी लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।

संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट किया जाता है। अधिकांश हल्के मामलों में मरीज के लक्षणों के अनुसार (सिंप्टोमैटिक) उपचार ही किया जाता है। यानी घर पर आराम करने, बुखार या दर्द (जैसे पैरासिटामोल), खांसी की दवा लेने, संतुलित-पोषक-सुपाच्य आहार लेने और पर्याप्त पानी पीने संबंधी सलाह दी जाती है। कोरोना का सेल्फ-लिमिटिंग नेचर (शरीर की प्रतिरक्षा के कारण स्वतः नियंत्रित होने वाला संक्रमण) होने के कारण अधिकांश मरीज 6-7 दिन में स्वस्थ हो जाते हैं। जबकि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी या कमजोर प्रतिरक्षा वाले हाई रिस्क कैटेगरी के मरीजों को विशेष निगरानी और चिकित्सकीय उपचार की जरूरत पड़ सकती है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर विशेष एंटीवायरल दवाएं भी दी जाती हैं। समय पर शुरू किया गया उपचार बीमारी के गंभीर रूप लेने के जोखिम को कम कर सकता है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

कैसे करें बचाव

- कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।
- भीड़-भाड़ में दूसरों से दूरी बनाए रखें।
- भीड़-भाड़ वाली जगह जाना जरूरी हो, तो मास्क जरूर पहनें।
- हाथों की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। समय-समय पर साबुन से हाथ धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।
- वैक्सीनेशन को नजरअंदाज बिल्कुल न करें। अगर आप हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं तो वैक्सीनेशन को लेकर अपने डॉक्टर से बात जरूर करें। या फिर अगर इंटरनेशनल ट्रैवल पर जा रहे हों, तब बूस्टर डोज जरूर लगवाएं।
- संतुलित आहार खाएं। मौसमी और ताजे फल ज्यादा खाएं।
- नियमित वॉक करें, एक्सरसाइज करें, डीप ब्रीदिंग करें, प्राणायाम करें।
- अगर बुखार, खांसी या सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

मेरिट बनी नौकरी की गारंटी, 3586 युवाओं को मिला नियुक्ति का तोहफा

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने बांटे नियुक्ति पत्र, बोले-भाजपा ने पर्ची और खर्ची का सिस्टम खत्म किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में भर्ती व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। अब युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के केवल मेहनत, योग्यता और प्रतिभा के आधार पर सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने दोहराया कि प्रदेश में सरकारी भर्ती का एकमात्र आधार मेरिट है। मुख्यमंत्री बुधवार को पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में ग्रुप-डी के 3,586 नव-चयनित कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने छह कर्मचारियों को प्रतीकात्मक नियुक्ति पत्र भी सौंपे और सभी चयनित युवाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 के संकल्प पत्र में दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था। पिछले डेढ़ वर्ष में 42500 युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है, जबकि सरकार के साढ़े 11 वर्षों के कार्यकाल में करीब दो लाख युवाओं को पारदर्शी और मेरिट आधारित भर्ती प्रक्रिया के तहत रोजगार मिला है।

परिवारवाद व क्षेत्रवाद को खत्म किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सरकारी नौकरियों पर कुछ परिवारों, क्षेत्रों और प्रभावशाली लोगों का वर्चस्व माना जाता था। योग्यता पीछे रह जाती थी और पर्ची, खर्ची, परिवारवाद व क्षेत्रवाद हावी रहता था। वर्तमान सरकार ने इस व्यवस्था को समाप्त कर हर जिले और हर वर्ग के युवाओं को समान अवसर दिए हैं। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से कहा कि वे केवल ग्रुप-डी कर्मचारी नहीं, बल्कि गुड गवर्नेंस की डिलीवरी टीम हैं। सरकारी सेवा को जनसेवा का माध्यम मानते हुए लोगों की सेवा करें।

जालंधर में बाबा मोहन दास आश्रम में मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जालंधर स्थित बाबा मोहन दास आश्रम पहुंचे। उन्होंने बाबा मोहन दास की प्रतिमा का अनावरण किया तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश और देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत महापुरुष भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने अपने जीवन को मानव सेवा, परोपकार, प्रेम, भाईचारे और लोककल्याण के लिए समर्पित किया। उनके आदर्श समाज को सदैव सही दिशा दिखाते हैं और सभी को सेवा तथा मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा मोहन दास जी का जीवन त्याग, तपस्या और जनसेवा का प्रतीक रहा है।

मुख्यमंत्री ने कॉफी टेबल बुक एमपीआरडीसी, कनेक्टिंग पीपुल थ्रू क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का किया विमोचन

प्रदेश के आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिक सड़क संपर्क और सतत प्रगति को प्रदर्शित करती है पुस्तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉफी टेबल बुक एमपीआरडीसी कनेक्टिंग पीपुल थ्रू क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का मंत्रालय में विमोचन किया। यह पुस्तक लोक निर्माण विभाग और मप्र सड़क विकास निगम की ओर से प्रदेश के आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिक सड़क संपर्क और सतत प्रगति की प्रेरणादायक यात्रा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से इकोनॉमिक टाइम्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के सहयोग से तैयार की गई है। इस मौके पर मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई मनीष रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

निगम के सफाईकर्मियों ने मांगों को लेकर निकाली रैली, किया प्रदर्शन

भोपाल। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकाली और हाथों में झाडू लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। भारतीय सफाई मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष सोनू डागर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी कलेक्टोरेट पहुंचे और प्रदर्शन किया व डिप्टी कलेक्टर लाखन सिंह को ज्ञापन सौंपा। सोनू डागर ने बताया कि कर्मचारियों के नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन, ग्रेच्युटी का लाभ सहित कर्मचारी हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। उन्होंने मांग की कि सफाई कर्मचारियों को उनके अधिकारों के अनुरूप सुविधाएं और सम्मान दिया जाए लंबित मांगों का शीघ्र समाधान किया जाए।

ग्रीन हाइड्रोजन सहित स्वच्छ ऊर्जा पर मिलकर काम करेंगे क्रिस्प और मेनिट

भोपाल। सेंटर फॉर रिसर्चएंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफार्मेंस (क्रिस्प) और राजधानी के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मेनिट) के बीच मंगलवार को ग्रीन हाइड्रोजन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कौशल विकास, अनुसंधान एवं स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह साझेदारी ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, डीकार्बोनाइजेशन तथा कार्बन न्यूट्रल तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट ने बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 2 हजार 480 करोड़ रुपए की दी मंजूरी

आईटी पार्क स्थापना की निरंतरता को स्वीकृति, 8000 को मिलेगा रोजगार

- सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना सहित विभिन्न योजनाओं के लिए 857 करोड़ रुपए की स्वीकृति
- संकल्प-हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ़ वुमेन, शक्ति सदन और सखी निवास के लिए 198 करोड़ रुपए की स्वीकृति
- कर्मचारी कल्याण, पेंशन, भविष्य निधि और बीमा योजनाओं के लिए 982 करोड़ रुपए की स्वीकृति
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक मंत्रालय में हुई

कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से चर्चा करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कैबिनेट ने कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए रिहन्द, मल्हारगढ़ सिंचाई परियोजनाओं के साथ ही किसानों को समर्थन मूल्य पर बोनस भुगतान योजना की निरंतरता को मंजूरी मिली। प्रदेश को तकनीकी रूप से अग्रणी बनाने के उद्देश्य से आईआईएसईआर (आईशर) भोपाल में ड्रोन टेक्नोलॉजी आधारित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और आईटी पार्कों के विकास के लिए 857 करोड़ रुपए मंजूर किए। इसके तहत करीब 8000 युवाओं को रोजगार मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। इसमें प्रदेश के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए लगभग 2 हजार 480 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी गई। महिला सशक्तिकरण के लिए 198 करोड़ रुपए, कर्मचारी कल्याण एवं पेंशन योजनाओं के लिए 982 करोड़ रुपए को भी मंजूरी दी गई है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए 85 करोड़

कैबिनेट ने आईसर में ड्रोन टेक्नोलॉजी पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए 85 करोड़ 51 लाख रुपए सहित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि एक अप्रैल से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 857 करोड़ 21 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है।

आईटी पार्क स्थापना की निरंतरता को मंजूरी

आईटी पार्क की स्थापना' संबंधी योजना के लिए 595 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इससे प्रदेश में इन्दौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर में आईटी पार्कों की स्थापना की गई है। देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित कर निवेश एवं औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के व्यापक अवसर

8000 को मिलेगा रोजगार

सृजित होंगे तथा 8000 से अधिक स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) के तहत एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से आईटी एवं ईएसडीएम क्षेत्र का विस्तार होगा।

ग्वालियर में नवीन वृत्त कार्यालय शुरू करने से होगा लाभ

कैबिनेट ने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में ड्रोन टेक्नोलॉजी पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए कुल लागत 85 करोड़ 51 लाख रुपए में से 17 करोड़ 90 लाख रुपए को आगामी तीन वर्षों तक प्रदाय किए जाने की मंजूरी दी है। वर्तमान में ग्वालियर एवं चंबल संभाग के विद्युत सुरक्षा और राजस्व संग्रहण संबंधी कार्य भोपाल मुख्यालय से संपादित होते हैं। ग्वालियर में नवीन वृत्त कार्यालय शुरू करने से मुरैना के बामौर और भिंड के मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र को लाभ प्राप्त होगा।

मिशन शक्ति के लिए 198 करोड़ रुपए

मिशन शक्ति- उपयोजना सामर्थ्य अंतर्गत संकल्प-हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ़ वुमेन, शक्ति सदन और सखी निवास योजना के वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक क्रियान्वयन के लिए 198 करोड़ 59 लाख रूपए की स्वीकृति दी है। 500 करोड़ से अधिक की योजना अंतर्गत किसानों को उपार्जन पर बोनस भुगतान 1 अप्रैल से 31 मार्च 2031 तक में निरंतर संचालन की स्वीकृति दी है।

तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुआ हादसा

रायगढ़ में एक औद्योगिक हादसे में पांच मजदूर झुलसे, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले में बुधवार सुबह एक औद्योगिक हादसे में पांच मजदूर झुलस गए। यह घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र स्थित मां शिवा प्लांट में हुई, जहां इंडक्शन फर्नेस में अचानक हुई तकनीकी गड़बड़ी के कारण पांच कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए।

हादसे में घायल दो मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब सात बजे प्लांट में नियमित कार्य के दौरान इंडक्शन फर्नेस में अचानक बॉयलिंग की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसी दौरान वहां मौजूद मजदूर प्रमोद सोनी, चौखर सिंह, शनि सिंह, चतुर यादव और गुड्डू गर्म धातु और तेज तापमान की चपेट में आकर झुलस गए। घटना के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अन्य कर्मचारियों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए सभी घायलों को रायगढ़ के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों में से प्रमोद सोनी और चौखट सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है, दोनों को उपचार के लिए रायपुर रिफर कर दिया गया है।

जेएलआर इंडिया ने पहली तिमाही में दर्ज किया रीटेल सेल्स का रिकॉर्ड परफोर्मेन्स

मुंबई। जेएलआर इंडिया ने पहली तिमाही के लिए अब तक का सबसे अच्छा रीटेल सेल्स परफोर्मेन्स दर्ज किया है, कंपनी ने 11 फीसदी सालाना की बढ़ोतरी दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 27 की पहली तिमाही में 1665 युनिट्स बेची हैं। इसी तरह तिमाही में होलसेल बिक्री भी 4 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर 1694 युनिट्स पर पहुंच गई है। वित्तीय वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कुल रीटेल बिक्री में रेंज रोवर, रेंज रोवर स्पोर्ट और डिफेंडर मॉडल की हिस्सेदारी 85 फीसदी से अधिक रही, जो भारत के लग्जरी एसयूवी सेगमेंट में इनकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। डिफेंडर कंपनी का सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल भी बना रहा, इससे साफ है कि भारत में 'टफ लक्ज़री' की मांग ज़बरदस्त बनी हुई है।तिमाही के दौरान जेएलआर इंडिया ने इंडिया-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एफटीए के तहत रेंज रोवर एसवी और रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी के लिए नई कीमतें लागू कीं, जिससे मॉडल के आधार पर रु 75 लाख तक का फ़ायदा मिल रहा है। इस घोषणा से ग्राहकों की दिलचस्पी बढ़ी है; एसवी के बारे में काफ़ी इन्क्वायरीज़ आ रहीं है और दोनों ही मॉडल्स के लिए बिस्पोक खास तौर पर कस्टमाइज किए गए ऑर्डर्स की मांग भी बढ़ रही है।

ऊंचाई वाले हिस्से में गए और पैर फिसला

दोस्तों संग दमाऊधारा घूमने आया युवक डूबा, तलाश जारी

जांजगीर चाम्पा सक्ती जिले के नगरदा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दमाऊधारा में घूमने आए भिलाई निवासी 20 वर्षीय छात्र का पैर फिसलने से गहरे पानी में डूबने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन देर शाम तक युवक का पता नहीं चल सका। बुधवार सुबह फिर से संयुक्त टीम ने तलाश अभियान शुरू किया है।जिले के नगरदा थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दमाऊधारा में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। दोस्तों के साथ घूमने आए भिलाई निवासी एक युवक का पैर फिसलने से वह गहरे पानी में गिर गया और डूब गया।

बागेश्वर धाम के दर्शन कर वापस लौट रहे थे छग, कमर में चोट

छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सड़क हादसे में घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष किरण देव सड़क हादसे में घायल हुए हैं। उन्हें झांसी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनका इलाज चल रहा है डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर इस मामले में पैनी नजर बनाए हुए हैं। बताया जाता है कि इस हादसे में उनके कमर में चोट लगी है।

वे बागेश्वर धाम से दर्शन कर वापस छत्तीसगढ़ लौट रहे थे। इस दौरान यह हादसा हुआ। बताया जाता है कि उनकी गाड़ी एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई है। यह हादसा उस समय हुआ जब वे मध्य प्रदेश के बागेश्वरधाम धाम से दर्शन कर लौट रहे थे। इस समय गाड़ी की रफ्तार तेज थी।

खड़े ट्रक से पीछे से टकराई कार

मिली जानकारी के अनुसार, सफर के दौरान सामने से आ रही एक गाड़ी ने अचानक कट मार दिया। गाड़ी को बचाने के चक्कर में किरण देव के ड्राइवर ने भी वाहन को मोड़ा, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा इंजन तक क्षतिग्रस्त हो गया है। गनीमत की बात यह है कि किरण देव के काफिले में पीछे चल रही अन्य सभी गाड़ियां पूरी तरह सुरक्षित हैं।

आत्मसमर्पण करने वालों में 5 महिला कैडर भी शामिल

आठ माओवादियों ने छोड़ा हिंसा का रास्ता, पुलिस के समक्ष किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

झारखंड में सक्रिय कुल 8 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ते हुए बीजापुर पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 5 महिला कैडर शामिल हैं। इन सभी पर कुल 49 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक सभी माओवादी लंबे समय से प्रतिबंधित भाकपा संगठन से जुड़े होकर झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय थे। झारखंड पुलिस एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सहयोग से इन कैडरों ने बीजापुर पहुंचकर आत्मसमर्पण किया। पुलिस ने बताया कि छग शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति, पूर्व नक्सलियों के सफल पुनर्वास, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा आदिवासी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर इन कैडरों ने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।

पुनर्वास सुविधा का दिलाया जाएगा फायदा

इनमें अश्विन उर्फ लच्छू, रंगा उर्फ सोहन, ढोबा माड़वी उर्फ राहत, फगनी पोयाम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा तथा सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले सभी कैडरों को छग शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत नियमानुसार आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा, स्वरोजगार एवं रोजगार से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

नई एमएसएमई नीति से हरियाणा बनेगा विनिर्माण और निर्यात का नया केंद्र

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नई एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति लागू कर औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की पहल की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तैयार इस नीति का उद्देश्य राज्य को देश के प्रमुख विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना है। नई नीति में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 60 नई पहलें शामिल की गई हैं। सरकार ने अगले पांच वर्षों में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश आकर्षित करने, पांच लाख नए रोजगार सृजित करने और हरियाणा के निर्यात को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। नीति में पूंजीगत सब्सिडी, वेंचर कैपिटल फंड, निर्यात प्रोत्साहन, तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता सुधार, हरित विनिर्माण और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार छोटे उद्योगों को 15 से 30 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी, स्टार्टअप्स के लिए 200 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड, निर्यातकों को ब्याज सहायता और फ्रेट सब्सिडी उपलब्ध कराएगी। साथ ही रोबोटिक्स, एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन मिलेगा।

- 55 हजार करोड़ निवेश, पांच लाख रोजगार और 60 नई पहलें सरकार के लक्ष्य

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत और डॉ. नरोत्तम ने दतिया में की मीडिया से चर्चा

कांग्रेस भ्रम फैला कर करती है नकारात्मक राजनीति हार के बाद ईवीएम पर मढ़ेंगे दोष: खंडेलवाल

भाजपा दतिया को फिर विकास की राह पर आगे बढ़ाएगी: हेमंत

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

दतिया का दम

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मंगलवार को दतिया के मीडिया सेंटर में दतिया उपचुनाव को लेकर पत्रकार-वार्ता को संबोधित किया। खंडेलवाल ने कहा कि प्रचार-प्रसार के दौरान दतिया की जनता का अभूतपूर्व स्नेह व सहयोग मिला। ऐसा ही सहयोग अब 30 जुलाई को मतदान के दिन भी मिलेगा। दतिया में हजारों करोड़ की लागत से बनने वाले डिफेंस पार्क से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। कांग्रेस भ्रम फैलाती है, झूठे आरोप और नकारात्मक राजनीति करती है। कांग्रेस अपनी हार की पटकथा लिखना शुरू कर चुकी है। वह चुनाव में हारने के बाद ईवीएम पर दोष मढ़ेंगे।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल व पदाधिकारी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गौतम पाल पुत्र रामपाल, पता: मकान नं 280/ए ग्राउंड फ्लोर, तैमूर नगर, इंदिरा गांधी कैंम्प-II, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली ने एफआईआर सं. 119/23 दिनांक 12.04.2023 धारा 33 दिल्ली एक्साईज एक्ट के तहत** थानाः पुल प्रहलाद पुर, नई दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गौतम पाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गौतम पाल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 119/23 दिनांक 12.04.2023 धारा 33 दिल्ली एक्साईज एक्ट के तहत** थानाः पुल प्रहलाद पुर, दिल्ली **के उक्त गौतम पाल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आज़ाद सहरावत
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-10
कमरा नं.307, तृतीय तल,
साउथ ईस्ट, जिला
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/10442/SE/2026

चिंतन

संसद की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि

पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद से देश को ठोस समाधान और सार्थक बहस की अपेक्षा होती है। विपक्ष को सरकार से कठिन सवाल पूछने का पूरा अधिकार है और सरकार को उनके जवाब देने की जिम्मेदारी है, लेकिन जब बहस का केंद्र असंसदीय शब्दों और आरोप-प्रत्यारोप पर आ जाता है, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है। संसद में विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की पहचान है, लेकिन शब्दों का संयम उसकी गरिमा और मर्यादा ही सदन की नींव है। बुधवार को लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुई बहस इसी सवाल को फिर से सामने ले आई। बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगभग 50 मिनट तक अपनी बात रखी। उन्होंने छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अपने भाषण में 'इडियट' और 'अंधभक्त' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई बार हस्तक्षेप करते हुए इसे संसदीय मर्यादा के विपरीत बताया और माफी की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हस्तक्षेप करते हुए आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। अध्यक्ष द्वारा आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाना संसदीय परंपरा का हिस्सा है। अंततः लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि मतभेद कितने भी गहरे हों, संवाद शालीन, तथ्यपरक और मर्यादित बना रहे। बहस के दौरान गृह मंत्री पर छात्रों पर फायरिंग के आदेश देने का आरोप भी लगाया गया, जिसे सरकार ने सिरे से खारिज किया। ऐसे गंभीर आरोपों की जांच और सत्यापन तथ्यों तथा कानून के आधार पर होनी चाहिए। संसद में बोले गए शब्द केवल तत्कालीन बहस तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि किसी शब्द की स्थायी 'प्रतिबंधित सूची' नहीं होती। किसी टिप्पणी को असंसदीय माना जाएगा या नहीं, इसका निर्णय उसके संदर्भ, प्रभाव और सदन की गरिमा के आधार पर अध्यक्ष या सभापति करते हैं। यही कारण है कि समय-समय पर विभिन्न शब्द कार्यवाही से हटाए जाते रहे हैं। यह प्रक्रिया किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संसद की संस्थागत गरिमा को बनाए रखने के लिए होती है। आज देश के करोड़ों युवा संसद की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। वे चाहते हैं कि उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीर बहस हो, ठोस नीतियां बनें और समाधान निकले। यदि चर्चा का केंद्र असंसदीय शब्द, नारे और राजनीतिक टकराव बन जाए, तो सबसे अधिक निराशा उन्हीं युवाओं को होती है, जिनके हितों की रक्षा के लिए संसद अस्तित्व में है। लोकतंत्र की शक्ति सत्ता और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी से बढ़ती है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से कठिन और असहज प्रश्न पूछे, जबकि सरकार का दायित्व है कि वह तथ्यों और जवाबदेही के साथ उनका उत्तर दे। लेकिन दोनों पक्षों की समान जिम्मेदारी यह भी है कि संसद की गरिमा और मर्यादा किसी भी राजनीतिक संघर्ष से ऊपर रहे। मतभेद जितने भी तीखे हों, संवाद तथ्यपरक, संयमित और जनहित केंद्रित होने चाहिए और सभी दल यह ध्यान रखें की सदन की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि है, इसे बनाए रखना सबका दायित्व है।

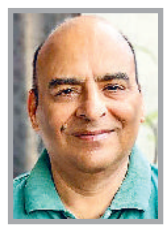

मुद्दा
पंकज चतुर्वेदी

विकास कार्यों की जवाबदेही भी तय हो

ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिरना,सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

आखिर ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। सरकारें इन परियोजनाओं को नए भारत की पहचान के रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। पिछले कुछ वर्षों में नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिर जाना और सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है-क्या हम टिकाऊ विकास कर रहे हैं या केवल विकास का प्रदर्शन?

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे हो या फिर प्रगति मैदान की सुरंग, बरसात में जलजमाव होना आम बात है। बिहार में गंगा पार का अगुवानी–सुल्तानगंज पुल निर्माण के दौरान दो बार ढह गया। इस परियोजना पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। इसके बावजूद लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि डिजाइन में कमी थी, निर्माण सामग्री दोषपूर्ण थी या निगरानी में गंभीर लापरवाही हुई। इसी प्रकार, बिहार में कई छोटे पुलों और पुलियों के लगातार गिरने की घटनाओं ने राज्य की निर्माण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना भी केवल एक तकनीकी विफलता नहीं था। करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित प्रतिमा का अपेक्षाकृत कम समय में ढह जाना यह बताता है कि गुणवत्ता परीक्षण और संरचनात्मक सुरक्षा के मानकों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है। करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होने के कुछ ही समय बाद उन्नाव के निकट इसकी लिंक रोड पहली ही बारिश में धंस गई। पहली ही भारी बारिश के बाद उत्तर प्रदेश के शामली और सहारनपुर के पास 12,000 करोड़ की लागत से बना दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (विशेषकर हाथ करोड़ा गांव के समीप) कई जगहों से धंस गया था। इसके कारण बने बड़े-बड़े गड्ढों से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ अधिकारियों का तबादला या निलंबन होता है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। दोष तय नहीं होता, न किसी बड़ी निर्माण एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित होती है और न ही ऐसी घटनाओं से सीख लेकर व्यवस्था में व्यापक सुधार दिखाई देता है। ऐसी घटनाएं केवल इंजीनियरिंग की विफलता नहीं हैं। इनके पीछे कई स्तरों की समस्याएं काम करती हैं। पहली समस्या है समय से पहले परियोजना पूरी करने का राजनीतिक दबाव। आज अधिकांश बड़ी परियोजनाएं चुनावी कैलेंडर से जुड़ जाती हैं। उद्घाटन की तारीख तय हो जाती है और फिर निर्माण एजेंसियों पर समय सीमा पूरी करने का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में गुणवत्ता परीक्षण, अंतिम निरीक्षण और तकनीकी मानकों के पालन में समझौते की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी समस्या है सबसे कम बोली आधारित

ठेका प्रणाली। सरकारी खरीद में कम लागत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा केवल सबसे सस्ता ठेका पाने तक सीमित रह जाए तो गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। कई बार ठेकेदार बाद में लागत की भरपाई घटिया सामग्री, कम गुणवत्ता वाले श्रम या तकनीकी मानकों में कटौती करके करते हैं। तीसरी और सबसे गंभीर समस्या है जवाबदेही का अभाव। किसी पुल के गिरने, सड़क के धंसने या सरकारी भवन के ढहने के बाद यदि दोषी इंजीनियर, निर्माण एजेंसी या निगरानी संस्था पर कठोर कार्रवाई नहीं होती तो यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक धन की बर्बादी की कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी।

यही कारण है कि गलतियां दोहराई जाती हैं। विडंबना यह है कि भारत में परियोजनाओं की सफलता का मूल्यांकन अक्सर उनकी लागत, लंबाई या उद्घाटन की तारीख से किया जाता है, न कि उनकी डिजाइन आयु और टिकाऊपन से। यदि किसी पुल की अनुमानित आयु सौ वर्ष है, लेकिन वह दस वर्ष में ही बड़ी मरम्मत मांगने लगे, तो उसे सफल परियोजना नहीं कहा जा सकता, चाहे उसका उद्घाटन कितने ही भव्य तरीके से हुआ हो। जलवायु परिवर्तन का तर्क भी अक्सर सामने रखा जाता है। निश्चित रूप से अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। लेकिन यदि विकसित देशों में इन्हीं परिस्थितियों में बने पुल और सड़कें दशकों तक सुरक्षित रह सकती हैं, तो भारत में हर बार प्राकृतिक आपदा को ही दोष नहीं दिया जा सकता। आधुनिक इंजीनियरिंग का उद्देश्य ही बदलती जलवायु को ध्यान में रखकर संरचनाएं तैयार करना है। इस समस्या का एक सामाजिक पक्ष भी है। जब किसी सड़क के बार-बार मरम्मत की आवश्यकता होती है, तो उसकी वास्तविक लागत कई गुना बढ़ जाती है। इसका भुगतान अंततः करदाता करता है। दुर्घटनाओं में जान-माल की हानि अलग होती है। खराब आधारभूत संरचना उद्योग, पर्यटन, परिवहन और निवेश-सभी को प्रभावित करती है। इसलिए यह केवल तकनीकी या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और नागरिक सुरक्षा का प्रश्न भी है। समाधान भी स्पष्ट हैं, बशर्ते उन्हें लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। प्रत्येक बड़ी परियोजना का स्वतंत्र तृतीय-पक्ष गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। निर्माण पूरा होने के बाद केवल उद्घाटन नहीं, बल्कि विस्तृत सुरक्षा प्रमाणन सार्वजनिक किया जाना चाहिए। दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों को ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था वास्तव में लागू होनी चाहिए। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) तथा अन्य तकनीकी संस्थाओं की रिपोर्टों पर समयबद्ध कार्रवाई हो। साथ ही, परियोजनाओं की पूरी जानकारी-लागत, ठेकेदार, गुणवत्ता परीक्षण और रखरखाव-जनता के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होनी चाहिए। भारत को विकास की गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं है।

आवश्यकता इस बात की है कि विकास की गति और गुणवत्ता दोनों साथ चलें। दुनिया में किसी भी देश की पहचान केवल ऊंची इमारतों, लंबे पुलों या चौड़ी सड़कों से नहीं बनती, बल्कि उनसे बनती है जो दशकों तक सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद बनी रहें। यदि हम हर दुर्घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करेंगे, मुआवजा घोषित करेंगे और फिर अगली दुर्घटना की प्रतीक्षा करेंगे, तो यह विकास नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों की निरंतर बर्बादी होगी। अब समय आ गया है कि भारत में आधारभूत संरचना का मूल्यांकन केवल उसकी संख्या से नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, टिकाऊपन और जवाबदेही से किया जाए। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके उद्घाटनों में नहीं, बल्कि उन संरचनाओं में होती है जो आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित खड़ी रहती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

पंचायती राज

डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

आत्मनिर्भर पंचायत : विकसित भारत की आधारशिला

ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा, रायपुर (छत्तीसगढ़) महात्मा गांधी आत्मनिर्भर गांव के प्रबल समर्थक थे। वे ऐसे गांवों की कल्पना करते थे जो अपने संसाधनों का विकास स्वयं करें, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर सकें तथा दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बनें। उनकी ग्राम पंचायत की अवधारणा जमीनी स्तर की सामाजिक सभा (ग्रासरूट सोशल असेंबली) पर आधारित थी, जो सहयोगात्मक शासन का स्वरूप प्रस्तुत करती है। इसमें सरकार, समाज और बाजार मिलकर कार्य करते हैं, जिससे ग्रामीणों का विश्वास बढ़ता है, स्थानीय ज्ञान का समुचित उपयोग होता है तथा नीतियों के प्रति दीर्घकालिक स्वामित्व की भावना विकसित होती है। भारत की लगभग दो-तिहाई से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जहाँ ग्राम पंचायतें आर्थिक गतिविधियों के संचालन, सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ग्रामसभा के सबसे निकट होने के कारण पंचायतें सुशासन स्थापित करने की सबसे प्रभावी कड़ी हैं। 73वें संविधान संशोधन के अंतर्गत पंचायतों को संवैधानिक दर्जा और व्यापक दायित्व प्रदान किए गए हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे केवल प्रशासनिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि स्थानीय आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने वाली स्वशासी संस्थाओं के रूप में कार्य करें। आजादी के अमृतकाल में पंचायतें सेवा-केंद्रित संस्थाओं के रूप में उभर रही हैं। फिर भी उनकी सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक आत्मनिर्भरता है। अधिकांश ग्राम पंचायतें राज्य एवं केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदानों पर निर्भर रहती हैं तथा अपने स्वयं के आय स्रोत विकसित करने पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पातीं। परिणामस्वरूप वे स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति, नई विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा वास्तविक स्वशासी संस्थाओं के रूप में विकसित होने की क्षमता में सीमित रह जाती हैं।

16वें वित्त आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा स्वयं के राजस्व स्रोतों को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया है। आयोग का मत है कि उसके अनुदानों का उद्देश्य स्थानीय निकायों की व्यय आवश्यकताओं तथा उनकी स्वयं की आय एवं राज्य सरकार से प्राप्त अनुदानों के बीच के अंतर को कम करना होना चाहिए। इसी उद्देश्य से आयोग ने राज्यों और ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए प्रदर्शन-आधारित (Performance-based) अनुदानों का प्रावधान किया है, जिन्हें पंचायतों की स्वयं की आय बढ़ाने से जोड़ा गया है।आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल वित्तीय संसाधनों तक सीमित नहीं है। इसका आशय पंचायतों की उस क्षमता से है, जिसके माध्यम से वे स्वतंत्र निर्णय ले सकें, स्थानीय समस्याओं का समाधान स्वयं खोज सकें तथा अपने समुदाय के विकास के लिए टिकाऊ मार्ग तैयार कर सकें। जब पंचायतें स्वयं राजस्व अर्जित करती हैं, तब उन्हें अपने गांव की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है। इससे गरीबी उन्मूलन, आजीविका संवर्धन, स्वास्थ्य, बाल कल्याण, जल संरक्षण, हरित विकास, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा, सुशासन तथा महिला सशक्तिकरण जैसे लक्ष्यों की प्राप्ति अधिक प्रभावी ढंग से संभव होती है। वास्तव में आत्मनिर्भर पंचायतें ही विकसित भारत की आधारशिला हैं। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा संचालित आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायतों के स्वयं के राजस्व स्रोतों को सुदृढ़ बनाकर उनकी वित्तीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इस प्रक्रिया में नाबार्ड तथा हुडको जैसी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी। केवल वही ग्राम एवं जनपद पंचायतें इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकेंगी जिनके पास राजस्व सृजन करने वाली परियोजनाओं को सफलतापूर्वक विकसित एवं संचालित करने की पर्याप्त वित्तीय क्षमता और संस्थागत स्थिरता उपलब्ध होगी।आर्थिक रूप से सशक्त पंचायतें ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। इसके लिए पंचायतों को स्थानीय संसाधनों और अवसरों की पहचान कर स्थायी राजस्व सृजन के नवाचारी मॉडल विकसित करने होंगे। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा इस कार्यक्रम का विस्तार पूरे देश में किया गया है। पात्र पंचायतों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने नवाचारों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर, सुशासित और आत्मविश्वासी पंचायतों का निर्माण करना चाहिए। आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम स्थानीय परिसंपत्तियों को सतत राजस्व सृजन करने वाली परियोजनाओं में परिवर्तित करेगा और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। *-संकाय सदस्य (पंचायती राज)*

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य

संकलित
दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

पति-पत्नी के बीच अविश्वास नहीं होना चाहिए

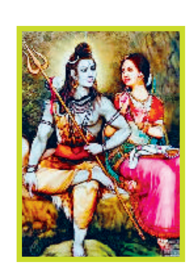

संकलित
प्रेरणा

शिव जी और सती को रास्ते में श्रीराम दिखाई दिए। श्रीराम सीता के वियोग में रो रहे थे। शिव जी ने श्रीराम को दूर से ही प्रणाम किया और देवी सती से कहा कि तुम भी भगवान को प्रणाम करो। सती ने सोचा कि जो व्यक्ति रो रहा है, वह भगवान कैसे हो सकता है। शिव जी ने समझाया कि आप श्रीराम पर संदेह न करें, वे भगवान ही हैं। शिव जी तो वहां से चले गए, लेकिन देवी सती ने सोचा कि वे श्रीराम की परीक्षा लेंगी। ऐसा सोचकर वे सीता का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं। श्रीराम ने उन्हें पहचान लिया, प्रणाम किया और पूछा कि देवी आप अकेली आई हैं, भगवान शिव कहां हैं। श्रीराम की बात सुनकर सती लज्जित हो गईं और चुपचाप शिव जी के पास लौट आईं। इसके बाद शिव जी ने देवी सती का मानसिक त्याग कर दिया था। इस घटना के कुछ समय बाद देवी सती के पिता ने एक यज्ञ का आयोजन किया था। यज्ञ में दक्ष ने शिव-सती को छोड़कर सभी देवी-देवताओं को बुलाया था। जब ये बात सती को मालूम हुई तो उन्होंने शिव जी से पिता के यहां जाने की अनुमति मांगी। शिव जी ने सती को समझाया कि हमें ऐसे आयोजन में बिना बुलाए नहीं जाना चाहिए, लेकिन सती ने शिव जी की बात नहीं मानी और पिता के यहां यज्ञ में चली गईं। सती जब यज्ञ स्थल पर पहुंची तो दक्ष ने सती के सामने ही शिव जी का अपमान करना शुरू कर दिया। सती ये सहन नहीं सकीं और यज्ञ कुंड में कूदकर देह त्याग दी।

अंतर्मन

आज की पाती

अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग न हो

लोकतंत्रीय व्यवस्था में संविधान के अनुसार हर नागरिक को अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए अभिव्यक्ति/प्रदर्शन व अहिंसक/ शांतिपूर्ण मार्च का अधिकार दिया गया है। किन्तु उसका बेजा उपयोग या दुरुपयोग कानूनी जुर्म होगा। अगर अभिव्यक्ति/प्रदर्शन अहिंसक और शांतिपूर्ण है तो सरकारी कानून-व्यवस्था का अनावश्यक उपयोग भी संविधान के अनुसार गैरकानूनी माना जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में पेपर लीक के मामले में सीजेपी द्वारा छात्रों को लेकर अहिंसक प्रदर्शन/आंदोलन व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संज्ञान लेते हुए यही कहा है कि प्रदर्शनकारी हों या पुलिस, यदि किसी ने भी किसी पर अनावश्यक ज्यादती की है तो वे कानून के दायरे में आएंगे। *- वीरेंद्र कश्यप, रायपुर*

ट्रेंड

परीक्षा संशोधन विधेयक

लोकसभा ने व्यापक बहस के बाद सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। यह भारत की परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

हर छात्र का अपमान

रेपिस्ट का बचाव करने वाले व्यक्ति से ज़्यादा घटिया और कोई नहीं हो सकता। प्रह्लाद जोशी हमारे शिक्षा तंत्र और उसमें पढ़ने वाले हर छात्र का अपमान हैं। उनके अधीन संस्थानों में करोड़ों युवतियां पढ़ती हैं। भारत की महिलाएं पीएम मोदी के नए शिक्षा मंत्री को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स

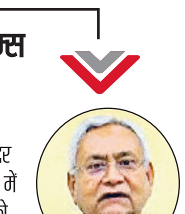

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 69 किलोग्राम भारोत्तोलन इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर हरजिंदर कौर और पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने पर गुलवीर सिंह को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।
- नीतीश कुमार, राज्यसभा सांसद, जदयू

शिक्षा विभाग में खाली पद

बीजेपी ने अपने 'संकल्प पत्र 2023' के पेज 33 पर लिखित रूप में वादा किया था: "हम शिक्षा विभाग में सभी खाली पदों को एक साल के भीतर भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" आज शिक्षा विभाग में खाली पदों की संख्या बढ़कर लगभग डेढ़ लाख हो गई है।
- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

पीओके के प्रदर्शनकारी पाक के दुश्मन : रक्षा मंत्री आसिफ

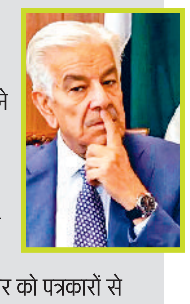

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों को भारत की तरह दुश्मन बताते हुए कहा है कि उनके साथ कोई बातचीत नहीं की जाएगी। इस बीच, पीओके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 20 हो गई। प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने बुधवार को कहा कि सोमवार से पीओके में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ हुई झड़पों में उसके कम से कम 20 कार्यकर्ता मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हालांकि, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मृतकों की संख्या पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, 'प्रदर्शनकारियों के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। मैं उन्हें भारत की ही श्रेणी में मानता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन समझता हूं।' वहीं, प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि जेएएसी ने उनके साथ एक बैठक की थी और अपनी 38 मांगें रखी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद और मीरपुर पर बलपूर्वक कब्जा करना चाहते हैं।

ऑफ बीट

भाषाओं को खत्म कर रहा जलवायु परिवर्तन

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के केलर में रहने वाली पॉलिन स्टेन्सगर का दो मई 2023 में 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया और उनके साथ उनकी भाषा भी खत्म हो गई। पॉलिन 'इन-हा- उम-चीन' भाषा बोलने वाली अंतिम व्यक्ति थीं। वॉशिंगटन राज्य क्षेत्र में अमेरिका के रहने वाले कुछ समूह इस भाषा में बात किया करते थे। पॉलिन के अपनी भाषा के प्रति प्यार को धन्यवाद, जिसकी वजह से हम इस भाषा से पूरी तरह अनजान नहीं हैं। सैलिश स्कूल ऑफ स्पोकाने के प्रधानाचार्य क्रिस्टॉफर पार्किन ने बताया कि पॉलिन स्टेन्सगर ने छह पाठ्यपुस्तकों की रचना की और उनके पास भाषा की 100 से ज्यादा रिकॉर्डिंग हैं। अगर कोई भी 'इन-हा-उम-चीन' सीखना चाहता है तो वह सीख सकता है। लेकिन कुछ विलुप्त भाषाएं, 'इन-हा-उम-चीन' जितनी भाग्यशाली नहीं हैं। हम इन्हें हमेशा के लिए खो सकते हैं। दुनिया के कुछ हिस्से भाषाओं के संदर्भ में समृद्ध हैं लेकिन वहां लाखों लोग पर्यावरणीय आपदाओं के चलते विस्थापित होने के लिए मजबूर हैं, जो भाषाओं के विलुप्त होने का एक प्रमुख कारण है। दुनियाभर में आज सात हजार से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं, जिनका इतिहास है और इन्हें बोलने वालों के पास इनका ज्ञान भंडार है।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

बसपा प्रमुख बोलीः सरकार को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे पेपर लीक जैसी घटनाएं होने से पहले ही रोकी जा सकें

मायावती ने कहाः केवल कठोर कानून बनाने से पेपर लीक समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं

उन्होंने कहा कि लोगों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि क्या सिर्फ नया कानून लागू कर देने से समस्या खत्म हो जाएगी या इसके साथ अन्य प्रभावी कदम भी उठाए जाएंगे। नया कानून मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद दोषियों को सजा देने पर केंद्रित है

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

बसपा प्रमुख मायावती ने पेपर लीक रोकने के लिए सख्त सजा वाले विधेयक के लोकसभा से पारित होने के बाद कहा कि केवल कठोर कानून बना देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। उन्होंने अपराध की रोकथाम, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता बढ़ाने, गरीब छात्रों को समान अवसर देने और शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित होता है और कई मामलों में निराश होकर आत्महत्या जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों पर सख्त कानून जरूरी हैं, लेकिन केवल दंड का प्रावधान ही पर्याप्त नहीं माना जा सकता।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि केवल कठोर कानून बनाने से इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। सरकार को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे पेपर लीक जैसी घटनाएं होने से पहले ही रोकी जा सकें। उन्होंने कहा कि लोगों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि क्या सिर्फ नया कानून लागू कर देने से समस्या खत्म हो जाएगी या इसके साथ अन्य प्रभावी कदम भी उठाए जाएंगे। बीएसपी प्रमुख ने कहा कि नया कानून मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद दोषियों को सजा देने पर केंद्रित है, जबकि सबसे महत्वपूर्ण पहलू अपराध को होने से पहले रोकना है।

» गरीब छात्रों को समान अवसर देने की जरूरत

» शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता

राज्यसभा में वंदेमातरम बिल को हाथ उठाकर समर्थन देते सांसद

संसाधनों के अभाव में गरीब प्रतिभाशाली बच्चे पीछे रहे

मायावती ने कहा कि यदि रोकथाम की व्यवस्था मजबूत नहीं होगी तो कानून का प्रभाव सीमित रह जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहले से मौजूद कानून भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके, जिससे स्पष्ट होता है कि केवल कानूनी प्रावधान पर्याप्त नहीं हैं। मायावती ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर नियंत्रण के लिए शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार किए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षा के लिए मिलने वाले ऋण को अधिक सुलभ और छात्र हितैषी बनाया जाए, सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए और गरीब तथा वंचित वर्ग के बच्चों को समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को भी समान अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़ सकें। मायावती ने कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न परिवार अपने संसाधनों के बल पर बेहतर शिक्षा हासिल कर लेते हैं, लेकिन करोड़ों गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चे संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। उनके अनुसार, पेपर लीक शिक्षा व्यवस्था की बड़ी समस्याओं में से केवल एक उदाहरण है, जबकि मूल चुनौतियां इससे कहीं अधिक गहरी हैं।

झारखंड में परीक्षा धांधली पर भाजपा का प्रदर्शन

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित धांधली को लेकर भाजपा के सांसदों ने दिल्ली में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। सांसदों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है, जिससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को उनका हक दिलाकर रहेंगे।

दान पात्र की रक्षा न कर पाने वाले पेपर लीक कैसे रोकेंगे?ः अखिलेश

लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि बात सिर्फ एक ही है, जो लोग आस्था के साथ चढ़ाए गए 'दान-पात्र' की रक्षा नहीं कर पाए, उनसे यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वे पेपर लीक रोकेंगे।

दोषियों का समर्थन करने वाले शिक्षा मंत्री कैसे?ः प्रमोद

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने आरोप लगाया कि सजा काटकर जमानत पर छूटे बिल्किस बानो के दोषियों का प्रल्हाद जोशी ने खुलकर समर्थन किया था।

अपमान पर होगी 3 वर्ष की जेल

राज्यसभा से 'वंदे मातरम' विधेयक पारित

राज्यसभा ने बुधवार को राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। अब राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को भी कानूनी संरक्षण मिलेगा। राष्ट्रीय गीत का जानबूझकर अपमान करना या उसके गायन में बाधा डालना अब आपराधिक अपराध माना जाएगा। अपराधों के लिए अधिकतम तीन वर्ष तक की जेल का प्रावधान रखा गया है।

ई20 पेट्रोल पर गडकरी का संसद में जवाब

रबर के पुर्जे और गैस्केट बदलना पड़ सकता है

राज्यसभा में एक लिखित जवाब में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल पर एक अप्रैल 2005 से लागू बीएस-3 मानक वाले और वर्ष 2016 से पहले निर्मित कुछ वाहनों में रबर के कुछ पुर्जे और गैस्केट बदलने की जरूरत पड़ सकती है। ड्राइवबिलिटी, स्टार्ट होने की क्षमता, धातु के पुर्जों और प्लास्टिक के हिस्सों की अनुकूलता जैसे मानकों पर भी कोई समस्या सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि वाहन का माइलेज केवल ईंधन के प्रकार पर नहीं, बल्कि कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है।

30 करोड़ वाहन हो जाएंगे कबाड़ः केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि 2023 से पहले की बनी करीब 30 करोड़ गाड़ियों को मोदी सरकार ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल करवाकर कबाड़ बनाने पर तुली हुई है। 9 बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने फोन पर हुई बातचीत में स्वीकार किया कि तकनीकी दृष्टि से ई20 पेट्रोल पुरानी गाड़ियों के इंजन, फ्यूल टैंक और माइलेज को नुकसान पहुंचा रहा है।

खबर संक्षेप

2 अगस्त से 'नशा मुक्त अभियान' शुरू होगा

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की देशव्यापी शुरुआत करेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूक करना है।

इंडक्शन फर्नेस में हादसा, 5 मजदूर झुलसे

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बुधवार सुबह एक औद्योगिक हादसे में पांच मजदूर झुलस गए। यह घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र स्थित मां शिवा प्लांट में हुई, जहां इंडक्शन फर्नेस में अचानक हुई तकनीकी गड़बड़ी के कारण पांच कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए।

क्रिकेट ग्राउंड के पास इंसानी सिर मिला

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के कोडाथी गांव में बुधवार सुबह एक क्रिकेट मैदान के पास इंसानी सिर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। इससे एक रात पहले, मंगलवार को उसी क्षेत्र के पास रेलवे ट्रैक पर एक सिरविहीन शव बरामद हुआ था।

पूर्व पर्यावरण मंजूरी मामलों में केंद्र सरकार को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के कार्यालय ज्ञापन को रद्द किया, कहा- मंजूरी लेना अनिवार्य नियम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

व्यवस्था कार्यालय ज्ञापन के जरिए स्वीकार्य नहीं

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसका फैसला भविष्य में लागू होगा और पहले पर्यावरणीय मंजूरी पा चुकी परियोजनाएं इससे प्रभावित नहीं होंगी। पीठ ने दोहराया कि पर्यावरणीय ढांचे के तहत पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी अनिवार्य नियम है

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में केंद्र सरकार के 2021 के उस कार्यालय ज्ञापन को रद्द कर दिया, जिसके तहत बिना पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी के शुरू की गई परियोजनाओं को पूर्वप्रभावी पर्यावरणीय मंजूरी देने की व्यवस्था बनाई गई थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पांचोली की पीठ ने सर्वसम्मत फैसले में सरकार को कुछ राहत भी प्रदान की। पीठ ने कहा कि यह फैसला भावी प्रभाव से लागू होगा और पहले से पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) प्राप्त परियोजनाएं इससे प्रभावित नहीं होंगी। पीठ ने दोहराया कि पर्यावरणीय ढांचे के तहत पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी अनिवार्य नियम है और सामान्य परिस्थितियों में परियोजनाएं पहले शुरू कर बाद में मंजूरी नहीं ले सकतीं।

असाधारण परिस्थितियों में ही राहत संभव

न्यायालय ने कहा कि केंद्र सरकार असाधारण परिस्थितियों में और व्यापक जनहित में वैध वैधानिक अधिसूचना के जरिए सीमित अवधि की एकमुश्त राहत योजना ला सकती है। पीठ ने कहा कि ऐसी व्यवस्था कार्यपालिका के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) के जरिये नहीं बनाई जा सकती और न ही इसे उल्लंघनों को नियमित करने के स्थायी माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए उच्चतम न्यायालय यदि उचित समझे तो किसी परियोजना को कार्योत्तर (पोस्ट-फैक्टो) पर्यावरणीय मंजूरी दे सकता है। उच्चतम न्यायालय ने एक अप्रैल को पुनर्विचार याचिकाओं सहित सभी याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आपराधिक मुकदमे का आधार खत्म तो नौकरी से वंचित नहीं रख सकते

शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसले में आपराधिक मामले में बरी हो चुके शास्त्री (पीटीए) शिक्षक की सेवा बहाल करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने शिक्षा विभाग के उन आदेशों को खारिज कर दिया है, जिनमें उनकी बहाली की मांग को ठुकरा दिया गया था। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब आपराधिक मुकदमे का आधार ही खत्म हो गया है तो कर्मचारी को नौकरी से वंचित नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता के खिलाफ मामले के चलते शिक्षा विभाग ने बिना किसी विभागीय जांच के उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। अदालत ने कहा कि चूंकि बर्खास्तगी का मुख्य आधार वह एफआईआर थी जो बाद में अदालत में झूठी साबित हो गई और याचिकाकर्ता बरी हो गया।

राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

शिक्षक की डांट आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं, 3 पर लगे आरोप हुए रद्द

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि शिक्षकों द्वारा छात्रों को अनुशासन में रखने के लिए डांटना-फटकारना आत्महत्या के लिए उकसाने के समान नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने वर्ष 2005 के बीकानेर छात्रा आत्महत्या मामले में दो शिक्षिकाओं समेत तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 305 के तहत तय आरोपों को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर ने रवि भटनागर सहित अन्य की आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया।

स्पष्ट और ठोस प्रमाण जरूरी

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि किसी शिक्षक द्वारा छात्र को नियमित रूप से स्कूल आने, पढ़ाई पर ध्यान देने, कक्षा में अनुशासन बनाए रखने या खराब प्रदर्शन पर डांटने-फटकारने जैसी सामान्य अनुशासनात्मक कार्रवाई को तब तक आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण नहीं माना जा सकता, जब तक आत्महत्या के लिए उकसाने या जानबूझकर सहायता करने का स्पष्ट और ठोस प्रमाण न हो। इसी आधार पर हाई कोर्ट ने बीकानेर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संख्या-6 द्वारा 9 फरवरी 2021 को आरोप तय करने के आदेश को रद्द कर दिया।

सीजेपी की सख्त चेतावनी

छात्रों का उत्पीड़न नहीं रूका तो हम फिर सड़कों पर उतरेंगे

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर छात्रों का उत्पीड़न नहीं रुका और उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं लिए गए, तो पार्टी जल्द ही फिर से सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को छात्रों ने पुलिस की लाठियां और खून-खराबा झेला। अगर सरकार इतने पर भी नहीं चेती और युवाओं का उत्पीड़न जारी रहा, तो हम बहुत जल्द दोबारा सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पर ही आंदोलन निर्भर करता है, अगर सरकार सहमत नहीं होती और अपने तरीके को नहीं सुधारती तो जल्द ही हमें नया आंदोलन करेंगे, क्योंकि हमारे पास कोई और रास्त नहीं होगा तो हमें ये करना ही पड़ेगा। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि सरकार ने पहले सार्वजनिक रूप से भरोसा दिया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी और पुराने मामले भी वापस लिए जाएंगे। लेकिन अब सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देकर कह रही है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को बहाना बनाकर अपने वादे से पीछे हट रही है।

सीजेपी ने राकेश टिकैत से की मुलाकात

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ताओं ने भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत से मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में छात्र आंदोलन स्थगित होने के बाद सीजेपी ने अपने आंदोलन को बड़े सामाजिक मुद्दों से जोड़ने के संकेत दिए हैं। सीजेपी के अनुसार, शिक्षा से जुड़े मुद्दों के साथ अब किसानों और युवाओं के सवालों को भी साझा मंच पर उठाया जाएगा। इसी मुद्दे को लेकर सीजेपी नेताओं ने राकेश टिकैत से समर्थन मांगा। उम्मीद की जा रही है कि भारतीय किसान यूनियन और सीजेपी आगे साथ में कोई बड़ा प्रदर्शन कर सकती है।

» कंगना को कोई सीरियस नहीं लेता

अभिजीत दिपके ने ने लोकसभा सांसद कंगना रनौत पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें कोई सीरियस लेता भी है?। बता दें कि कंगना रनौत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व वाले जेन-जी प्रदर्शनों के वायरल रील्स पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'जनरेशन गटर' करार दिया था।

काशी विश्वनाथ धाम में सावन को लेकर तैयारियां पूरी

एक करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण मास और कांवड़ की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने सावन में काशी विश्वनाथ धाम में लगभग 1 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई है। काशी विश्वनाथ के सभी सोशल मीडिया हैंडल पर श्रद्धालु लाइव दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में श्रद्धालुओं के स्वागत और सुरक्षा के साथ-साथ उनके दर्शन को सुगम और सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए जिग-जैग कतार व्यवस्था, छायादार जगह, ग्लूकोज-पानी की सुविधा और बारिश से बचाव जैसे इंतजाम किए गए हैं। सावन के पहले और प्रत्येक सोमवार को श्रद्धालुओं पर फूल वर्षा की गई है।

पटियाला कोर्ट ने कहा, आचरण निंदनीय पर निरंतर हिरासत अनुचित

सीजेआई से अभद्र भाषा बोलने वालों को जमानत

सुप्रीम कोर्ट में अभद्र व्यवहार के आरोप में गिरफ्तारी हुई थी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग करने, कोर्ट रूम में कागजात फेंकने, सुरक्षा कर्मी से मारपीट करने और कार्यवाही बाधित करने के आरोप में गिरफ्तार दो कानून के छात्रों प्रबल और चंदन को कोर्ट ने जमानत दे दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरोपितों का आचरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जाती है, लेकिन केवल आरोपों की गंभीर भाषा के आधार पर उन्हें अनिश्चितकाल तक न्यायिक हिरासत में नहीं रखा जा सकता।

सुनवाई के दौरान प्रबल प्रताप फाइल फोटो

अभद्र भाषा के इस्तेमाल का अधिकार नहीं

अदालत ने कहा कि कोई भी पक्षकार, चाहे वह फैसले से कितना ही असंतुष्ट क्यों न हो या स्वयं अपनी पैरवी कर रहा हो, उसे अदालत में अभद्र भाषा बोलने या मुख्य न्यायाधीश के पद की गरिमा पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं मिल जाता। ऐसे आचरण को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, जमानत पर निर्णय लेते समय भी उसी संतुलित दृष्टिकोण को अपनाया जाना चाहिए।

आगे गरिमा बनाए रखें

अदालत ने जमानत की शर्तों में कहा कि दोनों आरोपित जांच और ट्रायल में आवश्यकता पड़ने पर उपस्थित होंगे व भविष्य में सभी न्यायिक कार्यवाहियों के दौरान सख्त शालीनता और अदालत की गरिमा बनाए रखेंगे। स्पष्ट किया कि आदेश केवल जमानत के प्रश्न तक सीमित हैं और मुकदमे के गुण-दोष को प्रभावित नहीं करेंगी।

संस्थाएं असंयमित व्यवहार से कमजोर नहीं पड़ती

पटियाला हाउस स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था किसी एक आक्रोशित और स्वयं पैरवी कर रहे वादी के असंयमित व्यवहार से कमजोर नहीं पड़ती। ऐसे में अधीनस्थ अदालतों को भी जमानत पर विचार करते समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदर्शित संस्थागत संयम का अनुसरण करना चाहिए। दोनों को 25-25 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया गया।

मिनिमम बैलेंस न रखने पर बैंकों की चांदी, ग्राहकों से वसूले 7,086 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिनिमम बैलेंस न रखने वाले ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर बैंक हर साल मोटी कमाई कर रहे हैं। संसद में पेश ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में बैंकों ने पेनल्टी के नाम पर आम जनता से हजारों करोड़ रुपए वसूल डाले हैं। इस पेनाल्टी वसूली में कई बड़े बैंकों का दबदबा रहा है, जिन्होंने ग्राहकों से भारी भरकम रकम जुटाकर अपने खजाने भरे हैं। मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर देश के सरकारी और प्राइवेट बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में ग्राहकों से कुल 7,087 करोड़ रुपए वसूले हैं। संसद में सरकार ने इसकी जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा रकम एचडीएफसी बैंक ने वसूली है।

एक्सिस बैंक दूसरे नंबर पर

आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए मंत्री ने बताया कि प्राइवेट बैंकों में एचडीएफसी बैंक ने सबसे ज्यादा 1,798.14 करोड़ रुपए वसूले। इसके बाद एक्सिस बैंक का नंबर रहा, जिसने 1,081.33 करोड़ रुपए जुटाए। सिर्फ इन दोनों बैंकों ने मिलकर 2,879.47 करोड़ रुपए वसूले, जो 19 प्राइवेट बैंकों की कुल वसूली का 58 प्रतिशत है।

इन खातों पर नहीं लगता कोई चार्ज

सरकार ने साफ किया कि बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट पर किसी तरह का पेनल्टी चार्ज नहीं लिया जाता। इसमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं। यानी इन खातों के ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ता।

ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर मोटी कमाई कर रहे बैंक

प्राइवेट बैंकों ने वसूले सबसे ज्यादा पैसे

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्राइवेट सेक्टर बैंकों ने करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट में मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर ग्राहकों से 4,948.71 करोड़ रुपए वसूले। वहीं पब्लिक सेक्टर बैंकों ने इसी वजह से 2,137.92 करोड़ रुपए जुटाए। इस तरह दोनों मिलाकर बैंकों ने 7,086 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली की।

सरकारी बैंकों की हालत बेहतर सरकार का दावा

एक दूसरे सवाल के जवाब में पंकज चौधरी ने कहा कि पब्लिक सेक्टर बैंकों की वित्तीय स्थिति पहले के मुकाबले काफी मजबूत हुई है। बैंकों की बैलेंस शीट बेहतर हुई है, मुनाफा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है और ग्रॉस एनपीए कई दशक के सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सेक्टर में क्रेडिट ग्रोथ भी लगातार बनी हुई है।

मार्केट न्यूज

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' दे रही प्रेरणा का संदेश, वहीं डा. ऑर्थो दे रहा मजबूत कदमों का भरोसा

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' व आयुर्वेदिक 'डा. ऑर्थो' की विशेष ब्रांड साझेदारी

चंडीगढ़। चेतन डी.के. के निर्देशन में बनी फिल्म द इंडिया स्टोरी देश की प्रेरणादायक यात्रा, संघर्ष, आत्मनिर्भरता और भारतीय मूल्यों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास करती है। फिल्म में श्रेयस तलपड़े, काजल अग्रवाल के साथ कई प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के दौरान कलाकारों ने कहा कि चाहे जिंदगी में कितनी भी भागदौड़ और चुनौतियां क्यों न हों, मजबूत कदमों के साथ हर सफर आसान बनाया जा सकता है। ऐसे मजबूत कदमों के लिए चाहिए डा. ऑर्थो एक्यूप्रेशर स्लीपर एवं शूज, जो हर पल देते हैं नई ऊर्जा, मजबूती और दर्द से पूरी आजादी । वहीं, फिल्म की सफलता की कामना करते हुए एंटरप्रेन्योर और इन्वेस्टर डा. संजीव जुनेजा ने कहा कि भारत की संस्कृति, मूल्यों और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणादायक कहानियों को दुनिया के सामने लाने वाली फिल्में समाज में सकारात्मक सोच और देश के प्रति गर्व की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए इसकी शानदार सफलता की कामना की। इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधि ने कहा कि डा. ऑर्थो एक्यूप्रेशर स्लीपर एवं शूज को पैरों की बेहतर देखभाल और आराम को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह उत्पाद दैनिक जीवन में पैरों को आराम प्रदान करने के साथ-साथ सक्रिय और ऊर्जावान जीवनशैली को बढ़ावा देने में सहायक है।

खबर संक्षेप

आईनॉक्स विंड को मिला 1,600 करोड़ रुपए का ठेका

नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को एनएलसी इंडिया लिमिटेड से करीब 1,600 करोड़ रुपये का 200 मेगावाट का ठेका मिला है। इसे ठेका मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। करीब 1,600 करोड़ रुपये के इस ठेके का पूरा काम यानी शुरू से अंत तक कंपनी ही पूरा करेगी।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.66 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूत होकर 16 पैसे की बढ़त के साथ 95.66 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में जोरदार लिवाली, विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों के अनुकूल स्तर पर बने रहने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया।

राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में मजबूत वृद्धि : इंडिया रेटिंग्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह कहा।एक जुलाई, 2017 से लागू जीएसटी ने 17 तरह के कर और 13 उपकरों (सेस) को एकीकृत कर केंद्र और राज्यों की अलग-अलग कर दरों तथा कर संरचना को सरल बनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद से माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) ने राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि की है। कर उछाल से आशय अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है।

अध्ययन में 26 राज्य शामिल

इंडिया रेटिंग्स की अर्थशास्त्री एवं निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि अध्ययन में शामिल 26 राज्यों का कर उछाल जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान बढ़कर 2.9 हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 से 2016-17 के दौरान यह केवल 0.6 था।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उच्च घरेलू खपत और बड़े सेवा क्षेत्र की मौजूदगी के कारण महाराष्ट्र को जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में सबसे बड़ा हिस्सा मिला है।

- महाराष्ट्र को कर राजस्व का सबसे बड़ा हिस्सा मिला
- एक जुलाई 2017 से लागू जीएसटी में 17 तरह के कर व 13 सेस एक किए
- अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है

करदाताओं की संख्या बढ़कर 1.65 करोड़

रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य जीएसटी में उल्लेखनीय वृद्धि का कारण कर प्रणाली का सरलीकरण, प्रौद्योगिकी और आंकड़ा विश्लेषण का बेहतर उपयोग, कर अनुपालन में सुधार तथा करदाताओं की संख्या 2017 के 67 लाख से बढ़कर मई, 2026 में 1.65 करोड़ होना है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के संगठित होने की प्रक्रिया को भी दर्शाता है।

राज्यों का संग्रह नौ प्रतिशत से बढ़ा : वहीं, जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान राज्यों का एसजीएसटी संग्रह नौ प्रतिशत बढ़कर 12.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

उपभोग आधारित कर व्यवस्था लागू

इंडिया रेटंग्स ने कहा कि इसका प्रमुख कारण उत्पादन आधारित कर प्रणाली के स्थान पर उपभोग आधारित कर व्यवस्था का लागू होना, सेवा क्षेत्र को कर दायरे में शामिल करना तथा कर चोरी पर प्रभावी रोक लगना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2012-13 से 2016-1717 के दौरान राज्यों का कर राजस्व 6.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख करोड़ रुपये रहा था, जबकि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

राज्यों के कर राजस्व संरचना में बदलाव आया

रिपोर्ट में कहा गया कि अधिक कर संग्रह अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ने, कर व्यवस्था की बेहतर निगरानी और करदाताओं के अनुपालन में सुधार का संकेत है। इसमें कहा गया है कि जीएसटी लागू होने से पहले और बाद में राज्यों के कर राजस्व की संरचना में बदलाव आया। हालांकि, महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों अवधियों में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने रहे।

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4 प्रतिशत

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013-17 के 17.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2018-26 में 20.4 प्रतिशत हो गई। इसका प्रमुख कारण राज्य में उच्च घरेलू खपत और मजबूत सेवा क्षेत्र है।

शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 889 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को जोरदार तेजी आई और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा पूंजी प्रवाह, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों और एचडीएफसी बैंक के शेयर में लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 889 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 265 अंक की तेजी रही।

तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 888.68 अंक चढ़कर 77,654.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 999.57 अंक चढ़कर 77,765.49 अंक तक पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 264.85 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,250.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 4.70 प्रतिशत चढ़ा जबकि इन्फोसिस में 4.50 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा ट्रेंट, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सोना स्थिर, चांदी में 500 रुपये का सुधार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना 1.47 लाख रुपये प्रति दस ग्राम पर स्थिर
- सोना चांदी मजबूत होकर 2.25 लाख रुपये प्रति किलो

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहीं, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच चांदी में 500 रुपये का मामूली सुधार हुआ और यह बढ़कर 2.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही। चांदी मंगलवार के 2,24,800 रुपये के बंद स्तर से 500 रुपये बढ़कर 2,25,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई। कारोबारियों ने कहा कि सोना एक सीमित दायरे में रहा, जबकि पिछले सत्र में तेज गिरावट के बाद चांदी में थोड़ा सुधार हुआ। बुधवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने का कारोबार सपाट रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि भारतीय रुपये के मजबूत होने से घरेलू कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव पड़ा। विदेशी बाजारों में, हाजिर सोना 4,031.73 डॉलर प्रति औंस पर सपाट कारोबार कर रहा था और चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 57.54 डॉलर प्रति औंस हो गई।

छह अगस्त से इंडिया एक्सपो मार्ट में सजेगा फैन एक्सपो 2026

ग्रेटर नोएडा। 6 से 8 अगस्त तक इंडिया एक्सपो मार्ट में फैन एक्सपो और स्मार्ट लाइटिंग एक्सपो 2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। 180 से अधिक प्रदर्शकों और 14,000 से ज्यादा व्यापारिक दर्शकों के साथ यह एक्सपो देश का सबसे बड़ा बी2बी बिजनेस प्लेटफॉर्म बनने जा रहा है। इस आयोजन में हैवेल्स (टाइटल्स स्पॉन्सर), क्रॉम्पटन, विरगो एल्युमिनियम, सुजाता और सूर्या जैसे दिग्गज ब्रांड्स शामिल हैं। इस साल एक्सपो को नारडेको उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश के 19 प्रमुख आर्किटेक्ट्स एसोसिएशंस और एईएसए पुणे का मजबूत सहयोग मिला है। बिजनेस डील्स के अलावा, इस महा-आयोजन में 3 बड़े इंडस्ट्रियल कॉन्फ्रेन्स (फैन इंडिया समिट, इंडिया लाइटिंग समिट, और आर्किटेक्ट एंड बिल्डर कॉन्क्लेव) के साथ एक एक्सक्लूसिव सीईओ राउंडटेबल का आयोजन किया जाएगा। इसमें बीएलडीसी मोटर तकनीक, स्मार्ट होम आईओटी, एनर्जी एफिशिएंसी और भविष्य की मैन्युफैक्चरिंग नीतियों पर गहन मंथन होगा। डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, आर्किटेक्ट्स और बिल्डर्स के लिए नया नेटवर्क बनाने और डायरेक्ट मैन्युफैक्चरिंग डील्स हासिल करने के लिए यह एक्सपो बेहद महत्वपूर्ण है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी साहिल उर्फ पुनित पुत्रः** अजय कुमार **पताः** मकान नं. बी–3, एन–465, रघुवीर नगर, नई दिल्ली **FIR No. 333/2022, U/S: 25/54/59 Arms Act, थानाः हरी नगर, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहिल उर्फ पुनित,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **साहिल उर्फ पुनित,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **साहिल उर्फ पुनित, FIR No. 333/2022, U/S: 25/54/59 Arms Act, थानाः हरी नगर, दिल्ली,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.09.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोक्षा बैंस
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–II
वेस्ट कोर्ट नंबर 31
तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/10383/WD/2026
(Court Matter)

राशिफल

मेष — रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म–कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन–सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग–दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन–पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

एलआईसी ऑफ इंडिया ने भारत सरकार को लाभांश चेक सौंपा

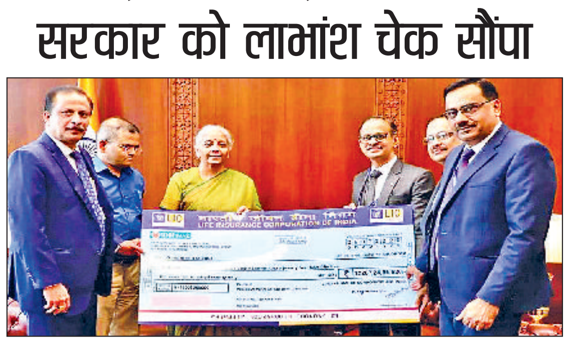

नई दिल्ली। एलआईसी ऑफ इंडिया के सीईओ एवं एमडी आर. दोराईस्वामी ने आज केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश के भारत सरकार के हिस्से का रुपये 12,207.25 करोड़ का चेक सौंपा। जिसे 27 जुलाई, 2026 को हुई वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया था। इस अवसर पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया के साथ-साथ भारतीय जीवन बीमा निगम के अधिकारी, रत्नाकर पटनायक, एमडी, आर. चंदर, एमडी, उत्तरी जोन के जैडएम (आई/सी) एन.एस. राघव भी मौजूद रहे।

भारतीय रेल ने मिशन-मोड रिक्रूटमेंट के ज़रिए वर्कफ़ोर्स को मज़बूत किया

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज लोकसभा में रेलवे में भर्ती के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि 2004-05 से 2013-14 के दौरान भारतीय रेल में हुई भर्ती और 2014-15 से 2025-26 के दौरान हुई भर्ती का ब्यौरा 2004-2005 से 2013-2014 - 4.11 लाख, 2014-2015 से 2026-2027 (30.06.2026 तक) - 5.56 लाख (दक्षिण रेलवे के लिए 50,485 सहित) भारतीय रेल पदों की व्यवहार्यता और और ऑपरेशन की अहमियत को देखते हुए, वैकेंसी का होना और भरना एक लगातार चलने वाला प्रोसेस है। रेगुलर ऑपरेशन, टेक्नोलॉजी में बदलाव, मशीनीकरण और नए तरीकों को पूरा करने के लिए पर्याप्त और समुचित मैनपावर दी जाती है। वैकेंसी मुख्य रूप से रेलवे द्वारा ऑपरेशनल और टेक्नोलॉजिकल जरूरतों के हिसाब से रिक्रूटमेंट एजेंसियों के साथ इंडेंट लगाकर भरी जाती हैं। आरआरबी की परीक्षाएँ काफी टेक्निकल होती हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर लोगों और रिसोर्स को लगाना और मैनपावर को ट्रेनिंग देना शामिल है।

PUBLIC NOTICE

I, Jatin Wadhwa, son of Late Ravi Wadhwa, residing at House No A-53, Fisrt Floor, Ashoka Enclave Part-2 Sector 37 Faridabad Pin Code-121003, hereby inform the general public that my passport bearing Passport no J0924567, issued on 29/06/2010, has been lost/misplaced. If anyone finds the above-mentioned passport, they are requested to kindly hand it over to the nearest police station or contact me at [Phone Number 9654525252].

Place: Haryana
Date: 29/07/2026
Jatin Wadhwa

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ज़ाहिद पुत्रः** मो0 कलाम, **निवासः** म.नं. A-193/31, बुलन्द मस्जिद, शास्त्री पार्क, दिल्ली ने **FIR No. 26/2022 U/s 379/411 IPC., थानाः कश्मीरी गेट मैट्रो, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ज़ाहिद** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ज़ाहिद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 26/2022 U/s 379/411 IPC., थानाः कश्मीरी गेट मैट्रो, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **ज़ाहिद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
राशी रहेजा
जेएमएफसी-13 (मध्य), कमरा नं. 33
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्लीं

DP/10341/Metro/2026
(Court Notice)

शब्द पहेली - 6302

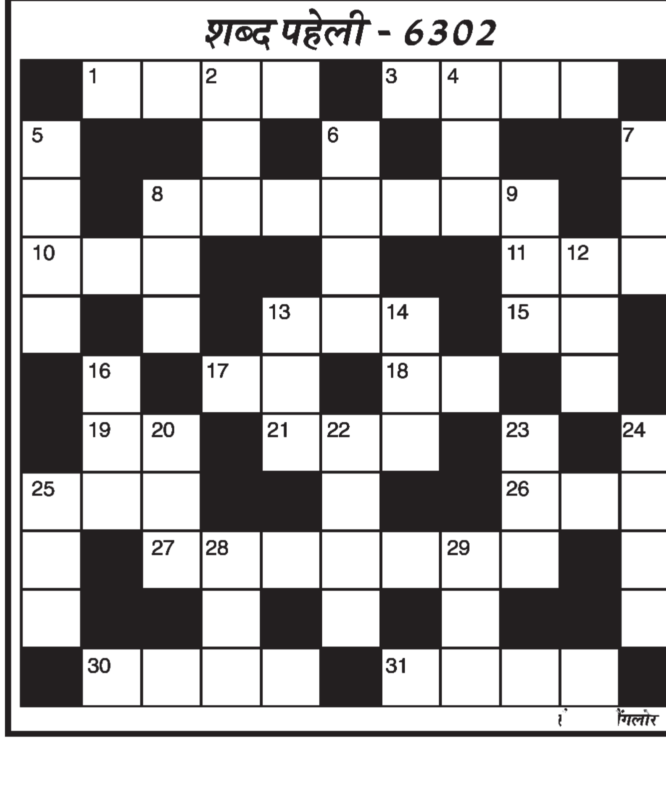

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6301 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	र्जा		श		श	त्रु	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	व	न			गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

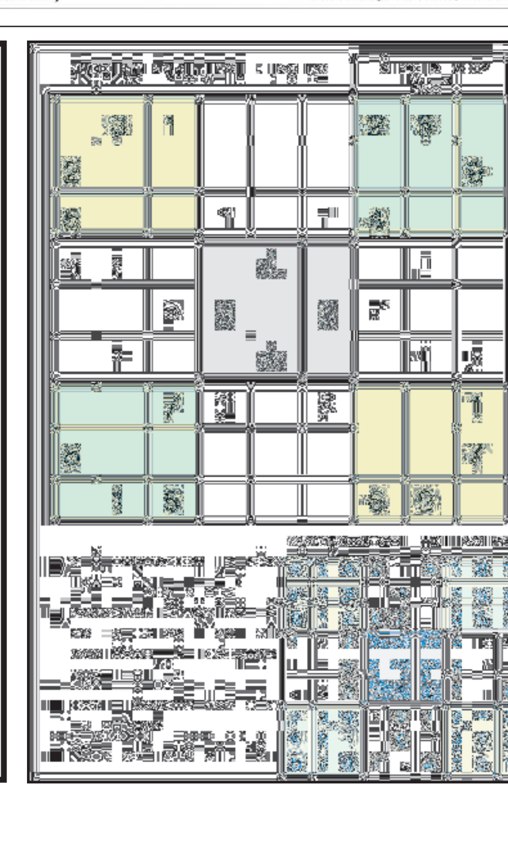

गुलवीर ने 10 हजार मीटर दौड़ में भारत को दिलाया पहला पदक

एथलेटिक्स में दूसरा रजत पदक

एजेंसी ▶▶ ग्लास्गो

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर नया इतिहास रचा। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। एथलेटिक्स में भारत का यह दूसरा रजत पदक है। इससे पहले सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक जीता था।

बारिश और पानी से भरे ट्रैक में दौड़े गुलवीर

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर ने 'स्कॉट्सटाउन स्टेडियम' में लगातार हो रही बारिश और पानी से भरे ट्रैक जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पूरी दौड़ में अग्रणी धावकों के साथ अपनी जगह बनाए रखी। अंतिम चरण में उन्होंने जबरदस्त तेजी दिखाई और 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27:48.93 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की 27:50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।

नहीं पड़ता मौसम का असर : गुलवीर

गुलवीर ने कहा, 'पदक जीतकर हमेशा अच्छा लगता है। दौड़ अच्छी रही, बारिश भी हुई, लेकिन जब आप पदक जीतते हैं तो बारिश हो, धूप हो, गर्मी हो या कुछ और हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा, 'मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया था। दौड़ से पहले मैंने सर्वशक्तिमान से कहा था, देख लेना प्रभु।'

अफ्रीकी धावकों को पीछे छोड़ा

अमेरिका में कोच स्कॉट सिमंस के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे गुलवीर ने मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच बेहतरीन रणनीति अपनाई। इस दौड़ में कीनिया के 2023 की विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता डेनियल एबेयो जैसे कई दिग्गज अफ्रीकी धावक भी शामिल थे। लगातार बारिश के बावजूद गुलवीर अधिकांश समय शीर्ष समूह के साथ बने रहे और अंतिम लैप में अपनी गति को बढाकर मुलार्की को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया।

40 साल बाद विजेताओं में अफ्रीकी धावक नदारद

गुलवीर के इस प्रदर्शन के साथ एक और बड़ा इतिहास भी बना। वर्ष 1986 के बाद पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा के पदक विजेताओं में किसी भी अफ्रीकी धावक का नाम शामिल नहीं रहा। यह उपलब्धि 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अविनाश साबले द्वारा 3000 मीटर स्टीपलचेज में कीनिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को तोड़ते हुए रजत पदक जीतने की याद भी ताजा कर गई।

टेबल टेनिसः पुरुष और महिला टीम फाइनल में

नई दिल्ली (भाषा)। भारत की पुरुष और महिला टीम ने बुधवार को यहां 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अपने-अपने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने एकतरफा मुकाबले में इंग्लैंड को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपना अजेय अभियान जारी रखा। मनुष शाह ने कॉनर ग्रीन को 11-9, 11-9, 11-6 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने बायीं आंख के ऊपर 13 टांके होने के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हंटर को 11-8, 11-4, 11-5 से शिकस्त दी। अनुभवी हरमीत देसाई ने बेंजामिन पिगॉट को 11-5, 11-5, 11-5 से हराकर भारत की 3-0 की जीत सुनिश्चित की। भारतीय पुरुष टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच गंवाए बिना फाइनल में जगह बनाई। महिला टीम को हालांकि कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उसने इंग्लैंड को 3-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने चियुक लाम जैस्मिन वोंग को 11-6, 11-3, 11-9 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इंग्लैंड की टिन-टिन हो ने यशस्विनी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद सिंड्रेला दास ने ऐना ग्रीन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को फिर बढ़त दिलाई। चौथे मुकाबले में श्रीजा ने टिन-टिन हो को पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-8, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल में अब भारत का सामना मलेशिया से होगा।

पुरुष पेयर्स लॉन बॉल्स : नामीबिया को हराकर भारत ने दर्ज की दूसरी जीत

ग्लास्गो (भाषा)। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स प्रतियोगिता में अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पुरुष पेयर्स वर्ग के सेक्शन बी के दूसरे दौर के दूसरे मैच में नामीबिया को कड़े मुकाबले में हराया। मंगलवार को कुक आइलैंड्स के खिलाफ टाईब्रेकर में मिली जीत के बाद भारत के 'लीड' नवनीत सिंह और 'स्किप' दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद संयम बनाए रखा और पहला सेट 5-3 से अपने नाम किया। नामीबिया ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने सटीक थ्रो और शानदार रणनीति के दम पर लगातार पांच अंक जुटाकर मैच का रुख पलट दिया और प्रतिद्वंद्वी टीम की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से ही कायम रहा। उन्होंने शुरुआती 2-0 की बढ़त को लगातार शानदार खेल और 'जैक' पर प्रभावी नियंत्रण के दम पर 6-1 तक पहुंचा दिया। नामीबिया ने सेट के अंतिम चरण में दो अंक लेकर अंतर 3-6 कर दिया लेकिन तब तक मुकाबले का नतीजा लगभग तय हो चुका था। भारतीय जोड़ी ने आसानी से मैच जीतकर ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

नवनीत और दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद 6-1 से जीता मुकाबला

हरजिंदर कौर ने 227 किग्रा भार उठाकर जीता सिल्वर मेडल

ग्लासगो में जारी कॉमनवेल्थ गेम्स महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने धमाल मचा दिया। महिलाओं की 69 किग्रा वेट कैटेगरी में हरजिंदर ने कुल 227 किग्रा भार उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया। हरजिंदर कौर ने 69 किग्रा भार कैटेगरी के स्नैच के पहले प्रयास में 98 किग्रा उठाया, उसके बाद दूसरे प्रयास में 99 और तीसरे प्रयास में 101 किग्रा का वजन उठाया। उनके तीनों ही प्रयास सफल रहे। इसके बाद क्लीन एंड जर्क के तीन प्रयासों में 120, 123 और 126 किग्रा भार उठाया। इस तरह स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क में 126 किग्रा उठाने के साथ कुल 227 किग्रा वजन के दम पर हरजिंदर ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

खबर संक्षेप

मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीः मनु

नई दिल्ली। मनु भाकर ने कहा कि हांगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर उनकी भावनाएं मिली जुली है और वह इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। भाकर अभी भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की तलाश में हैं। भाकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही, मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी।' मनु ने कहा, ' मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि मेरी मेहनत रंग ला रही है। सुधार की अभी भी बहुत गुंजाइश है, और यही बात मुझे प्रेरित करती है। एक-एक कदम आगे बढ़ना है।'

स्क्वाश चैंपियनशिपः क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया

ओंटारियो। भारतीय पुरुष और महिला टीमें क्रमशः कुवैत और दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं।

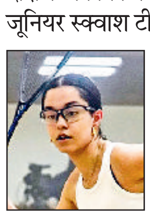

जहां भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुरुष टीम को कुवैत के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी, वहीं महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से आसानी से हराया। भारतीय पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी जबकि महिला टीम का मुकाबला अमेरिका से होगा। पुरुषों के मुकाबले में युशा नफीस शुरुआती मैच में हार गए। इसके बाद आर्यवीर दीवान ने जीत हासिल करके मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। गुरवीर सिंह ने तीसरे और निर्णायक मैच में जीत हासिल करके भारत को अंतिम आठ में पहुंचाया।

टॉप 50 बल्लेबाजों में वैभव की एंट्री शुभमन फिर बने नंबर 1 बल्लेबाज

टी20 में सूर्यवंशी ने लगाई 230 पायदान की लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶ दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए जबकि वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण टी20 अंतराष्ट्रीय रैंकिंग में 230 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। गिल ने वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मिचेल इस साल जनवरी से शीर्ष स्थान पर काबिज थे।

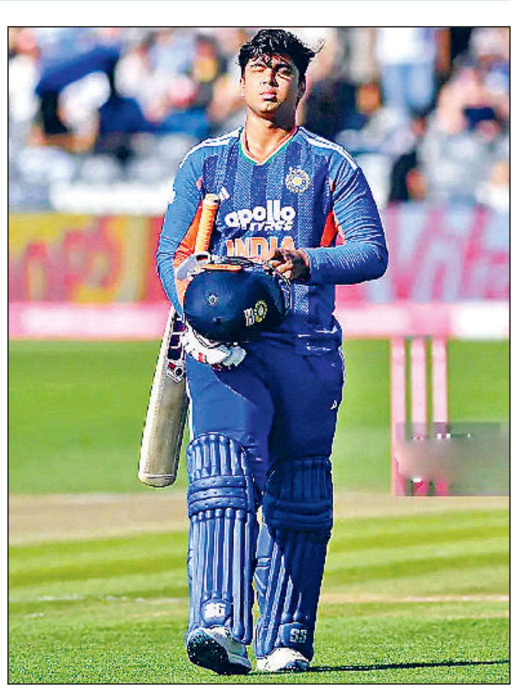

बिश्नोई को फायदा, शीर्ष 10 में वरुण

लेग स्पिनर रवि बिश्नोई टी20 में गेंदबाजों की सूची में 31 पायदान ऊपर 41वें स्थान पर पहुंच गए, लेकिन चोटिल होने के कारण जिंबॉब्वे दौरे से बाहर रहे वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान नीचे खिसक गए लेकिन वह शीर्ष 10 में बने हुए हैं।

टी20 में टॉप पर काबिज ईशान

सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अपने इस शानदार प्रदर्शन से यह 15 वर्षीय बल्लेबाज शीर्ष 50 में जगह बनाने में सफल रहा। सूर्यवंशी के 536 रेटिंग अंक हैं। ईशान किशन टी20 में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके 910 रेटिंग अंक हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (848) पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। इस बीच तिलक वर्मा दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर, जबकि टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सात पायदान ऊपर 24वें स्थान पर आ गए।

इंग्लैंड में 5 अगस्त से मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट सीरीज

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के माजिद मगरे 5 से 19 अगस्त तक इंग्लैंड में होने वाली मिश्रित दिव्यांग टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भारत की 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। साई आकाश शिवमणि को इस दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जहां भारतीय टीम सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पहले दो मैच 5 और 7 अगस्त को डर्बी के आवरकूप काउंटी ग्राउंड में खेले जाएंगे, इसके बाद तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 अगस्त को लीसेस्टर में होगा। चौथा मैच 12 अगस्त को होव के काउंटी ग्राउंड में, पांचवां और छठा मैच 15 और 16 अगस्त को अरुंडेल में जबकि अंतिम मैच 19 अगस्त को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

एशियाई खेल : भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, लालागे की जगह पाल शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी 20 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम में केवल एक बदलाव करके आदित्य अर्जुन लालागे की जगह मिडफील्डर राज कुमार पाल को शामिल किया है।

राज कुमार को अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन वह एशियाई खेलों के लिए वापसी करने में सफल रहे। लालागे

नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। भारतीय टीम प्रबंधन और हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इसके अलावा विश्व कप में खेलने वाली टीम में कोई अन्य बदलाव नहीं किया है। स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में ही 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। भारत की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाले अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह सहित कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।

वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट किया अपने नाम, पाकिस्तान को हराया

एजेंसी ▶▶ तारौबा

जाडेन सील्स के 5 विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 90 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

पहली पारी में 311 रन बनाने वाली वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 181 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 211 रन का लक्ष्य रखा लेकिन उसकी टीम केवल 120 रन पर आउट हो गई। पाकिस्तान में पहली पारी में 282 रन बनाए थे। पाकिस्तान की दूसरी

पारी में केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 58 रन बनाए।

क्रिकेट

पूर्व सहायक कोच डोशेट की केकेआर में वापसी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारतीय टीम के सहायक कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करने के बाद रयान टेन डोएशे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गए हैं, जहां वह क्रिकेट रणनीति प्रमुख की भूमिका निभाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुष्टि की है कि टेन डोएशे और फील्डिंग कोच टी. दिलीप का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। नीदरलैंड के पूर्व बल्लेबाज टेन डोएशे अब केकेआर फ्रेंचाइजी में एक नई भूमिका में नजर आएंगे, जिसमें क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा खोज और विश्व भर में केकेआर से जुड़ी टीमों के विकास पर निगरानी रखना शामिल है।

टेन डोएशे केकेआर फ्रेंचाइजी में खिलाड़ियों की खोज, उनके चयन, टीम योजना और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। टेन डोएशे कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स, आईएलटी20 में अबूधाबी नाइट राइडर्स और मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के सहायक कोच के रूप में भी कार्य करेंगे। टेन डोएशे 2012 और 2014 में केकेआर की आईपीएल चैंपियन बनने वाली टीम के सदस्य थे। केकेआर ने जब 2024 में तीसरा खिताब जीता था तब वह उसके कोचिंग स्टाफ के सदस्य थे।

300 मिलियन डॉलर पार करने वाली पहली टीम बनी आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के ब्रांड मूल्य वाली दुनिया की पहली क्रिकेट टीम बन गई है, जबकि आईपीएल का व्यावसायिक उद्यम मूल्य बढ़कर 20.6 बिलियन डॉलर हो गया है। वैश्विक निवेश बैंक हाउलिहान लोके ने अपनी एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। बैंक की 2026 'ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट' में कहा गया है कि आईपीएल का मूल्य 11.4 प्रतिशत बढ़कर 20.6 बिलियन डॉलर हो गया है। आरसीबी ने 312 मिलियन डॉलर के मूल्य के साथ आईपीएल फ्रेंचाइजी में अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखा है। मुंबई इंडियंस 264 मिलियन डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ दूसरे स्थान पर है।

जॉर्ज और मन्नेपल्ली की दूसरे दौर में एंट्री

ताइपे ओपन : सीधे गेमों में जीते प्रणय और उन्नति, अगल दौर में प्रवेश

एजेंसी ▶▶ ताइपे सिटी

अनुभवी शटलर एचएस प्रणय और उन्नति हुडा ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के मिनोरु कोगा को 21-11 21-14 से हराया।

अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा, जिन्होंने एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मिथुन मंजुनाथ को 21-18 21-4 से हराया। पुरुष एकल में किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। जॉर्ज ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-10 21-18 से जबकि मन्नेपल्ली ने कोरिया के आठवें वरीय जियोन ह्योक

जिन को 21-12 21-15 से हराया। जॉर्ज और मन्नेपल्ली अगले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। पुरुष एकल क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले रौनक चौहान इंडोनेशिया के रिची दुता रिचार्डो से 14-21 16-21 से हार गए।

उन्नति ने की अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत

महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त उन्नति ने अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए ताइपे की पेई यू वांग को 21-12, 21-18 से हराया। अब उनका मुकाबला हमवतन तान्या हेमंत से होगा, जिन्होंने ताइपे की ही वेन ची सू को कड़े मुकाबले में 21-16, 14-21, 21-16 से पराजित किया। भारत की अन्य खिलाड़ियों में आठवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब महिला एकल के अगले दौर में पहुंच गईं।

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को दी मात

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को 14-21 21-7 21-15 से, तन्वी ने हमवतन तस्नीम मीर को 21-16 22-20 से और अनमोल ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 21-15 11-21 21-19 से हराया। देविका का अगला मुकाबला इंडोनेशिया की कडेक ढिंडा अमर्त्य प्रतिवी से होगा। तन्वी का मुकाबला अब इंडोनेशिया की थालिता रामधानी विरियावान से होगा, जबकि अनमोल का सामना चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त ह्सियांग टी लिन से होगा। भारत की एक अन्य खिलाड़ी श्रीयांशी वलीशेट्टी को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपानिडा कटेथोंग से 11-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

असम में बाढ़ का कहर: 622 गांव पानी में डूबे, 75 लोगों की गई जान

पिछले 24 घंटे में 7 लोगों की मौत हुई। सात जिले अब भी प्रभावित हैं। सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि बढ़ाकर 9 लाख रुपए कर दी है और राहत अभियान जारी है

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम में बाढ़ का कहर जारी है। अब इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। बाढ़ के कारण असम में पिछले 24 घंटों में सात लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इससे प्रभावित लोगों की संख्या घटकर 3.32 लाख रह गई है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को बढ़ाकर 9 लाख रुपये प्रति परिवार कर दिया है।

मुआवजे का लाभ उठाने के लिए मानदंडों में ढील दी है। अधिकारियों ने बताया कि शिवसागर, चराइदेव, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव, सोनितपुर और कामरूप महानगरपालिका के सात जिले अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 21 राजस्व सर्किल और 622 गांव प्रभावित हुए हैं।

- राज्य के 7 जिलों की करीब साढ़े 3 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित
- प्रभावित जिलों में 81 राहत शिविर कार्यरत, जिनमें 32,477 विस्थापित लोगों ने शरण ली

खतरनाक हालात पर हिमंता सरकार का बड़ा ऐलान

कीचड़ से मुसीबत,बीमारियों का डर

पीड़ित क्षेत्रों में बांटी जा रहीं दवाएं

45 हजार हेक्टेयर की फसल चौपट

बाढ़ प्रभावित जिलों में 45,341.98 हेक्टेयर फसल क्षेत्र जलमग्न हो गया है। वहीं, घरों, गौशालाओं, स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों जैसे विभिन्न बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। अधिकारियों ने बताया कि निर्बाध मोबाइल फोन कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए, शिवसागर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में इंट्रा सर्कल रोमिंग (आईसीआर) सुविधा को 30 जुलाई को रात 11:59 बजे तक या अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया है।

चराईदेव में सबसे ज्यादा नुकसान

बाढ़ से प्रभावित आबादी 3.32 लाख थी। वहीं, चराइदेव सबसे बुरी तरह प्रभावित जिला था, जहां 1.42 लाख लोग प्रभावित हुए, उसके बाद शिवसागर (97,074) और जोरहाट (57,371) का स्थान रहा। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को सात लोगों की मौत की सूचना शिवसागर जिले के नजरिया राजस्व सर्कल से मिली, जिससे इस साल बाढ़ में मरने वालों की संख्या 75 हो गई है।

कई पशु पानी में डूबते दिखे

सीएम सरमा ने कहा-राहत कार्य जारी

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में राहत शिविरों में बच्चों की सीखने-सिखाने की गतिविधियों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, राहत शिविरों में बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना हमारी प्राथमिकता बनी हुई है। सीखने और खेलने के लिए समर्पित स्थान यह सुनिश्चित करने में मदद कर रहे हैं कि बाढ़ का प्रभाव उनके बचपन को बाधित न करे और वे मौजूदा स्थिति से प्रतिकूल रूप से प्रभावित न हों।

खबर संक्षेप

एक टीटीई 5 एसी या 3 स्लीपर कोच करेंगे चैक

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि भारतीय रेलवे में कर्मियों

का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए नए दिशानिर्देश लागू किए गए हैं। इसके तहत एक ट्रैवलिंग टिकट परीक्षक (टीटीई) को अधिकतम 5 एसी डिब्बों या 3 चेयर कार/स्लीपर डिब्बों में टिकट जांच की जिम्मेदारी दी जाती है। नांदेड़ से कांग्रेस सांसद रवींद्र वसंतराव चव्हाण द्वारा टीटीई पर बढ़ते काम के बोझ से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि ट्रेन में तैनात टीटीई की संख्या डिब्बों के प्रकार पर निर्भर करती है।

पाक ने प्रदर्शनकारियों को बताया बड़ा दुश्मन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी और सुरक्षा

बलों के बीच हिंसक झड़पों में मृतकों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। हालात बिगड़ने के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने प्रदर्शनकारियों की तुलना भारत से करते हुए उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन करार दिया किसी भी बातचीत से साफ इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने दावा किया कि प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद मीरपुर पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। मीरपुर समेत कई इलाकों में बाजार और दुकानें पूरी तरह बंद रहीं।

भारत और पाक के लोगों ने की वारदात

सस्ते ट्रिप का झांसा देकर थाईलैंड के पटाया में 3 भारतीयों का अपहरण

◀ परिजनों को फोन कर मांगी फिरौती

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

थाईलैंड में छुट्टी मनाने गए तीन भारतीयों के लिए यह ट्रिप एक बुरे सपने में बदल गई। उन्हें पटाया में भारतीय और पाकिस्तानी नागरिकों के एक गिरोह ने कथित तौर पर कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा।

इन नागरिकों को स्थानीय पुलिस ने आखिरकार रेस्क्यू किया है। इन लोगों को किडनैप करने से पहले कम कीमत वाले टूर पैकेज का लालच देकर देश बुलाया गया था। इसके बाद इनको बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया।

थाईलैंड के अखबार के अनुसार, गिरोह ने पीड़ितों को बार-बार परेशान किया और उनके परिवारों से फिरौती मांगी। इनमें से पांच अपहरणकर्ताओं को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वे थाईलैंड से बाहर जाने के लिए फ्लाइट ले रहे थे। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी भारतीय नागरिक हैं।

पीड़ितों के शरीर पर कई चोटों के निशान

संदिग्ध पाकिस्तानी को अभी पकड़ा नहीं जा सका है। सोमवार को पुलिस ने पटाया में छापा मारा तो उन्हें तीन लोग दो बेडरूम में बंधे हुए मिले। उनके हाथ, मुंह और पैर बंधे हुए थे। अधिकारियों ने उनके टखनों पर चोट के निशान भी देखे, जो कठोर चीजों से बार-बार पीटे जाने के कारण बने थे। सभी को अस्पताल ले जाया गया और जरूरी इलाज कराया गया। इन लोगों ने जांचकर्ताओं को बताया कि एक हफ्ते तक बंधक बनाए जाने के दौरान उन्हें रोजाना टॉर्चर किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें उल्टा लटकाया गया, टखनों पर पीटा गया, खाना और टॉयलेट की सुविधा नहीं दी गई, और फिरौती की मांग के लिए भारत में अपने परिवारों को फोन करने के लिए मजबूर किया गया।

दो मंजिला घर में बंधक बनाकर रखा था

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अवतार सिंह, जगजीत सिंह, रामबालक कुमार, सुखबीर सिंह और कुलरा सिंह के तौर पर हुई है। उन्हें बैंकाक के ख्लोंग टैन इलाके के एक होटल से पकड़ा गया। इनकी पकड़ से 23 से 26 साल की उम्र के इन तीन पीड़ितों को थाई पुलिस ने 27 जुलाई को पटाया के बैंग लमुंग जिले में एक दो मंजिला घर से बचाया। पुलिस ने अपहरणकर्ताओं का पता लगाकर इस जगह तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की। गिरोह ने कथित तौर पर इन लोगों को कम कीमत वाले सात दिन के टूर पैकेज का लालच देकर थाईलैंड बुलाया था और फिर उनका अपहरण कर लिया था।

लखनऊ स्थित कमांड अस्पताल में सैन्य दवाओं के विभाग का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए बोले रक्षा मंत्री

पारंपरिक हथियारों संग सामूहिक विनाश के हथियारों का खतरा बरकरार: राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित कमांड अस्पताल में सैन्य दवाओं के विभाग का यहां राष्ट्रीय राजधानी से वर्चुअल माध्यम के जरिए उद्घाटन किया है। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह एक उत्कृष्टता वाला विभाग है। जो देश को उभरते हुए खतरों से दो-दो हाथ में सक्षम बनाएगा। साथ ही उन्होंने युद्ध की तैयारी को मजबूत बनाने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित निवारक स्वास्थ्य देखभाल का भी आह्वान किया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

राजनाथ ने बताया कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण कुछ जरूरी पहलू होते हैं। जिनमें सामाजिक और आर्थिक विकास मुख्य रूप से शामिल हैं। लेकिन इसमें भी कोई दोराय नहीं है कि किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और प्रगति का मुख्य आधार उसकी सेना की शक्ति और मनोबल में पूरी तरह से समाहित होता है। उन्होंने सैनिकों को अपनी ओर से भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस केंद्र की मदद से उन्हें उन्नत चिकित्सा सहायता और जरूरी देखभाल मिलेगी। जिससे हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को बल मिलेगा।

इन मामलों पर केंद्रित होगा ये विभाग

यह विभाग खासतौर पर सैन्य चिकित्सा पर केंद्रित देश का पहला समर्पित शैक्षणिक और परिचालन विभाग है। जिसका असल मकसद युद्धकालीन तैयारियों को पुख्ता बनाना, अनुसंधान को बढ़ावा देना, स्वदेशी सिद्धांतों का विकास सहित भावी युद्धक्षेत्रों और मानवीय आपात परिस्थितियों के लिए विशेषज्ञता को बढ़ावा देना है। विभाग में कुछ प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जिनमें सैन्य संबंध आघात-क्षति नियंत्रण, युद्ध मनोचिकित्सा-दृढ़ता, पर्यावरण-परिचालन चिकित्सा, सैन्य चिकित्सा रसद , रासायनिक, जैविक, विकिरणीय, परमाणु-विस्फोटक चिकित्सा प्रतिक्रिया, आपातकालीन चिकित्सा-गहन देखभाल, एचएडीआर, लेखा परीक्षा-डेटा विश्लेषण मुख्य हैं।

चरणबद्ध होगा विभाग का विकास

राजनाथ के मुताबिक, इस विभाग का चरणबद्ध रूप से किया जाएगा। शुरुआत में शैक्षणिक कार्यक्रमों की स्थापना के अलावा इन्हें शुरू किए जाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बाद में एचएडीआर और सीबीआरएनई चिकित्सा में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की जाएगी। जिसके बाद ही यह केंद्र सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक मान्यता प्राप्त केंद्र के रूप में विकसित होगा।

सैन्य चिकित्सा का महत्व

रक्षा मंत्री ने सैन्य चिकित्सा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि जिस प्रकार अंतरिक्ष चिकित्सा पृथ्वी की निम्न कक्षा में पायलटों, अंतरिक्ष यात्रियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करती है। ठीक उसी प्रकार से सैन्य चिकित्सा युद्ध और युद्ध जैसे परिस्थितियों के वक्त पर मनुष्य के शरीर पर पड़ने पर शारीरिक, मानसिक तनावों का अध्ययन करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे सैनिक विश्व के कुछ बेहद जटिल क्षेत्रों और कठोर जलवायु के बीच तैनात हैं। यह वो चुनौतीपूर्ण इलाके हैं, जहां उन्हें एक साथ कई चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है। ऐसे में यह चिकित्सा विभाग ही एक ऐसा विभाग होगा। जो इन विविध परिस्थितियों के हिसाब से चिकित्सा प्रोटोकॉल तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पारंपरिक हथियारों के साथ बने हुए सामूहिक विनाश के हथियारों के खतरे की चुनौती के बीच यह केंद्र ही अनुसंधान, विकास केंद्र के रूप में कार्य करेगा। जिससे मदद से तेजी से होते तकनीकी विकास के साथ सामने आने वाले नए खतरों से मुकाबला करने के लिए देश को सक्षम बनेगा।

सात साल से रह रहे लोगों को मिलेगा ग्रीन कार्ड, यूएस सीनेट में आया धमाकेदार बिल

वाशिंगटन। अमेरिका में वर्षों से रह रहे लाखों भारतीयों के लिए एक बेहद राहत भरी और बड़ी खबर सामने आई है। डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला ने अमेरिकी संसद में एक नया इमिग्रेशन बिल पेश किया है, जो अगर कानून बनता है तो अमेरिका में कम से कम सात साल से लगातार रह रहे आप्रवासियों को सीधे ग्रीन कार्ड (स्थायी निवास) के लिए आवेदन करने का अधिकार देगा। इस कदम से लंबे समय से स्थायी निवास का इंतजार कर रहे एच-1बी वीजा धारक भारतीय पेशेवर, ड्रीमर्स और टीपीएस धारकों समेत लगभग 80 लाख लोगों को सीधा फायदा पहुंचेगा। पैडिला ने इमिग्रेशन एक्ट ऑफ 1929 के प्रावधानों के नवीनीकरण के तहत पेश इस बिल के जरिए 1986 के बाद से न बदले गए नियमों को आधुनिक बनाने की वकालत की है।

यूक्रेन में फंसे 13 भारतीय नाविक, सुरक्षा की मांग

कीव। यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर खड़े वाणिज्यिक पोत एमवी अमीर-1 पर सवार 13 भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर कीव स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वह स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है। क्षेत्र में लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण नाविक भय के साये में हैं। भारतीय नाविक संघ ने भारत सरकार से चालक दल की तत्काल सुरक्षा और उनकी स्वदेश वापसी की गुहार लगाई है। इससे पहले 25 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह पर एक अन्य जहाज पर हुए हमले के बाद से दो भारतीय नाविक अभी भी लापता हैं। जिनकी तलाश जारी है।

अब भारत में सजेंगी वर्ल्ड-क्लास

224 धरोहरों पर शो और आरबीआई के बड़े फैसले से लाइव इवेंट्स को मिला सुपर-बूस्ट!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लाइव इवेंट सेक्टर को आर्थिक विकास, रोजगार, पर्यटन और संस्कृति का प्रमुख जरिया मानते हुए वर्ष 2030 तक भारत को वैश्विक लाइव इवेंट्स का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने लोकसभा में यह जानकारी दी। जुलाई 2025 में गठित लाइव इवेंट्स डेवलपमेंट सेल (एलईडीसी) की अब तक हुई चार बैठकों में इस उद्योग को मजबूती देने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं।

29 राज्यों में नोडल अधिकारी नियुक्त

कारोबार को सुगम बनाने के लिए इंडिया सिने हब (आईसीएच) पोर्टल पर ऑनलाइन अनुमति प्रणाली शुरू की गई है, जहां 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। इसके अलावा 13 मार्च 2026 को जारी मॉडल लाइसेंसिंग फ्रेमवर्क को तीन राज्यों में लागू भी किया जा चुका है। सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने एसओपी तैयार कर 224 विरासत स्थलों पर कार्यक्रमों की अनुमति दे दी है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109